दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : मंगलवार, 7 जुलाई, 2026 | वर्ष -01 | अंक-141 | पृष्ठ-14 | मूल्य : 01 रु. | ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-पंजाब से 6 और आतंकी गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और पंजाब से छह और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार सभी आरोपी पाकिस्तान के गैंगस्टर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (क्रक) के एजेंट शहजाद भट्टी के मॉड्यूल से जुड़े हुए हैं।स्पेशल सेल ने कार्रवाई के दौरान इस नेटवर्क के दो अलग-अलग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा था, जबकि दूसरा अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था।

आज राज्य में भारी बारिश की संभावना

पटना। बिहार में मानसून एक बार फिर पूरी रफ्तार में लौट आया. भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने 7 जुलाई को राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई. मौसम विभाग ने 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी. लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जलजमाव और निचले क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बनने की आशंका भी जताई गई।

महाराष्ट्र के सातारा में पुल टूटा, क्रेन से कारें निकालीं

मुबंई। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए।

मणिपुर के उखरूल में आत्मघाती हमले में दो जवान शहीद

इंफाल। मणिपुर के उखरूल जिले में सोमवार दोपहर करीब 1:50 बजे नुंगशांग कोंग के पास 40 असम राइफल्स के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। हमला उस समय हुआ, जब जवान अपनी ड्यूटी पूरी कर शांगशाक बटालियन हेडक्वॉर्टर की ओर लौट रहे थे। घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अचानक अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जोरदार विस्फोट किए।

बिपार्ड गया और पटना में प्रशिक्षण क्षमता का करें और विस्तार : सम्राट

बिपार्ड, पटना को मिला तीसरा आईएसओ 9001:2015 प्रमाण-पत्र

शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने में बिपार्ड निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

पटना (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड), पटना को बिहार में तीसरा आईएसओ 9001:2015 प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। आईएसओ प्रमाणीकरण करने वाली संस्था के पदाधिकारी तरूण स्वरूप ने बिपार्ड के महानिदेशक डॉ. बी. राजेन्दर को आईएसओ प्रमाण-पत्र प्रदान किया। जबकि बिपार्ड, गया और सामान्य प्रशासन विभाग को आईएसओ प्रमाण-पत्र पहले प्रदान किया जा चुका है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिपार्ड को आईएसओ 9001:2015 प्रमाण पत्र मिलने पर संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह सर्टिफिकेट

संस्थान की गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली, पारदर्शिता तथा उत्कृष्ट प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमाण है। बिपार्ड को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि हमारी संस्थाएं विश्वस्तरीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य कर रही हैं। यह संस्थान बिहार के प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि बिपार्ड में वर्ष भर नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और 365 दिनों तक प्रशिक्षण की व्यवस्था संचालित रहती है। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से प्रशासनिक दक्षता बढ़ती है तथा सुशासन को और मजबूती मिलती है। सीएम ने कहा कि बिहार को सुशासन, गुणवत्ता, पारदर्शिता, उतरदायित्व और उत्कृष्ट लोक सेवा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेंगे। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बिपार्ड, गया और पटना में प्रशिक्षण क्षमता का और विस्तार किया जाए। नवीन तकनीकों, आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों तथा प्रशासनिक नवाचारों को शामिल करते हुए संस्थान की कार्यक्षमता को निरंतर सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण अवसंरचना, संसाधनों, मानवबल तथा पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ करने के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य करते रहें ताकि दोनों संस्थान राज्य में क्षमता निर्माण एवं सुशासन के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित हो सकें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारीगण तथा आईएसओ प्रमाणीकरण करनेवाले संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सूबे के हर जिलों में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर होगा पार्क व सड़क : मुख्यमंत्री

पटना (एनएसबी)। दिवंगत केंद्रीय मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति को स्थायी रूप से संजोने के लिए सम्राट सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर घोषणा की है कि बिहार के सभी जिला मुख्यालयों में किसी महत्वपूर्ण पार्क या सड़क का निर्माण अथवा नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया जाएगा।सरकार का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके राष्ट्रनिर्माण में दिए गए योगदान से परिचित कराना और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला में ट्रस्ट का बड़ा ऐलान

कृष्ण मोहन बने ट्रस्ट के कार्यकारी महासचिव

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की राम जन्मभूमि परिसर में सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया। साथ ही ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया। श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए ट्रस्ट ने अब तक की भेंट, दान और चढ़ाव की धनराशि को सार्वजनिक करते हुए कहा कि कोई भी दानकर्ता यहां आकर अपनी भेंट या दान का सत्यापन

गोपाल नगरकोटे का नाम विशिष्ट आमंत्रित सदस्य सूची से हटाया गया

कर सकता है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि महाराज ने बैठक में लिये गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों का कोरम पूरा हुआ और इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्य के. पारासरन आभासी रूप से जुड़े। बैठक में मंदिर के दान में चोरी की घटना को अत्यंत दुर्भाग्य और आहत करने वाली बताया गया। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र द्वारा नैतिक रूप से अपने अपने पदों से दिए गए त्यागपत्र पर ट्रस्ट के नियमों के अनुरूप चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी के. पारासरन ने सदस्यों को बताया कि ट्रस्ट का नियम है कि अगर कोई सदस्य त्यागपत्र देता है तो त्यागपत्र स्वीकार हो जाएगा। ऐसे में नैतिक आधार पर महामंत्री चम्पत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्र का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। साथ ही ट्रस्टी कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया है। इनकी मदद के लिए एक समिति भी गठित की गयी। इसके अलावा गोपाल नगरकोटे का नाम विशिष्ट आमंत्रित सदस्य सूची से हटा दिया गया है।

चोरी करने वालों को दंड दिलाना प्राथमिकता : बैठक में कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि पहला काम चढ़ावा चोरी करने वाले अपराधियों को दंड दिलाना और मंदिर प्रबंधन में अब तक रहीं कमियां दूर करना है। ट्रस्ट के सदस्य समाज में राम मंदिर की पुनः प्रतिष्ठा और विश्वास बनाएंगे।

कृष्ण मोहन

चंपत राय

अनिल मिश्रा

ट्रस्ट ने सार्वजनिक की भेंट दान और चढ़ावा की राशि श्रद्धालु अयोध्या आकर कर सकते हैं सत्यापन

22 को होगी ट्रस्ट की पुनः बैठक

गोविंद देव गिरि ने बताया कि 22 जुलाई को ट्रस्ट की पुनः बैठक होगी। बैठक में ट्रस्ट के नए सदस्यों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। दान चोरी करने वाले अन्य अपराधियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दान की गयी 2800 वस्तुतों की सूची बनी है और अगर किसी भी दानदाता के मन में संशय है तो वे ट्रस्ट के अयोध्या कार्यालय आकर देख सकते हैं। सभी वस्तुओं को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है।

श्रद्धालुओं का विश्वास पुनः स्थापित करेगा ट्रस्ट

बड़े ही भावुक होते हुए गोविंद देव गिरि महाराज ने कहा कि मंदिर चोरी के प्रकरण को लेकर अनर्गल बातें मीडिया में आने और कुछ राजनीतिक दलों की ओर से इस मुद्दे पर जो चिंता दिखायी जा रही है वे राष्ट्र के लिए घातक हैं, क्योंकि यही वे राजनीतिक दल और नेता हैं जो भगवान राम को काल्पनिक बता कर न्यायालय तक गए। मंदिर आंदोलन के समय कारसेवकों पर गोलियां तक चलवाईं। ऐसे नेताओं एवं संगठनों का मकसद राजनीतिक रोटियां सेंकना और हिंदू एकता, रामभक्तों और सनातन पर चोट करना है, लेकिन ट्रस्ट आह्वान करता है कि सभी हिंदू समाज की अपेक्षा के अनुरूप काम करेगा और उनका विश्वास पुनःस्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि राम भक्त धैर्य रखें और किसी प्रकार के अनर्गल समाचारों पर ध्यान न दें।

सार्वजनिक की गई धनराशि

ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि आज की बैठक में प्रमुख रूप से दानपात्रों से प्राप्त राशि की गणना की प्रक्रिया में अनियमितता, उसकी जांच और कार्यवाही, महामंत्री और एक न्यासी के न्यासी पद से त्यागपत्रों, मीडिया में चल रही चचाओं, भावी अन्तरिम व्यवस्थाओं आदि विषयों पर विचार हुआ। अब तक निधि समर्पण अभियान एवं कॉर्पस दान के माध्यम से प्राप्त कुल राशि 3,264 करोड़ रुपये में से 2,370 करोड़ रुपये निर्माण एवं पूंजीगत व्यय में उपयोग की गई है।

गैस कटर से शटर काट मोबाइल दुकान से 40 लाख की चोरी

फतुहा (एनएसबी)। पटना के दनियावां थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय बाजार में गैलेक्सी टावर में संचालित नेहा मोबाइल कॉर्नर में रविवार देर रात शातिर चोरों ने गैस कटर से दुकान का शटर और लोहे की ग्रिल काटकर बड़े मोबाइल शोरूम और गोदाम में चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस की गश्ती पर सवाल खड़ा कर दिया है। चोरों ने दुकान से करीब 3 लाख 20 हजार रुपये नकद सहित आईफोन, वीवो के कीमती मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसे करीब 40 लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर फरार हो गए।

इस संबंध में दुकान के प्रोपराइटर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि वे रोज की तरह रविवार की रात 11 बजे दुकान बंद कर घर गए थे। सुबह किसी परिचित की सूचना पर जब मौके पर पहुंचे, तो दुकान का शटर कटा देख होश उड़ गए। तुरंत डायल 112 को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में दुकान खोली गई। अंदर तिजोरी से नकदी गायब थी और शोरूम व गोदाम में रखे महंगे फोन, 10 पीस एचपी लैपटॉप, टीवी और बैटरियां गायब थीं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फतुहा एसडीपीओ संजीव कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तकनीकी अनुसंधान और गुप्त स् ूत्रों से पता चला है कि चोरों की संख्या 4 से 5 थी। पुलिस की कई टीमें छापेमारी कर रही हैं। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर सामान बरामद कर लिया जाएगा।

दनियावां बाजार में हुई वारदात
कैश-आईफोन सहित कई मोबाइल ले गए

बांकीपुर उपचुनाव : RJD से रेखा गुप्ता होंगी उम्मीदवार

पटना (एनएसबी)। राजद ने बांकीपुर उपचुनाव में अतिपिछड़ा वर्ग से आने वाली राजद नेत्री रेखा गुप्ता को मैदान में उतारा है। इस पर राजद प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव में अतिपिछड़ा वर्ग से आने वाली राजद नेत्री रेखा गुप्ता जैसी जुझारू, कर्मठ और जनसेवा के लिए समर्पित उम्मीदवार को मैदान में उतार कर दूरदर्शी सोच का परिचय दिया है। इस उपचुनाव में बांकीपुर की जागरूक जनता भाजपा के चार दशक पुराने राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता को भारी मतों से विजयी बनाएगी। वहीं उन्होंने आगे कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता पिछले लगभग 40 वर्षों से भाजपा के प्रतिनिधित्व को देख रही है, लेकिन आज भी राजधानी का यह महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र मूलभूत नागरिक सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। भाजपा ने विकास के नाम पर केवल वादे किए, जबकि जमीनी हकीकत बदहाल सड़कों, जलजमाव, ट्रैफिक अव्यवस्था, टूटी हुई नालियों और अव्यवस्थित शहरी सुविधाओं से जनता परेशान है।

40 वर्षों से बांकीपुर की जनता के साथ छल कर रही भाजपा : अरुण

पटना में विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई अंचल लिपिक घूस लेते गिरफ्तार

पटना (एनएसबी)। जमाबंदी कराने के नाम पर 50 हजार रुपये घूसे लेते धनरूआ अंचल के लिपिक (क्लर्क) को निगरानी विभाग ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी लिपिक की पहचान शैलेश कुमार के रूप में हुई है, जो पिछले 3 साल से धनरूआ अंचल में कार्यरत था.निगरानी विभाग के डीएसपी आसिफ रफीक मेहंदी ने बताया कि रमनीबीघा गांव निवासी राजकुमार (पिता चितरंजन सिंह) ने 17 जून 2026 को निगरानी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी. राजकुमार ने आरोप लगाया कि उनकी खानदानी जमीन की जमाबंदी कराने के एवज में अंचल के लिपिक शैलेश कुमार 50 हजार रुपये घूस मांग रहा है.काफी दिनों से परेशान किए जाने के बाद उन्होंने निगरानी में शिकायत की. शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी की टीम ने धावा दल का गठन किया. सोमवार को तय योजना के अनुसार छापेमारी की गई. घूस की राशि लेते समय शैलेश कुमार को रंगे हाथ दबोच लिया गया.गिरफ्तारी के दौरान वहां मौजूद आम जनता ने आरोपी पर आक्रोश जताया. स्थानीय लोगों का कहना था कि यह लिपिक कई लोगों को परेशान कर पैसे ठग चुका है. डीएसपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पीएम मोदी इंडोनेशिया पहुंचे, फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया

जकार्ता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे। सीमा पर पहुंचते ही मेजबान देश के फाइटर जेट्स ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी का यहां तीसरा दौरा है।एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक में करीब ₹2,500 करोड़ की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डील पर मुहर लगने की संभावना है। पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।इंडोनेशिया दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है, लेकिन उसकी सांस्कृतिक विरासत पर हिंदू-बौद्ध सभ्यता की गहरी छाप दिखाई देती है। यहां रामलीला होती है, गरुड़ एयरलाइन है और नोट पर भगवान गणेश की तस्वीर भी छप चुकी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनी

प्रधानमंत्री मोदी बोले-आर्टिकल 370 हटाना उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोमवार को 125वीं जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाना उनके बलिदान को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि थी।

उन्होंने कहा कि मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के लिए संघर्ष किया और इसी आंदोलन के दौरान 1953 में श्रीनगर में हिरासत के दौरान उनका निधन हो गया।प्रधानमंत्री ने अखबारों में प्रकाशित अपने लेख में लिखा कि डॉ. मुखर्जी ने हमेशा 'इंडिया फर्स्ट' और भारतीय मूल्यों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने ऐसे संस्थानों और व्यवस्थाओं की नींव रखी, जो अपने समय से आगे की सोच को दिखाती थीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को एक दिन के दौरे पर पश्चिम बंगाल जाएंगे। अमित शाह सबसे पहले कोलकाता के ईको पार्क पहुंचेंगे। यहां डॉ.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फीट ऊंची प्रतिमा का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वह भवानीपुर स्थित मुखर्जी के पैतृक आवास जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। डॉ. मुखर्जी मानते थे कि शिक्षा संस्थान सिर्फ नौकरी करने वाले लोग तैयार करने के लिए नहीं हैं। उनका उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना होना चाहिए, जो समाज और देश का नेतृत्व कर सकें। सबसे कम उम्र में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के बाद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कई बदलाव किए। देश के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन और सिंदरी उर्वरक संयंत्र जैसी परियोजनाओं की शुरूआत की। साथ ही उन्होंने हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और वस्त्र उद्योग को भी बराबर महत्व दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का मजबूत, एकजुट, आत्मनिर्भर और संवेदनशील भारत बनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि देश का युवा इस लक्ष्य को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन और सिंदरी उर्वरक संयंत्र जैसी परियोजनाओं की शुरूआत की। साथ ही उन्होंने हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और वस्त्र उद्योग को भी बराबर महत्व दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का मजबूत, एकजुट, आत्मनिर्भर और संवेदनशील भारत बनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि देश का युवा इस लक्ष्य को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

मानहानि केस में कोर्ट ने प्रशांत किशोर को किया तलब

पटना (एनएसबी) । जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल की ओर से दायर मानहानि मामले में बेतिया की अदालत ने सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 28 जुलाई 2026 को स्वयं या अपने वकील के माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने साफ किया है कि यदि वे तय तारीख पर उपस्थित नहीं होते हैं, तो मामले की सुनवाई एकपक्षीय (एक्स-पार्टी) तरीके से आगे बढ़ सकती है। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार पहले भेजे गए समन का कोई जवाब नहीं मिलने के बाद यह सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया है। यह मामला डैमेज सूट संख्या-2/2025 से जुड़ा है, जिसे भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने बेतिया न्यायालय में दायर किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि प्रशांत किशोर ने सार्वजनिक मंचों, प्रेस वाताओं और अन्य माध्यमों से सांसद के खिलाफ ऐसे बयान दिए।

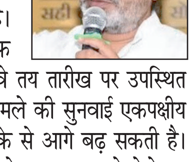

खबरें : एक नजर में

अब सरकार खुद करेगी मृत रैयतों की जमाबंदी अपडेट, आवेदन का इंतजार नहीं होगा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब मृत जमाबंदी रैयतों के उत्तराधिकारियों को अपने नाम से दाखिल-खारिज कराने के लिए वर्षों तक आवेदन देने और कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। राजस्व कर्मचारी स्वयं गांव-गांव जाकर ऐसे मामलों की पहचान करेंगे और सूचना के आधार पर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) लेकर दाखिल-खारिज की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव श्री जय सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और समाहर्ताओं को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसी भी परिवार को केवल जानकारी के अभाव या प्रशासनिक विलंब के कारण अपने वैधानिक अधिकार से वंचित नहीं रहना पड़े। मृत रैयतों के नाम पर वर्षों तक जमाबंदी लंबित रहने से पारिवारिक विवाद, मुकदमेबाजी और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। अब सरकार स्वयं पहल कर ऐसे मामलों का निस्तारण कराएगी।

मंत्री ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक राजस्व कर्मचारी को अपने अधीन प्रत्येक मौजा में हर माह कम-से-कम पांच मृत जमाबंदी धारकों की जमाबंदी अद्यतन करना अनिवार्य होगा। यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक संबंधित मौजा के सभी मृत जमाबंदी मामलों का निस्तारण नहीं हो जाता। इस लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी संबंधित अंचल अधिकारी की होगी।

उन्होंने कहा कि राजस्व कर्मचारी जन्म-मृत्यु निबंधन अभिलेख, चौकीदारी रिपोर्ट, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मृत जमाबंदी धारकों की पहचान करेंगे। आवश्यक जांच के बाद उत्तराधिकारियों से संपर्क कर दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे। यदि निर्धारित समय में बंटवारे से संबंधित कागजात उपलब्ध नहीं होते हैं, तब भी केवल उत्तराधिकार के आधार पर नामांतरण की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। पूरी प्रक्रिया बिहारभूमि पोर्टल पर अनलाइन माध्यम से संपन्न होगी।

डा. जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सूचना आधारित उत्तराधिकार दाखिल-खारिज मामलों की नियमित निगरानी की जाए। अंचल अधिकारी प्रत्येक माह लक्ष्य तय करेंगे, जबकि अपर समाहर्ता एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता हर माह के प्रथम सप्ताह में अंचलवार समीक्षा करेंगे।

मंत्री ने दो टूक कहा कि सरकार इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ लागू कर रही है। किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पतालों में 19 प्रकार की सुनिश्चित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : स्वास्थ्य मंत्री

पटना / एनएसबी। बिहार सरकार राज्य के प्रत्येक नागरिक को उसके जिले में ही बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य के जिला अस्पतालों में 19 प्रकार की सुनिश्चित नैदानिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के माध्यम से मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आधुनिक जांच, दवाएं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं सहित अनेक सुविधाएं एक ही परिसर में निःशुल्क मिल रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में लगातार ऐतिहासिक परिवर्तन हो रहे हैं। जिला अस्पतालों को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि आम लोगों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों या मेडिकल कलेजों पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में सामान्य ओपीडी, में आई हेल्प यू काउंटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं, 350 से अधिक प्रकार की निःशुल्क दवाओं का वितरण, एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड तथा पैथोलजी जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही पीपीएच और आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क सीटी स्कैन एवं डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त अन्य लोगों को रियायती दरों पर यह सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए जिला अस्पतालों में 24 घंटे एसएनसीयू, सामान्य प्रसव एवं सी-सेक्शन, कुपोषित बच्चों के लिए न्यूट्रिशन रिहैबिलिटेशन सेंटर, निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण, 25 जिला अस्पतालों में मोतियाबिंद अपरेशन, ब्लड बैंक तथा फिजियोथेरेपी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों को जीविका समूहों के माध्यम से स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और पहुंच सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक उपकरणों और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को और सुढ़ किया जाएगा, ताकि बिहार का प्रत्येक नागरिक अपने जिले में ही विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वस्थ बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

काउंसिलिंग पूर्ण करने वाले विशिष्ट शिक्षकों को मिलेगा औपबंधिक नियुक्ति पत्र

पटना (दैनिक नवसंदेश)। तृतीय और चतुर्थ सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने तथा द्वितीय चरण के तहत काउंसिलिंग पूर्ण करने वाले विशिष्ठ शिक्षकों को औपबंधिक नियुक्ति पत्र देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने काउंसिलिंग पूर्ण करने वाले विशिष्ठ शिक्षकों को 20 से 25 जुलाई तक संबंधित विद्यालयों में योगदान कराने की तिथि निर्धारित किया है। इसको लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजा है।

पत्र में कहा गया है कि जिलों में पदास्थापित वैसे स्थानीय निकाय के शिक्षक जो सक्षमता परीक्षा तृतीय एवं चतुर्थ उत्तीर्ण है और जिनकी काउंसिलिंग की कार्रवाई 26 मई 2026 को पूर्ण हो गई है उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी के स्तर से सर्वप्रथम विशिष्ठ शिक्षक के रूप में औपबंधिक नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाएगा। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी के स्तर से सभी विशिष्ठ शिक्षकों को उसी विद्यालय में जहां वे पूर्व से कार्यरत हैं उनके पदास्थापन का आदेश अलग से निर्गत किया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने पत्र में कहा है कि सक्षमता परीक्षा तृतीय और चतुर्थ उत्तीर्ण एवं द्वितीय चरण के काउंसिलिंग पूर्ण शिक्षक अभ्यर्थियों को 15 से 18 जुलाई के बीच जिला स्तर पर औपबंधिक नियुक्ति पत्र, विद्यालय पदास्थापन पत्र एवं विद्यालय योगदान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद औपबंधिक रूप से नियुक्त विशिष्ठ शिक्षक डीईओ द्वारा निर्गत पदास्थापन आदेश के आलोक में दिनांक 20 जुलाई से लेकर 25 जुलाई के बीच संबंधित विद्यालय में विशिष्ठ शिक्षक के रूप में अपना योगदान देंगे।

कर निर्धारण के दायरे से बाहर की संपत्तियों की पहचान के लिए पटना नगर निगम का विशेष अभियान

बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क कर जुटाई जा रही जानकारी, कंट्रोल रूम में 26 सदस्यीय विशेष टीम गठित

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना नगर निगम क्षेत्र में लगभग 7 लाख विद्युत उपभोक्ता हैं, जबकि संपत्ति कर के दायरे में वर्तमान में लगभग 3 लाख संपत्तियां ही पंजीकृत हैं। विद्युत उपभोक्ताओं और संपत्ति कर निर्धारण के बीच मौजूद इस अंतर को कम करने, पंजीकृत होल्डिंग्स की संख्या में वृद्धि करने तथा निगम के कर आधार का विस्तार करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने एक विशेष अभियान शुरू किया है।

इस अभियान के तहत नगर निगम के कंट्रोल रूम में 26 सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया गया है। टीम प्रतिदिन विद्युत उपभोक्ताओं से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर उनकी प्रपर्टी आईडी , स्व-कर निर्धारण संख्या तथा संपत्ति कर भुगतान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर रही है।

संपर्क के दौरान संबंधित उपभोक्ताओं को अपनी संपत्ति का कर निर्धारण कराने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य औपचारिकताओं के संबंध में जानकारी, परामर्श और मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। साथ ही उन्हें शीघ्र संपत्ति कर निर्धारण कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अभियान की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए टीम के सभी सदस्य प्रतिदिन अपनी कार्य-रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रभारी अधिकारी द्वारा कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा प्राप्त परिणामों की समीक्षा कर अनुशंसाओं सहित दैनिक प्रतिवेदन उप नगर आयुक्त (राजस्व) को उपलब्ध कराया जा रहा है।

अभियान की गति और प्रभावशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणाली के उपयोग की भी तैयारी की जा रही है, ताकि कम समय में अधिक से अधिक उपभोक्ताओं से संपर्क स्थापित किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि ऊर्जा विभाग द्वारा पटना नगर निगम को 6,97,792 विद्युत उपभोक्ताओं का विवरण उपलब्ध कराया गया है। इनमें से 6,18,244 उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर दर्ज हैं। अभियान के प्रथम चरण में उन्हीं उपभोक्ताओं से संपर्क किया जा रहा है, जिनके मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल : 99 फीसदी काम पूरा, जुलाई अंत तक उद्घाटन

19.76 लंबे पुल और एप्रोच पथ के बनने से वैशाली का पटना से होगा सीधा जुड़ाव, परियोजना का काम पूरा होने से गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होने के साथ क्षेत्र के किसान, व्यवसाइयों को मिलेगा प्रत्यक्ष लाभ

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना कच्ची दरगाह से वैशाली के राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-103 बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर बनाए जा रहे 6-लेन केबल पुल और एप्रोच पथ परियोजना का काम इसी महीने यानी जुलाई के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल

विभागीय अधिकारियों का मानना है कि परियोजना का काम पूरा होने के बाद इस महीने के अंत तक उद्घाटन के बाद आवागमन के लिए इसे आम जनता को सौंप दिया जाएगा। इससे कच्ची दरगाह, राघोपुर दियारा,वैशाली के बीच सीधा संपर्क होगा और लोगों की यात्रा काफी आसान होगी।

पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि पटना के राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-103 के बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 किमी लंबा 6 लेन ग्रीनफील्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

परियोजना के तहत 9.76 किलोमीटर लम्बा पुल और 10 किलोमीटर लम्बा पहुंच पथ का निर्माण हो रहा है। सचिव ने बताया कि परियोजना का भौतिक कार्य 99.1 फीसदी पूरा किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि यह छह लेन पुल पटना के सबलपुर को एनएच-103 (बिदुपुर) के साथ पटना-बख्तियारपुर बाईपास (एनएच-30) से सीधे जुड़ा होगा।

6 लेन गंगा पुल परियोजना के पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से निर्बाध सड़क सम्पर्कता मिलेगी।

इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों को गति मिलेगी। साथ ही आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में इलाज के लिये पटना पहुंचने वाले लोगों की सहूलियत भी बढ़ेगी। सचिव श्री पाल के अनुसार यह पूरा प्रोजेक्ट पटना और उत्तर बिहार के बीच आवागमन को तेज, सुरक्षित और सुगम बनाएगा। इस छह लेन पुल के बनने से गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होगा।

खबरें खास-खास

साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर चुनाव हेतु मतदाता-सूची प्रकाशित

लिखित-आपत्ति देने के लिए 13 जुलाई, 2026 तक का दिया गया समय

पटना (दैनिक नवसंदेश)। आगामी कार्यकाल के लिए, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर निर्वाचन हेतु, मतदाता-सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यह सूची सम्मेलन के संरक्षक-सदस्यों तथा आजीवन-सदस्यों के अवलोकनार्थ, सम्मेलन-कार्यालय में विगत 29 जून, 2026 से पूर्वाहन 11: 30 बजे से अपराहन 5 बजे तक उपलब्ध है। यदि किसी सदस्य को सूची में कोई त्रुटि अथवा आपत्ति हो, तो वे आगामी 13 जुलाई तक अपनी लिखित आपत्ति सम्मेलन के निर्वाचन पदाधिकारी पण्डित जी पाण्डेय, अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय को, प्रमाण सहित दे सकते हैं।

सम्मेलन के निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्गत इस आशय के पत्र (पत्रांक- 01 / 2026 , दिनांक- 29 / 5/ 26) में स्पष्ट किया गया है कि सदस्यगण चाहें तो अपनी आपत्ति उनके शिवपुरी स्थित आवासीय-कार्यालय पर स्वयं उपस्थित होकर ,अथवा डाक से भी भेजकर दे सकते हैं। आपत्तियाँ अथवा त्रुटियाँ लिखित रूप में, बंद लिफाफे में, निर्वाचन अधिकारी के नाम से संबोधित पत्र द्वारा, सम्मेलन के प्रशासी पदाधिकारी सूबेदार नन्दन कुमार मीत को भी, सम्मेलन-कार्यालय में दिया जा सकता है। यदि कोई आपत्ति उचित पाई जाएगी, तो मतदाता-सूची का यथा-संशोधित पुनः प्रकाशन कराया जाएगा ।

बैरिया के समीप जमीन कब्जा करने पहुंचे 17 बदमाश हथियार और वाहन समेत दबोचे गए

पटना / एनएसबी। रामकृष्ण नगर पुलिस ने जमीन कब्जा करने पहुंचे 17 बदमाशों को हथियार और वाहन समेत दबोचा है। मामले की जानकारी सिटी एसपी पूर्वी शैलजा ने पत्रकारों को दी। पुलिस के मुताबिक रविवार को रामकृष्णानगर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बैरिया बस स्टैंड स्थित 31 कट्ठा तथा 16 कघ्द्वा जमीन को भूमाफियों के लिये अवैध हथियार के बल पर बाउण्ड्री कर जबरन कब्जा करने का योजना बना रहें हैं तथा विधि-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न करने के उदेश्य से अवैध हथियार के साथ बैरिया बस स्टैण्ड के समीप विभिन्न थाना क्षेत्र के पेशेवर अपराधी इकट्ठा होने वाले हैं।

सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, सदर, पटना के नेतृत्व में विशेष कार्य बल पटना, रामकृष्णानगर थाना एवं जिला आसूचना ईकाई, पटना की एक टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न जगहों पर छापामारी कर कुल 17 (सत्रह) अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया तथा इनके निशानदेही पर अवैध शस्त्र बरामद किया गया है। गिरफ्तार कुल 17 अपराधकर्मियों में से 11 अपराधकर्मियों के विरूद्ध गंम्भीर मामलों में पूर्व में भी अपराधिक ईतिहास रहा है।

इनके पास से तीन देशी कट्टा,चार कारतुस, पंद्रह मोबाइल फोन तीन लग्जरी कार बरामद किया गया है। जिन बदमाशों को पकड़ा गया है उनमें विकाश कुमार -हवीपुर थाना-पुनपुन जिला,. मो आलम बीजेपी कार्यालय के पीछे अदालतगंज थाना कोतवाली,अमित कुमार -बड़ी टेंगरैला थाना-नौबतपुर ,आनंद कुमार -पिथनी थाना-दिनारा , अमन कुमार -बड़ी टेंगरैला थाना नौबतपुर, अजित कुमार सा-खपुरी धाना-दुल्हिन बाजार,रोहित कुमार -खपुरी थाना दुल्हिन बाजार,राजवीर कुमार सिंह छोटकी घोषी,. शुभम कुमार -जेलगोड़ा भूली टर पूर्णाडिह वस्ती, थाना-जोरापोखर जिला-धनबाद झारखण्ड, निलेश कुमार -तेजप्रताप नगर बेउर, थाना-बेउर विशाल कुमार रघुनाथ टोला अनिशाबाद थाना-गर्दनीबाग. गौतम कुमार कलनी अनिशाबाद थाना-गर्दनीबाग ,रोहित कुमार उम्र करीब 22 वर्ष पिता-बिजेन्द्र राय सा-हुलासीटोला मनेर ,मनिकान्त कुमार उम्र करीब 30 वर्ष पिता शंभुनाथ यादव पता-मनेर सरकारी अस्पताल के सामने थाना-मनेर जिला-पटना बिट्ठु कुमार उम्र 22 वर्ष पिता-शास्त्रीराय सा-मनेर हुलासी टोला थाना-मनेर जिला-पटना 16 सोनू कुमार उम्र करीब 28 वर्ष पिता-दिनेश कुमार सा-मनेर महादेव स्थान थाना-मनेर जिला-पटना रोहित कुमार उम्र करीब 23 वर्ष पिता-जितेन्द्र शर्मा सा-सराय मोहल्ला मनेर थाना-मनेर।

पिछले 25 वर्षों में निगरानी में सजा दिलाने की दर हुई 5 गुणा : डीजी

बिहार सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में निगरानी ब्यूरो के डीजी जितेंद्र सिंह गंगवार ने कही ये बातें

पिछले 24 वर्षों में प्रति वर्ष औसतन 72 एफआईआर होती थी, सिर्फ पिछले वर्ष 122 मामले किए गए दर्ज

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य में निगरानी ब्यूरो के स्तर से आरोपियों को सजा दिलाने की मुहिम में काफी तेजी आई है। वर्ष 2000 से 2024 के दौरान यानी पिछले 25 वर्षों के दौरान सालाना औसतन 56 आरोपियों को सजा दिलाई गई, लेकिन सिर्फ पिछले वर्ष यानी 2025 में 30 आरोपियों को सजा दिलाई गई। इसमें छह गुणा की बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष अब तक 10 आरोपियों को सजा दिलाई जा चुकी है। इस तरह सजा दिलाने की यह दर इस वर्ष पिछले आंकड़ों से कहीं आगे पहुंच जाएगी। ये बातें निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक (डीजी) जितेंद्र सिंह गंगवार ने कही। वे सोमवार को निगरानी ब्यूरो के कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक (डीजी) जितेंद्र सिंह गंगवार व अन्य।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि मामलों को चिन्हित करते हुए इनका वर्गीकरण कर प्राथमिकता के आधार पर स्पीडी ट्रायल कराने की जरूरत है। ऐसी पहल से टिकाऊबदलाव करने की जरूरत है। इससे शुरुआत में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की संख्या बढ़ेगी, लेकिन बाद में इनकी संख्या कम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल में निगरानी ब्यूरो के स्तर से भ्रष्टाचार के खिलाफ जो कार्रवाई हुई है, उसका सकारात्मक प्रभाव सरकारी महकमों में पड़ा है।

डीजी श्री गंगवार ने कहा कि आगामी योजना के तहत प्रत्येक जिला में एक थाना या ओपी खोलने की है। इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार करके जल्द ही विभाग को भेज दिया जाएगा। प्रत्येक प्रमंडल स्तर पर एक-एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलने का भी प्रस्ताव तैयार किया गया है। मौजूदा समय में पटना, भागलपुर और मुजफ्फरपुर में निगरानी का एक-एक कोर्ट मौजूद है। इसकी संख्या में भी बढ़ोतरी करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई कार्रवाई में टप-6 विभागों की बात करें, तो सबसे ज्यादा कार्रवाई राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के 44 पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके अलावा पुलिस विभाग में 32, स्वास्थ्य विभाग में 10, शिक्षा विभाग में भी 10, ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग में 6-6 पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

श्री गंगवार ने कहा कि निगरानी ब्यूरो में भ्रष्टाचार के खिलाफ पिछले 25 वर्षों यानी वर्ष 2000 से 2024 तक सालाना औसतन 72 एफआईआर होती थी। पिछले वर्ष इसमें 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और एफआईआर की यह संख्या बढ़कर 122 हो गई। मौजूदा वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में इसमें दो गुणा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 25 वर्षों में औसतन दो दिन में एक एफआईआर दर्ज होती थी, लेकिन वर्तमान में यह औसत घटकर 14 दिन हो गई है। इसका मतलब अब औसतन डेढ़ दिन में एक मामला दर्ज हो रहा है। इसी तरह ट्रैप के मामले में पिछले 25 वर्षों में सालाना औसतन 49 होते थे, जो 2025 में बढ़कर 101 हो गई और इस वर्ष इसमें तीन गुणा की बढ़ोतरी होने की संभावना है। महानिदेशक ने कहा कि अवैध तरीके से संपत्ति जमा करने वाले लोक सेवकों के खिलाफ भी तेजी से कार्रवाई की जा रही है। अब तक भ्रष्टाचारियों की 102 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें 32 करोड़ रुपये की संपत्ति अंतिम रूप से जब्त कर ली गई है।

महानिदेशक ने कहा कि शिक्षकों की वर्ष 2006 से 2015 के बीच हुई बहाली में गड़बड़ी की जा रही है। इसमें अब तक 3.50 लाख शिक्षकों के 6.70 लाख प्रमाण-पत्रों की जांच हो गई है, जिसमें 1830 एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। कुछ मामलों की जांच चल रही है। इस जांच में नेपाल के अलावा दूसरे राज्यों के भी 378 बोर्ड या विश्वविद्यालय से विभिन्न तरह के डिग्रियों की जांच कराई गई है। इस मौके पर विकास आयुक्त ने जागरुकता सप्ताह के तहत आयोजित 'भ्रष्टाचार विरोध रोकथाम' विषय पर आयोजित व्याख्यान प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान पाने वाले विभागीय कर्मियों को सम्मानित किया। वहीं, महानिदेशक श्री गंगवार ने पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता में सफल बच्चों को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में पटना बेली रोड स्थित केंद्रीय विद्यालय के बच्चे शामिल हुए। इस मौके पर निगरानी ब्यूरो की आईजी श्रीमती गरिमा मलिक, डीआईजी राकेश रंजन, डीआईजी मृत्युंजय कुमार, एसपी मनोज कुमार, एसपी सुबोध कुमार विस्वास, थानाध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ऐक्टू नेताओं ने दिवंगत महासचिव आरएन ठाकुर को दी श्रद्धांजलि

एटक, इंटक, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, यूटीयूसी सहित सैंकड़ों ट्रेड यूनियन नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

पटना (दैनिक नवसंदेश)। ऐक्टू (एआईसीसीटीयू) के राष्ट्रीय सचिव रणविजय कुमार, ऑल इंडिया स्कीम वर्कर्स फेडरेशन (ईआईएसडब्ल्यूएफ) की राष्ट्रीय महासचिव सह एमएलसी शशी यादव, महासंघ (गोप गुट) के अध्यक्ष रामबली प्रसाद, महासचिव प्रेमचन्द कुमार सिन्हा, ऐक्टू राज्य सचिव मुकेश मुक्त सहित अनेक ऐक्टू एवं महासंघ (गोप गुट) नेताओं ने अपने दिवंगत अल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन्स (ऐक्टू) के बिहार में गठनकर्ता एवं राज्य महासचिव सह राष्ट्रीय सचिव तथा भाकपा (माले) के प्रथम पंक्ति के वरिष्ठ नेता का आरएन ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

ज्ञातव्य है कि 82 वर्षीय कामरेड ठाकुर का निधन बीते कल सुबह 9.10 बजे पीएमसीएच में मेडिकल इमरजेंसी के आईसीयू वार्ड में इलाज के दौरान हो गया। 24 जून की रात्रि में हुए गंभीर ब्रेन स्ट्रोक के बाद उन्हें पीएमसीएच में 25 जून की सुबह भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद वे बेहोशी से बाहर नहीं आ सके और अंततः 5 जुलाई की सुबह आईसीयू में उनका निधन हो गया।

बाद में उनका पार्थिव अंतिम दर्शन हेतु माले के काराकाट से विधायक अरुण सिंह के वीरचंद पटेल पथ स्थित नया विधायक आवास पर रखा गया था जहां उक्त ऐक्टू नेताओं सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियनों खासकर एटक के गजनफर नवाब, रामलला, इंटक के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह, सीटू अनुपम कुमार , दीपक भट्टाचार्य, एआईयूटीयूसी सूर्यकार जितेंद्र टीयूसीसी शिव जी यादव,अनिल शर्मा, यूटीयूसी के वीरेंद्र ठाकुर तथा कार्यपालक सहायक सेवा संघ के पूर्व राज्य अध्यक्ष आशीष कुमार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद एम्पलाइज यूनियन महासचिव शिव शंकर प्रसाद, अटो रिक्शा (टेंपो) चालक संघ महासचिव मुर्तजा अली, महासंघ गोप गुट पटना जिला सचिव मनोज यादव, ऐक्टू राज्याध्यक्ष श्यामलाल प्रसाद सहित सैकड़ों नेताओं ने कामरेड ठाकुर को पुष्प से श्रद्धांजलि अर्पित किया।

जारी बयान में ऐक्टू, गोप गुट सहित उक्त नेताओं ने दिवंगत ऐक्टू नेता कामरेड ठाकुर के निधान को ऐक्टू का नहीं बल्कि बिहार में क्रांतिकारी मजदूर आंदोलन की अपूर्णीय क्षति बताया है। नेताओं ने उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि करीब 20 वर्ष पूर्व जब श्रम संसाधन विभाग द्वारा न्यूनतम मजदूरी दर का नियमित गजट प्रकाशन नहीं किया जाता था तब ठाकुर जी के प्रयाश से ही न्यूनतम मजदूरी गजट का वर्ष में दो बार नियमित प्रकाशन चालू हो सका। नेताओं ने बताया कि बिहार सरकार को वर्ष 2005 में निर्माण मजदूरों के कल्याण बोर्ड का गठन और वित्त विभाग से इसकी स्वीति कामरेड ठाकुर के कारण ही संभव हो सका क्योंकि सरकार द्वारा कल्याण बोर्ड को गठित करने के लिए बनाई गई तीन सदस्यीय एक्सपर्ट कमिटी के वे सदस्य थे ।

मानसून की तैयारियों को लेकर बुडको एवं पटना नगर निगम की संयुक्त समीक्षा बैठक

जल निकासी, सफाई व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को दिए गए स्पष्ट निर्देश

पटना (दैनिक नवसंदेश)। आगामी मानसून के मद्देनजर राजधानी पटना में जलजमाव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव-सह-बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष पराशर एवं पटना नगर निगम के नगर आयुक्त यशपाल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मौर्य लोक परिसर स्थित मौर्य मंडपम में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में बुडको एवं पटना नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, अभियंताओं तथा संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए दोनों अधिकारियों ने सभी संबंधित लाइन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि शहर में जहां कहीं भी खुले गड्ढे, नाले अथवा मैनहोल हैं, वहां तत्काल प्रभाव से बैरिकेडिंग की जाए अथवा लाल झंडे लगाए जाएं, ताकि वर्षा के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकें और किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे।

बैठक में 'बुडको के प्रबंध निदेशक ने कहा कि विगत दिनों बुडको एवं पटना नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से फील्ड स्तर पर किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं।' उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान नागरिकों को असुविधा ना हो, इसके लिए दोनों संस्थाओं को पूर्ण समन्वय एवं सक्रियता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलनिकासी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाए रखने के लिए सभी संप हाउस का तत्काल निरीक्षण किया जाए तथा वहां स्थापित पंपों एवं अन्य मशीनों की कार्यशीलता, इनलेट एवं आउटलेट की स्थिति तथा समग्र तकनीकी व्यवस्था का गहन परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आवश्यकतानुसार मशीनों के रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

मानसून की तैयारियों को लेकर बुडको एवं पटना नगर निगम की संयुक्त समीक्षा बैठक।

पटना नगर निगम के नगर आयुक्त ने सभी सफाई निरीक्षकों को अगले आदेश तक अपने-अपने वार्डो में निरंतर कैंप करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सफाई निरीक्षक के लिए 24 गुना 7 फील्ड मूवमेंट हेतु वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा प्रारंभ होते ही वे तत्काल क्षेत्र में पहुंचकर जलनिकासी कार्यो की निगरानी कर सकें तथा किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके।

नगर आयुक्त ने सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य दोनों पालियों में नियमित रूप से संचालित किया जाए। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों, मुख्य सड़कों, नालों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की साफ-सफाई भी निरंतर कराई जाए, जिससे वर्षा के दौरान जलनिकासी बाधित न हो। बैठक में इस बात को पुनः स्पष्ट रूप से दोहराया गया कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी परिस्थिति में सड़कों की खुदाई नहीं की जाएगी। यदि कहीं अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में खुदाई की आवश्यकता हो तो निर्धारित प्रक्रिया एवं अनुमति प्राप्त करने के बाद ही कार्य किया जाएगा।

मानसून के दौरान जलनिकासी व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए कंट्रोल रूम को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत स्वच्छता पदाधिकारियों एवं नगर प्रबंधकों की रोस्टर के आधार पर तैनाती की गई है। कंट्रोल रूम से तीन पालियों में कार्यरत कि रिस्पन्स टीम , सफाई कर्मियों, अभियंताओं एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों की लोकेशन तथा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यो की निरंतर मनिटरिंग की जाएगी, ताकि किसी भी शिकायत अथवा आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को यह भी स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वे बिना किसी प्रकार के अनैतिक अथवा बाहरी दबाव के अपने दायित्वों का निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

संक्षिप्त खबरें

वरदान ट्रस्ट द्वारा बहेड़ा में आठवें निःशुल्क मेडिकल कैंप मे 137 मरीजों ने उठाया लाभ

बेनीपुर(एनएसबी)। समाजसेवा एवं जनस्वास्थ्य के प्रति अपने सतत संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'वरदान ट्रस्ट' द्वारा दरभंगा जिले के बहेड़ा कायस्थ टोली स्थित रामेश्वर लाल दास के आवास परिसर में आठवें निःशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। ग्रामीण जनता के सक्रिय सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 137 मरीजों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, जाँच एवं उपचार का लाभ उठाया।शिविर में पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को नेत्र रोग, सामान्य चिकित्सा , दंत चिकित्सा और स्त्री रोग परामर्श जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। इसके साथ ही मरीजों के लिए ईसीजी और अन्य जरूरी स्वास्थ्य जांचें भी पूरी तरह निःशुल्क आयोजित की गईं। वरदान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा बीते 17 अप्रैल 2026 से प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह आठवां शिविर था। अब तक आयोजित इन आठ शिविरों के माध्यम से क्षेत्र के 450 से अधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जा चुकी हैं।

संयमित जीवन जीकर लोग संपूर्ण रूप से स्वस्थ रह सकते हैं जीवन शैली आ स्वस्थ्य विषयक परिचर्चा का आयोजन

दरभंगा (एनएसबी)। मिथिला लेखक मंच के तत्वावधान में आयोजित "जीवन शैली आ स्वस्थ्य" विषयक परिचर्चा का आयोजन मैथिली साहित्य परिषद के प्रांगण में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैध गणपति झा थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आयुर्वेद जीवन जीने की कला है, संयमित जीवन जीकर लोग संपूर्ण रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। आपको भारतीय पद्धति से जीना है। सवेरे सोना है और ब्रह्म मुहूर्त में उठकर शारीरिक क्रियाओं को करना है।साथ ही अपने भोजन में षड रस का समरूप में प्रयोग करना है।कफ पित्त वायु के अनुसार जिसका जैसा शारीरिक संरचना है उसी मुताबिक औषधि दी जाती है। पंच कर्म के द्वारा शारीरिक शुद्धिकरण होता है। यहां जो जड़ी बूटी है ओ आपके अगल में बगल में जो पेड़ है उसके पत्तों से एक से एक रोगों को ठीक किया जा सकता है। जिसे समझने की जरूरत है।भारतीय चिकित्सा पद्धति लोगों को जीने की कला सिखाती है। इस अवसर पर अध्यक्षता डा विद्यानाथ झा और संचालन श्रीचन्द्रेश ने की। प्रश्नोत्तरी किया प्रोफेसर श्रीउदय शंकर मिश्र ने। आयोजित परिचर्चा में डा उषा चौधरी डा योगानंद झा प्रसिद्ध छायाकार पत्रकार कृष्णानंद सुबेदार नंद किशोर साहू राधेश्याम पोद्दार प्रतिभा स्मृति प्रो संजीत सरस नारायण जी चौधरी प्रो उदय शंकर मिश्र उपस्थित थे।

बेनीपुर नगर परिषद के वार्ड 10 एवं 11 में नल-जल योजना मे मिली भारी गड़बड़ी

अनुमंडल पदाधिकारी ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से पूछा स्पष्टीकरण

बेनीपुर (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी ने बेनीपुर नगर परिषद के वार्ड 10 एवं 11 में नल-जल योजना का औचक निरीक्षण किया। जांच में योजना की जमीनी हकीकत सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान वार्ड 10 की जलमीनार वर्षों से बंद पाई गई। ग्रामीणों ने लिखित बयान देकर बताया कि लंबे समय से पूरे वार्ड में जलापूर्ति पूरी तरह ठप्प है। पीने के पानी के लिए लोगों को दूसरे मोहल्लों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। वार्ड संख्या 11 में करीब 200 से 250 घरों में से सिर्फ 100 से 125 घरों तक ही नल का कनेक्शन पहुंच सका है। शेष घर अब भी योजना से वंचित हैं। जिन घरों में कनेक्शन लगा भी है, वहां भी स्थिति बेहतर नहीं है। स्थानीय लोगों ने मौखिक रूप से बताया कि नल में सिर्फ एक बार, वह भी सुबह के समय ही पानी आता है। प्रारंभिक जांच में योजना में भारी अनियमितता और लापरवाही के स्पष्ट संकेत मिले हैं। अनुमंडल पदाधिकारी ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और स्पष्टीकरण तलब करने का आदेश दिया है। साथ ही, दोषी एवं लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एसडीओ ने बताया कि सिर्फ वार्ड 10 और 11 ही नहीं, बल्कि नगर परिषद के अन्य सभी वार्डों में भी नल-जल सहित सभी सरकारी योजनाओं की गहन जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान कनीय अभियंता, नगर परिषद एवं वार्ड पार्षद के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूरा किया जाएगाः कार्तिक कुमार सिंह

राज्य कर अपर आयुक्त प्रशासन ने कहा प्रमंडल के कार्यों की होगी समीक्षा

दरभंगा (एनएसबी)। राज्य कर अपर आयुक्त प्रशासन कार्तिक कुमार सिंह ने दरभंगा प्रमंडल में योगदान के बाद कहा कि इस प्रमंडल में सात अंचल हैं। सभी अंचलों की कार्य प्रणाली की गहन समीक्षा की जाएगी एवं निश्चित समय में काम पूरा करने को कहा जाएगा। जिससे निश्चित समय में काम पूरा हो सके। वहीं उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 25- 26 में राज्य सरकार 78 प्रतिशत कर की वसूली की गई है जो अभूतपूर्व है। वहीं उन्होंने कहा कि वर्ष 26- 27 में राज्य सरकार द्वारा दरभंगा प्रमंडल को जो लक्ष्य दिया गया है उसे शत प्रतिशत पूरा करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। टैक्स के स्रोतों को ढूंढना जिससे राज्य सरकार को अधिक से अधिक टैक्स प्राप्त हो सके। वहीं उन्होंने कहा कि व्यवसायियों की समस्याओं के समाधान हो एवं जिन्हें भी कोई शिकायत हो तो वह उनसे संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

सारा मोहम्मद पंचायत के गंगवारा गांव में 15वी वित्त आयोग योजना में भारी लूट

6 महीने में टूटेगा सड़क ,बोर्ड तक नहीं, तकनीकी सहायक बोले 'दिमाग काम नहीं कर रहा

दरभंगा (एनएसबी)। सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सारा मोहम्मद पंचायत के गंगवाड़ा वार्ड-एक और सारा फाजिल वार्ड-चार में 15वीं वित्त आयोग योजना के तहत पीसीसी, नाला-सह-रोड का निर्माण किया गया है। इस योजना में ना तो साइट पर सूचना बोर्ड लगाया गया और ना ही सरकारी मानक के अनुसार काम हुआ। जैसे-तैसे रोड ढलाई कर संवेदक ने कर दिया हैं,ग्रामीणों का कहना है कि 6 महीने बाद ही रोड टूट जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार संवेदक और पंचायत कर्मियों की मिलीभगत से योजना में भारी बंदरबांट हुई है। योजना से सैकड़ों ग्रामीणों को नाला-रोड का फायदा तो मिला है, लेकिन घटिया काम के कारण योजना धरातल पर दम तोड़ रही है।इस मामले पर जब तकनीकी सहायक सुधीर कुमार से बात की गई तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा, मेरा दिमाग अभी काम नहीं कर रहा है, जो लिखना है लिखिए। वहीं पंचायत सचिव अंशु प्रिया ने बताया कि रोड ढलाई से पहले बोर्ड लगना जरूरी था। अगर निर्माण में कमी पाई गई तो बिल काटी जाएगी। फिलहाल सभी अधिकारी अपना-अपना पल्ला झाड़ रहे हैं, लेकिन लूट जनता की जेब से हो रही हैं। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉक्टर रवि रंजन ने इस योजना के बारे में जानकारी लिया गया तो भी तुरंत पंचायत सचिव से जानकारी लेते हुए दूरभाष पर ही कार्रवाई करने की बात करते हुए कहा कि गुणवत्ता में कमी बद्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता में अगर कमी हुई है तो जल्द कमी को दूर करें।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

दरभंगा (एनएसबी)। समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की आज बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों, जन शिकायतों, विकासात्मक योजनाओं तथा आगामी 07 जुलाई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में मानवाधिकार,लोकायुक्त, आरटीपीएस, न्यायालयों में लंबित वाद, मुख्यमंत्री जनता दरबार, एसी/डीसी बिल, सहकारिता, कृषि, राजस्व तथा जन शिकायतों से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा की गई।

दरभंगा सांसद ने औरंगाबाद से आए एक अपरिचित की ऑन स्पॉट करवाया समस्या का समाधान

लगभग 200 किलोमीटर दूर से आया व्यक्ति हुआ भावुक, निकल पड़े खुशी के आंसू

दरभंगा (एनएसबी)। अक्सर देखा जाता है कि जनप्रतिनिधि जनता से दूरी बनाये रखने में ही अपनी भलाई समझते हैं। लेकिन दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर जब दरभंगा में होते हैं तो वह प्रत्येक दिन अपने आवासीय कार्यालय पर सुबह 9 बजे से दिन के 2 बजे तक जनता से सीधा संवाद करते हैं। इस कड़ी में जो भी उनके समक्ष समस्या लेकर आते हैं उसका वह ऑन स्पॉट समाधान करवाने में विश्वास रखते हैं। चाहे वह किसी भी लोकसभा या अन्य जिला से ही क्यों ना आया हो। सांसद ना तो उसके दल के बारे में पूछते हैं और ना ही कोई सवाल करते हैं सीधा समस्या सुनकर उसके समाधान में विश्वास रखते हैं। सोमवार को औरंगाबाद जिला की समस्या लेकर एक व्यक्ति सांसद के यहां पहुंचा। पहले तो सांसद आश्चर्य व्यक्त किये कि औरंगाबाद जिला की समस्या का समाधान दरभंगा से कैसे होगा। फिर उन्होंने पूरी बात समझी और अपने निजी सचिव को उस क्षेत्र के मंडल रेल प्रबंधक को फोन लगाने के लिए कहा। मंडल रेल प्रबंधक से बात करते हुए सांसद ने उक्त व्यक्ति की समस्या का समाधान जल्द करने के लिए कहा। उधर से मिले आश्वासन पर वह व्यक्ति खुद को रोक नहीं पाया और सांसद के प्रति आभार प्रकट करते हुए उसके खुशी के आंसू निकल आए। वह जिस उम्मीद से 190 किलोमीटर से अधिक दूरी से आए थे, वह पूरा होता हुआ नजर आया। सवाल यहां यही था कि सांसद अगर चाहते तो उस व्यक्ति को यह कहकर वापस कर सकते थे की यह मेरे क्षेत्र की बात नहीं है। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। एक उम्मीद लिए इतनी दूर से पहुंचे व्यक्ति की समस्या का समाधान करवाया। वहां बैठे तमाम लोगों ने इसके लिए सांसद को साधुवाद दिया। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में जनता की सेवा ही सबसे बड़ा कर्म है। यहां आने वाले लोगों से ना तो उनकी जात, ना तो उनका क्षेत्र और ना ही वह किस दल से हैं यह पूछा जाता है। देश में मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की चर्चा के बीच ही उनकी समस्याओं का भी समाधान करने का पूरा प्रयास किया जाता है। सांसद के समक्ष कुछ ऐसी भी समस्याएं पहुंचती है जो विधानसभा और पंचायत से जुड़ी हुई रहती है। इसमें वह स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आप अपने क्षेत्र के विधायक, मुखिया, सरपंच से जाकर मिलिए। इस समस्या का समाधान उनके स्तर से ही होना है। सांसद ने कहा की क्षेत्र की छोटी बड़ी सभी समस्याओं के समाधान के लिए वह प्रयासरत हैं। यहां की आम अवाम को भी चाहिए कि वह क्षेत्र की प्रमुख समस्या के समाधान के लिए सरकार से पत्राचार करे। अगर कोई बड़ी समस्या का समाधान हो तो इसके लिए सरकार को एक पोस्टकार्ड भेजकर साधुवाद दे। जनता और सरकार के बीच लगातार संवाद से ही विकास की गति तेज होती है।

सांसद के जनता दरबार में औरंगाबाद जिले से पहुंचा फरियादी एवं अन्य।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय समौरा के प्रधानाध्यापक को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

स्कूल के विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीण हुए आक्रोशित

कुशेश्वरस्थान पूर्वी (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के ईटहर पंचायत के समौरा गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय समौरा में स्कूल के विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय समौरा के प्रधानाध्यापक जय प्रकाश गुप्ता को ग्रामीणों ने बंधक बनाया और मध्य विद्यालय समौरा में कई प्रकार के समस्या है जैसे की स्कूल के जितने भी क्लासरूम हैं उसमें अधिकतर क्लासरूम का खिड़की का पल्ला नहीं लगा हुआ है जिसके कारण छात्र-छात्राओं को बारिश में कॉपी किताब भीग जाता है जिससे पढ़ाई बाधित होती है और वरीय शिक्षक के रहते कनिय शिक्षक प्रभारी प्रधानाध्यापक बना हुआ है और स्कुल में 500 छात्र-छात्राओं के लिए मात्र एक शौचालय है वह भी शौचालय ध्वस्त स्थिति में है जिसमें बच्चों का नुकसान होने का संदेह बना रहता है और 500 छात्र-छात्राओं के लिए मात्र एक चापाकल है जबकि रसोई घर के पास एक चापाकल है जिसमें मरम्मत की आवश्यकता है। मरम्मत हो जाता है तो वह सुचारू रूप से काम करने लगेगा लेकिन एक ही चापाकल होने के कारण बच्चों को सड़क पार करके मंदिर के चापाकल पर जाना पड़ता है। जिससे सड़क पर गाड़ी पर आवाजाही होने के कारण मोटरसाइकिल साइकिल चार पहिए वाहन से दुर्घटना होने कि संभावना बना रहता है। स्कूल में मिड डे मील में भारी अनियमितता रहती है। पिछले सप्ताह चावल में पिल्लू होने के कारण बच्चों में अफरा तफरी का माहौल हो गया। इस तरह की लापरवाही से परेशान होकर ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक जयप्रकाश गुप्ता उत्क्रमित मध्य विद्यालय समौरा को बंधक बनाया। बीडीओ प्रभा शंकर मिश्रा और बीईओ प्रिंस कुमार झा ने मध्य विद्यालय समौरा पर आकर ग्रामीणों का बात सुने और आस्वासन दिये कि एक सप्ताह के अंदर वरीय शिक्षक को प्रभार दिया जाएगा।

प्रधानाध्यापक को बंधक बनाते ग्रामीण।

इनर व्हील क्लब ऑफ दरभंगा में डॉ नीतू मेहता बनी नई अध्यक्ष

दरभंगा (एनएसबी)। इनर व्हील क्लब ऑफ दरभंगा के सत्र 2026-27 का स्थापना समारोह रविवार को लहेरियासराय कमर्शियल चौक स्थित तड़का पंजाब में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में कॉलर एक्सचेंज के साथ डॉ. नीतू मेहता ने क्लब की नई अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया तथा सचिव अंशु सहित नई कार्यकारिणी एवं बोर्ड सदस्यों ने शपथ ली। इस अवसर पर तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. उषा झा ने अपने कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. नीतू मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि क्लब इस वर्ष सेवा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा एवं समाजहित से जुड़े नवाचारपूर्ण प्रकल्पों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचेगा तथा प्रत्येक सदस्य को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर्स डे भी मनाया गया। समाज के प्रति चिकित्सकों की निस्वार्थ सेवा एवं योगदान के लिए उनका सम्मान किया गया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सुधा दारुका, सचिव अंशु, कोषाध्यक्ष स्वाति मित्तल, आईएसओ अपूर्वा वर्मा, संपादक सोनी सुल्तानिया तथा बोर्ड सदस्य डॉ. नूतन बाला सिंह, स्मिता सिन्हा, रीना बोहरा, कुंदन , रंभा सिंह, संजना, डॉ. पूनम सिंह, गर्गी द्विवेदी, कविता, स्मिता एवं प्रीति अग्रवाल शामिल थी।

सक्रिय भागीदारी और सहयोग से ही संगठन मजबूत एवं प्रभावी बनता हैः अभाकाम

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने समाजसेवियों को किया सम्मानित

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य ।

दरभंगा (एनएसबी)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा दरभंगा शाखा द्वारा विगत दिनों राजेंद्र भवन टाउन हॉल, दरभंगा में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले समाज के सम्मानित चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार पदाधिकारी गौरी शंकर लाल एवं व्यवसायिक पवन कुमार श्रीवास्तव को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर महासभा के अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से सम्मानित सदस्यों को सम्मानित करते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से ही संगठन मजबूत एवं प्रभावी बनता है। उन्होंने भविष्य में भी समाजहित एवं संगठनात्मक गतिविधियों में इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।सम्मानित व्यक्तियों ने भी महासभा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती के लिए निरंतर सहयोग देने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष विनोद लाल कर्ण, प्रदेश उपाध्यक्ष अमिताभ सिंहा संरक्षक कैलाश चंद्र लाभ एवं आरके दत्ता, उपाध्यक्ष अरुण कुमार दास, जिला संगठन मंत्री नीरज कुमार कर्ण, महिला मोर्चा अनीता आनंद, हीरा कुमार दास सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

इंटर स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 का विजेता बना आनंदपुर हाई स्कूल

यूएचएस तारालाही वॉरियर्स स्पोर्ट्स एकेडमी बना उपविजेता

दरभंगा (एनएसबी)। बास्केटबॉल संघ, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय जिला सब जूनियर बालक एवं बालिका इंटर स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों के विद्यालयों की कुल 16 टीमों ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की प्राचार्या मीनाक्षी चटर्जी, क्रीड़ा भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार सिंह, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव यशपाल कुमार, बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार चौधरी, सचिव आशीष कुमार सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को अनुशासन, टीम भावना एवं राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। सभी अतिथियों को मिथिला की पारंपरिक पाग, चादर एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में आनंदपुर हाई स्कूल विजेता तथा यूएचएस तारालाही वॉरियर्स स्पोर्ट्स एकेडमी उपविजेता बना। बालक वर्ग में श्री कृष्णा आदर्श पब्लिक स्कूल एवं कोर्ट कल्चर क्लब, जबकि बालिका वर्ग में यू एच एस तरवारा एवं दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल संयुक्त तृतीय स्थान पर रहे। विजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।प्रतियोगिता के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन भी किया गया। संघ के सचिव आशीष कुमार ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 31 जुलाई से 2 अगस्त तक श्री कृष्णा आइडियल पब्लिक स्कूल, बिरौल में आयोजित होगी। समापन समारोह में खेल प्रेमियों ने ऐसे आयोजनों को जिले की खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

समारोह मे दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की प्राचार्या मीनाक्षी चटर्जी एवं अन्य ।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रोज पब्लिक स्कूल के बच्चों ने उप निदेशक जनसंपर्क को भेंट किये पौधा

दरभंगा (एनएसबी)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत रोज पब्लिक स्कूल, लहेरियासराय के छात्र-छात्राओं ने उप निदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद को पौधा भेंट कर अभियान के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जिला परिषद की सामान्य बैठक में जमकर हंगामा, धरने पर बैठे पार्षद

अध्यक्ष के बयान और मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के हस्तक्षेप पर सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

दरभंगा(एनएसबी)। जिला परिषद की सामान्य बैठक सोमवार को भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई। जिला परिषद अध्यक्ष रेणु देवी की अध्यक्षता में शुरू हुई बैठक में उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब अध्यक्ष ने कहा कि उनकी ओर से बैठक में कुछ नामित पार्षद ही अपनी बात रखेंगे। इस पर विपक्षी खेमे के कई पार्षदों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि अध्यक्ष सभी सदस्यों की हैं और सभी पार्षदों को अपनी बात रखने का समान अधिकार है।विवाद बढ़ने पर मंचासीन सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्वप्निल ने भी हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सभी पार्षद अध्यक्ष के ही सदस्य हैं। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के कुछ पार्षदों ने भी एतराज जताया और कहा कि वे अपनी प्रशासनिक भूमिका तक सीमित रहें तथा सदस्यों के बोलने के अधिकार में हस्तक्षेप न करें।देखते ही देखते पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इसी दौरान कुशेश्वरस्थान क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य एवं सेना से अवकाश प्राप्त भुनेश्वर ठाकुर अपने क्षेत्र की समस्याओं तथा बाढ़ के मुद्दे पर बोलने के लिए खड़े हुए। आरोप है कि इसी दौरान कुछ पार्षद अपनी-अपनी सीट से उठकर उनके विरोध में आ गए। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि बीच-बचाव नहीं होता तो हाथापाई की नौबत आ सकती थी।लगातार हो रहे हंगामे के बीच मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अपनी कुर्सी छोड़कर बाहर जाने लगे। इसी दौरान जिला परिषद अध्यक्ष रेणु देवी ने भुनेश्वर ठाकुर के प्रति की गई अपनी कथित अपमानजनक टिप्पणी पर खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगी। इसके बावजूद कुछ समय तक हंगामा जारी रहा और कई पार्षद बैठक का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए।काफी समझाने-बुझाने के बाद भी लंबे समय तक गतिरोध बना रहा। हालांकि हंगामे से पहले पिछली बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि की गई तथा कुछ आवश्यक प्रस्तावों पर चर्चा भी हुई।बैठक में उत्पन्न विवाद के कारण जिले के 18 प्रखंडों के 47 जिला परिषद क्षेत्रों से जुड़े विकास, बाढ़ और जनसमस्याओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो सकी। जिला परिषद के इतिहास में इस तरह की स्थिति को लेकर सदस्यों में भी निराशा देखी गई। इधर, पूरे घटनाक्रम पर जिला परिषद अध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारियों ने आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया।

माफी के बाद भी नहीं थमा विवाद; 18 प्रखंडों से जुड़े कई मुद्दे अधर में

संक्षिप्त खबरें

सांप के काटने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

बिथान (एनएसबी)। थाना क्षेत्र के सनोखर गांव में रविवार की शाम एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ जलावन निकालने के दौरान सर्पदंश का शिकार हुए एक 12 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। मृत बालक की पहचान सनोखर गांव निवासी दिनकर राय उर्फ छेदी राय के 12 वर्षाय पुत्र साहिल कुमार के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार की शाम बच्चा अपने पड़ोसी के दरवाजे पर जलावन निकालने गया था। तो वहाँ छिपे सांप ने उसे डस लिया। घटना के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अचेत बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलौली ले जाया गया। वहाँ डॉक्टरों की टीम ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल खगड़िया रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के संबंध में बिथान थानाध्यक्ष राज किशोर राय ने बताया कि पुलिस को मामले की जानकारी मिली है। मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया है।

आर. बी. कालेज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

दलसिंहसराय (एनएसबी)। स्थानीय रामाश्रय बालेश्वर महाविद्यालय, दलसिंहसराय में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बीरेंद्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में वन महोत्सव सप्ताह के तहत महाविद्यालय एन. एस. एस. गार्डन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सेवकों ने अमरूद, जामुन, कटहल आदि फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। स्वयं सेवकों ने वन के संरक्षण की शपथ ली। मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अपूर्व सारस्वत, डॉ. राजकिशोर, डॉ. मुकेश कुमार झा, डॉ. जवाहर लाल, डॉ. हरीश सामरिया, डॉ. निभा कुमारी सिंह, डॉ. अभिषेक बंद्योपाध्याय, डॉ. एस. एम. रहमानी, डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह आदि,शिक्षकेतर कर्मचारी श्रीमती कामिनी सिन्हा आदि ,स्वयं सेवक शबनम प्रिया,निशा कुमारी, रानी कुमारी,प्रगति कुमारी, लवली कुमारी,नीतू कुमारी, दीपमाला,चंदा कुमारी,पायल कुमारी, धीरज कुमार, हरिओम कुमार,अमन कुमार, विशाल कुमार, सार्थक कुमार आदि सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

किसानों की हकमारी के खिलाफ होगा आंदोलन : सुरेंद्र प्रसाद सिंह

अखिल भारतीय किसान महासभा की बैठक संपन्न, 2 अगस्त को प्रखंड सम्मेलन एवं 1,000 नए सदस्य बनाने का निर्णय

ताजपुर (एनएसबी)। अखिल भारतीय किसान महासभा प्रखंड कमिटी की बैठक सोमवार को ताजपुर प्रखंड के मोतीपुर वार्ड-27 में किसान नेता ललन दास की अध्यक्षता, जिला सचिव ललन कुमार के पर्यवेक्षण तथा भाकपा (माले) प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह के आतिथ्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती लागत और फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण खेती लगातार घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के ऋण माफ करने, खेती के लिए निःशुल्क बिजली, पानी, खाद, बीज एवं कृषि यंत्र उपलब्ध कराने की मांग की गई। बैठक में धान एवं सब्जी की रोपाई का समय होने के बावजूद यूरिया, डीएपी और पोटाश जैसे उर्वरकों की किल्लत एवं नकली उर्वरक की खुलेआम बिक्री पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की गई। संगठन को गांव-गांव और टोला-टोला तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से आगामी दिनों में व्यापक सदस्यता अभियान चलाकर एक हजार किसानों को संगठन से जोड़ने तथा 2 अगस्त को प्रखंड सम्मेलन आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक को राजदेव प्रसाद सिंह, रवींद्र प्रसाद सिंह, मनोज कुमार सिंह, कैलाश सिंह, संजीव राय, मुंशीलाल राय, शिवन सिंह एवं शंकर महतो सहित अन्य किसानों ने संबोधित करते हुए किसानों की समस्याओं और संगठन को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

देर शाम हुई बारिश से मौसम हुआ सुहावना

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। जिले में सोमवार देर शाम हुई झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को बारिश के बाद बड़ी राहत मिली। बारिश के साथ चली ठंडी हवा से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे वातावरण सुहावना हो गया। दिनभर उमस के कारण लोग बेहाल रहे। शाम होते-होते आसमान में घने बादल छा गए और कुछ ही देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक हुई बारिश से शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं खेतों और बाग-बगीचों को भी बारिश का लाभ मिला। बारिश के बाद लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लेते नजर आए। किसानों ने इस बारिश को धान की खेती के लिए लाभदायक बताया। हालांकि, कुछ निचले इलाकों में जलजमाव की समस्या भी देखने को मिली, जिससे लोगों को आवागमन में थोड़ी परेशानी हुई। बावजूद इसके अधिकांश लोगों ने बारिश का स्वागत किया और इसे भीषण गर्मी से राहत देने वाली बताया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक जिले में बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान सामान्य रहने के साथ लोगों को उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

पूर्व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन की बड़ी भाभी का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। समस्तीपुर के पूर्व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन की बड़ी भाभी का रविवार की सुबह पटना स्थित मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। वे लगभग 55 वर्ष की थीं और पिछले कई महीनों से बीमार चल रही थीं। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार की देर शाम धर्मपुर स्थित कब्रिस्तान में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा एवं दफन की रस्म में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के नेता, समाजसेवी एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दुआ की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। अंतिम संस्कार में पूर्व मंत्री एवं उजियारपुर विधायक आलोक कुमार मेहता, विधान पार्षद मो. कारी सोहेब, पूर्व विधायक निरंजन राय, पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मो. अबू तमीम, राजद प्रदेश महासचिव मो. फैजुर रहमान फैज, जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, छह लोग घायल

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के विरसिंहपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए कल्याणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायलों की पहचान लक्ष्मण साह (58), कपिल गुप्ता (62), राहुल कुमार (25), रोहित कुमार (18), जितेंद्र साह (24) एवं इंदिरा देवी (60) के रूप में हुई है। अस्पताल में सभी का उपचार किया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. सुषमा सिन्हा ने बताया कि सभी घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आपसी विवाद में महिला घायल

समस्तीपुर (एनएसबी)। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चांदधरपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला की पहचान मनोज सहनी की पत्नी अनिता देवी (35) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए कल्याणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. सुषमा कुमारी ने बताया कि महिला का इलाज जारी है तथा उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

21वीं अनुसंधान परिषद खरीफ की तीन दिवसीय बैठक शुरू

कुलपति ने किया उद्घाटन

प्रकाशित शोध पत्रकों का लोकार्पण करते वीसी व अन्य।

पूसा (एनएसबी)। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में 21वीं अनुसंधान परिषद खरीफ की तीन दिवसीय बैठक का भव्य शुभारंभ हुआ। विद्यापति सभागार में आयोजित उद्घाटन सत्र में पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जायेगी और आधुनिक, जलवायु-अनुकूल एवं तकनीक-आधारित कृषि अनुसंधान की रूपरेखा तय करने पर विचार किया जायेगा। इस अवसर पर कुलपति डॉ पीएस पाण्डेय सहित आगत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय कुलगीत प्रसारण एवं स्वागत अभिनंदन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कृषि अनुसंधान निदेशालय द्वारा प्रकाशित तकनीकी पुस्तकों, शोध बुलेटिन और विस्तार पुस्तिकाओं का विमोचन और मक्का एवं बीज पर स्टेटस रिपोर्ट का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ. पांडेय ने कहा कि, जलवायु परिवर्तन आज कृषि के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में डिजिटल तकनीकों को अपनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन गई है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों का प्राथमिक लक्ष्य है अनुसंधान को 'लैब टू लैंड' पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीक तभी सार्थक है जब वह किसान के खेत तक पहुंचे और उसकी आय बढ़ाए।

डॉ. पांडेय ने वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ड्रोन तकनीक और प्राकृतिक खेती का समावेश अब भविष्य की जरूरत है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय कुछ गांवों में में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फसल निगरानी और ड्रोन से छिड़काव के पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर चुका है।

इस अवसर पर जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय और नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए.आर. पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले लगभग चार वर्षों में देश भर में अपना महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। यहां के अनुसंधान और विकसित प्रभेदों से सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि देश भर के कृषकों को फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के प्रयास अन्य विश्वविद्यालयों को भी नई राह दिखा रहे हैं।यहां लीची, मखाना और मक्का जैसी फसलों पर उच्च स्तरीय अनुसंधान हो रहे हैं जो आने वाले समय में देश की कृषि को नई दिशा देंगे। डॉ. पाठक ने कहा फसल के साथ पशुपालन, मत्स्य और बागवानी को जोड़ना भी आवश्यक है, ताकि जोखिम घटे और आमदनी बढ़े। अपने संबोधन में डॉ पाठक ने विश्वविद्यालय के महिला किसानों के नेतृत्व वाले मॉडल को अन्य विश्वविद्यालयों को भी अपनाने की वकालत की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. इंदु शेखर सिंह, ने कहा कि, विश्वविद्यालय ने मखाना के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान संस्थान की शुरूआत की है और इसमें उन्नीस वैज्ञानिकों की टीम लगाई गई है। मखाना के खेती, प्रसंस्करण , यंत्र और पूरे मार्केट चेन पर वैज्ञानिक ने विश्विद्यालय में कार्य शुरू कर दिया है। इन अनुसंधान के परिणाम से मखाना अनुसंधान को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को जलवायु स्मार्ट बीजों पर भी कार्य करने के साथ झ्साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आंकड़ों का उपयोग कर उर्वरक का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है।

इसके पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. ए. के. सिंह ने स्वागत संबोधन के दौरान पिछले वर्ष अनुसंधान की प्रमुख उपलब्धियों का ब्योरा देते हुए बताया कि पिछले वर्ष सूखा रोधी धान की 3 किस्में, मक्का की 2 संकर किस्में और दलहन में रोग प्रतिरोधी लाइनें विकसित की गईं।

बताते चलें कि, यह 21वीं अनुसंधान परिषद की बैठक तीन दिनों तक चलेगी। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के डीन और विभिन्न वैज्ञानिक अपनी अंतर्राष्ट्रीय , राष्ट्रीय एवं एवं विश्वविद्यालय संपोषित शोध परियोजनाओं की प्रस्तुति देंगे। इन परियोजनाओं को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, बिहार सरकार, नाबार्ड और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त है। तकनीकी सत्रों में मिलेट्स, मखाना और लीची संवर्धन, प्राकृतिक व जैविक खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मूल्य एवं मौसम पूवार्नुमान और फसल सुरक्षा से जुड़े 61 नए शोध प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। बैठक में मक्का की दो नई उन्नत संकर किस्मों राजेन्द्र हाइब्रिड मक्का 5 और राजेन्द्र हाइब्रिड मक्का 6 की पहचान और विमोचन को लेकर भी बाह्य विशेषज्ञो के द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी शामिल हुए।

और बंद हो गया रेल ओवर ब्रिज, प्रशासन ने की वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील

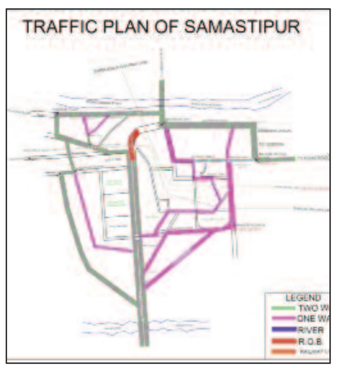

काम में जुटे मजदूर और वैकल्पिक मार्ग।

समस्तीपुर (एनएसबी)। उत्तर बिहार की लाइफलाइन माने जाने वाले समस्तीपुर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को सोमवार से मरम्मत कार्य के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने 6 जुलाई से 15 अगस्त तक पुल पर सभी प्रकार के वाहनों और आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। 56 वर्ष पुराने इस पुल की पहली बार व्यापक मरम्मत कराई जा रही है।

प्रशासन के अनुसार पुल के जर्जर हो चुके एक्सपेंशन ज्वाइंट और अन्य संरचनात्मक हिस्सों की मरम्मत की जाएगी। निर्माण एजेंसी ने सोमवार सुबह से ही युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर मरम्मत कार्य पूरा कर 15 अगस्त तक पुल को दोबारा चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल बंद होने की अवधि के लिए जिला प्रशासन ने शहर में वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू की है। जिसमें मोहनपुर की ओर से आने वाले वाहनों को बस स्टैंड, भोला टॉकीज रेलवे गुमटी, धर्मपुर और बाईपास बांध होते हुए मगरदही चौक की ओर भेजा जाएगा। वहीं मुसरीघरारी और मोहनपुर की दिशा से आने-जाने वाले वाहन अटेरन चौक और बाईपास मार्ग का उपयोग कर मगरदही चौक तक पहुंच सकेंगे। मरम्मत कार्य के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने पुल के समीप एंबुलेंस के साथ मेडिकल टीम की भी तैनाती की है। इसके अलावा प्रमुख चौक-चौराहों और डायवर्जन वाले मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि यातायात सुचारु बना रहे और जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें तथा यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

बारिश से बाधित रोमांचक मुकाबले में येलो ने 1 रन से रेड को हराया

पुरस्कार देते अतिथि।

दलसिंहसराय (एनएसबी)। छात्रधारी इंटर विद्यालय के प्रांगण में दलसिंहसराय क्रिकेट एकेडमी ळ20 लीग का अंतिम लीग मैच दलसिंहसराय क्रिकेट अकादमी येलो एवं दलसिंहसराय क्रिकेट अकादमी रेड के बीच खेला गया। टॉस जीत कर दलसिंहसराय येलो के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दलसिंहसराय क्रिकेट एके-डमी रेड ने 19.5 ओवर में अफनूर रहमान के अर्ध शतकीय पारी के दम पर 143 रनों का स्कोर खड़ा किया। टीम रेड की तरफ से बल्लेबाजी में रहमान ने 50, प्रियांशु ने 21, अनुज ने 19 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में टीम येलो की तरफ से यश ने 3 विकेट अंकित ने 2 लिया। बारिश से बाधित मैच में डीएलएस पद्धति से येलो को 6 ओवर में 50 रनो का लक्ष्य दिया गया। मगर १ीं की सधी हुई गेंदबाजी के कारण येलो की टीम 48 रन ही बना सकी। इस तरह टीम रेड ने यह रोमांचक मैच 1 रन से जीता। टीम येलो की तरफ से बल्लेबाजी में सोनू ने 24 रन नॉट आउट अनमोल ने 5 रन का योगदान दिया। टीम रेड की तरफ से गेंदबाजी में अफनूर रहमान ने 1 विकेट युवराज ने 1 विकेट लिया। आज के मैच में टीम रेड के कप्तान अफनूर रहमान को पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद नवाब ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। बेस्ट बैट्समैन टीम येलो के सोनू और बेस्ट बॉलर टीम येलो के कप्तान यश को संयुक्त रुप से पूर्व खिलाड़ी अशफाक अंसारी एवं उमेश के द्वारा दिया गया। इस टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला टीम ग्रीन एवं टीम येलो के बीच खेला जाएगा। आज मुख्य रूप से पूर्व नकीउर्रहमान हाशमी कुणाल मणि माधव कुमार विकास कुमार संतोष राय एवं बहुत सारे खेल प्रेमी उपस्थित रहे। अंपायर उमेश राय थे।

जीविका की लापरवाही : अनुमंडल अस्पताल में मरीज को दिए खाने में मिला चूहा, परिजनों व मरीजों में आक्रोश

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

दलसिंहसराय नगर (एनएसबी)। अनुमंडल अस्पताल में शनिवार की रात मरीज को दिए गए भोजन में चूहा पाए जाने से अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजनों में भारी आक्रोश दिखा। घटना तब उजागर हुई जब एक महिला मरीज सपना कुमारी को भोजन खोलते समय पैकेट में एक मारा हुआ चूहा मिला। भोजन में चुहे मिलने के मामला सामने आते ही आसपास के अन्य मरीजों और परिजनों की भीड़ जमा हो गई। घटना के समय मौजूद मरीजों में प्रसूता रूबी शर्मा सहित अन्य मरीज ने बताया कि भोजन लाने वाली संस्था "जीविका" के जरिए मरीजों के बीच भी वितरित किए जाते हैं। शनिवार की रात भी मरीजों को भोजन दिया गया। जब अस्पताल में भर्ती महिला मरीज ने रोटी के साथ चना दाल और कद्दू की मिक्स सब्जी को खाने के लिए सब्जी रोटी के साथ सब्जी लेना चाहिए कि पत्ते में सब्जी में एक चूहा दिखा जो मारा हुआ था । जिससे दिखने के लिए महिला मरीज रखते हुए अस्पताल प्रशाशन से शिकायत दर्ज कराया। अस्पताल में भर्ती अन्य मरीज और उनके अभिभावकों ने साफ-सफाई व स्वच्छता को लेकर तीखी नाराजगी जताई। कुछ परिजनों ने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई एवं कीट नियंत्रण की व्यवस्था दयनीय है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर जोखिम उत्पन्न हुआ है। परिजनों ने तत्काल कार्रवाई और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम की मांग की। अस्पताल प्रशासन के अनुसार सूचना मिलते ही अस्पताल अधीक्षक डॉ रामचंद्र सिंह ने मामला संज्ञान में लेकर संबंधित जीविका कैंटीन संयोजक और जीविका संस्था के प्रतिनिधियों को तलब कर तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं। अधीक्षक ने कहा कि प्राथमिक रूप से भोजन के सैंपल सुरक्षित कर लिए गए हैं और पैकिंग प्रक्रिया, भंडारण व वितरण का सत्यापन टीम द्वारा किया जाएगा। यदि दोष पाया गया तो कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित मरीजों को नया भोजन और आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को भी घटना के बारे में सूचित कर फूड सेफ्टी एवं कीट नियंत्रण टीम द्वारा निरीक्षण भेजने का आश्वासन दिया गया है। परिजनों ने साफ-सफाई व जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई है,वहीं प्रशासन ने शीघ्र और पारदर्शी जांच का वादा किया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

डॉ. बी.के. ठाकुर ने कल्याणपुर सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का संभाला पदभार

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। कल्याणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में डॉ. बी.के. ठाकुर ने सोमवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पूर्व प्रभारी डॉ. हैदर के पूर्णिया स्थानांतरण के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. ठाकुर ने कहा कि अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

चकमेहसी पुलिस ने 408 लीटर विदेशी शराब की बरामद

समस्तीपुर (एनएसबी)। चकमेहसी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 408 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सहनी के नेतृत्व में की गई।

शादीशुदा महिला की इलाज के दौरान मौत, ससुराल में मातम

हंगामे के बाद कई लोग पुलिस हिरासत में

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के सतमलपुर वार्ड संख्या-3 में एक विवाहित महिला की इलाज के दौरान मौत हो जाने से परिवार में मातम छा गया। मृतका की पहचान राहुल कुमार दास की पत्नी सोनी श्रीवास्तव के रूप में हुई है। बताया गया कि करीब डेढ़ माह पूर्व सोनी ने एक पुत्र को जन्म दिया था। प्रसव के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद लगातार विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज कराया गया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

परिजनों के अनुसार, प्रसव के बाद सबसे पहले समस्तीपुर के एक निजी चिकित्सक से इलाज कराया गया, जहां उन्हें जॉन्डिस होने की बात बताई गई। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित वेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया। रविवार को पीएमसीएच ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही रविवार देर रात वैशाली जिले के माहिया मालपुर स्थित मायके से परिजन सतमलपुर पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हंगामे में बदल गया। ससुराल पक्ष का आरोप है कि हंगामे के दौरान घर में तोड़फोड़ की गई तथा नकदी एवं आभूषण भी ले लिए गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुछ लोगों को पकड़कर डायल-112 पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार राहुल कुमार दास और सोनी श्रीवास्तव की शादी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुई थी। सोनी अपने पीछे डेढ़ माह का एक मासूम पुत्र छोड़ गई हैं। वारिसनगर थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार झा ने बताया कि प्रथम दृष्टया महिला की मौत बीमारी के कारण इलाज के दौरान हुई है। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान दोनों पक्षों के लोग साथ थे। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वहीं, मृतका के मायके पक्ष के आने के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

व्यवसायी से 'माफिया सिंडिकेट' के नाम पर दो करोड़ रंगदारी की मांग

48 घंटे में रुपया न देने पर दी जान से मारने की धमकी

दलसिंहसराय नगर (एनएसबी)। थाना क्षेत्र में रंगदारी का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां गोला रोड के रहने वाले एक व्यवसायी से कथित 'माफिया सिंडिकेट' के नाम पर डेढ़ से दो करोड़ रुपये की भारी-भरकम रंगदारी मांगी गई है। रकम का बंदोबस्त करने के लिए बदमाशो ने महज 48 घंटे का समय दिया है , मांग पूरी न होने पर व्यवसायी व उनके पूरे परिवार को जान से मारने की खुली धमकी दी है। इस घटना के बाद से पीड़ित कारोबारी का परिवार गहरे खौफ में है। पीड़ित व्यवसायी के अनुसार, उन्हें बीते शाम के करीब 06:48 बजे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने बेहद आक्रामक लहजे में बात करते हुए खुद को एक बड़े अपराधी गिरोह का सदस्य बताया। उसने दावा किया कि समस्तीपुर, पटना और बेगूसराय जिलों में उनका 'माफिया सिंडिकेट' सक्रिय है। बदमाश ने सीधे तौर पर कहा,सिंडिकेट के काम के लिए डेढ़ से दो करोड़ रुपये की जरूरत है, जिसका इंतजाम तुम्हें 48 घंटे के भीतर करना होगा। जब व्यवसायी ने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई, तो फोन करने वाले ने उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दी।कारोबारी को डराने के लिए बदमाश ने यह भी कहा कि उसे व्यवसायी के घर, दुकान और उनके परिवार के सदस्यों की गतिविधियों (आने-जाने के समय) की पूरी जानकारी है और वे लगातार उन पर नजर रख रहे हैं। धमकी देने वाले ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि इस बात की भनक पुलिस या किसी अन्य व्यक्ति को लगी, तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। पीड़ित व्यवसायी के पास इस पूरी बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। जान-माल का खतरा देखते हुए पीड़ित व्यवसायी ने तुरंत स्थानीय थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दलसिंहसराय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की जांच में जुट गई है।पुलिस तकनीकी सर्विलांस, टावर लोकेशन और कॉल रिकॉर्ड्स के सहारे धमकी देने वाले अपराधी की शिनाख्त करने में जुटी है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि बदमाशो को जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती मनाया भाजप्पा

मधुबनी (एनएसबी)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय के सभागार में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभाशूं झा जी के नेतृत्व भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं राष्ट्रीय एकता के दृढ़ प्रहरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रभांशु झा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन

राष्ट्र सेवा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता, अखंडता और संस्कृति के गौरव की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनके आदर्श, विचार और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। उनकी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुनील कुमार मिश्रा, जिला महामंत्री रंजीत यादव, सरोज सिंह,,जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना, जिला उपाध्यक्ष संतोष भगत, सतीश ठाकुर, जिला आई टी सेल संयोजक आदित्य झा, कार्यालय मंत्री कन्हैया शाह, नगर महामंत्री अशोक राम, रवि रंजन ,राम पुकार ठाकुर, महेश कुमार दास, गौतम किशोर राय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

विदाई समारोह में अंजली कुमारी को सांसद प्रतिनिधि सह पैक्स अध्यक्ष ने किया सम्मानित.

बिस्फी (एनएसबी)। सहकारिता विभाग बिस्फी में कार्यरत कार्यपालक सहायक अंजली कुमारी के रहिका प्रखंड में स्थानांतरण होने के अवसर कॉपरेटिव बैंक स्थित पैक्स अध्यक्षों द्वारा आयोजित गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया. अध्यक्षता राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सह पैक्स अध्यक्ष विष्णुदेव सिंह यादव ने किया. सांसद प्रतिनिधि विष्णुदेव सिंह यादव ने अंजली कुमारी को पाग झशॉल सहित अंगवस्त से सम्मानित करतें हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान पूरी

निष्ठा, ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ दायित्वों का निर्वहन की हैं.वे कर्तव्य की सच्ची एवं निष्पक्ष सिपाही रही हैं. साथ ही पैक्स अध्यक्षों एवं किसानों के बीच एक विशेष पहचान बनाई है. वे अपने नए कार्यस्थल रहिका में भी इसी समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करते हुए विभाग का नाम गौरवान्वित करेंगी. इस अवसर पर प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी ओमनाथ ने अंजली के कुशल कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए अग्रिम कार्यकाल की बधाई दिए.वहीं शाखा प्रबंधक रवि रंजन ने कहा कि बीते कार्यकाल के स्मृतियों को साझा करते हुए उनके सौहार्दपूर्ण व्यवहार,कर्मनिष्ठा एवं प्रशासनिक दक्षता की प्रशंसा की.इस अवसर पर बीसीओ ओमनाथ, शाखा प्रबंधक रवि रंजन पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार ठाकुर, बिमलेश कुमार बिमल, बिरजु यादव, ज्योति कुमारी, मुकेश मेहता, विश्वजीत कुमार एवं सुरेंद्र यादव ने अग्रिम कार्यकाल की बधाई दिए.

आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार करने तथा उन्हें जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने की मांग

खजौली (एनएसबी)। खजौली थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब एक सप्ताह पूर्व एक मंदबुद्धि युवती को अगवा कर तीन युवकों के द्वारा किये गए दुष्कर्म की घटना के बाद रविवार को पीड़िता एवं उनके स्वजन से एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटीज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा उर्फ कवि जी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हरदेव प्रसाद एवं प्रदेश महिला अध्यक्ष अंजू कुमारी मिले। एसोसिएशन के नेताओं ने पीड़िता के घर पहुंच परिवार के लोगों से मुलाकात की

तथा उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान एसोसिएशन के नेताओं ने जिला प्रशासन से घटना में संलिप्त सभी आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार करने तथा उन्हें जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने की मांग की। इस क्रम में पीड़िता को उचित मुआवजा एवं सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की। कहा की इस जघन्य अपराध में संलिप्त लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। एसोसिएशन के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा की अगर पीड़िता को शीघ्र न्याय नहीं मिला तो मधुबनी जिले के हजारों दिव्यांगजन जिला समाहरणालय के समक्ष अनशन व आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रामप्रकाश यादव, महिला अध्यक्ष पिंकी कुमारी, जिला सचिव नरेंद्र दत्त, संयुक्त सचिव अमर बिहारी, फूल बाबू, प्रमोद कुमार, रुस्तम अंसारी, उमेश सिंह, लड्डू कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

5.380 किलोग्राम गांजा के साथ अंतरजिला, मोटरसाइकिल चोर गिरोह का सरगना गिरफ्तार

बेनीपट्टी (एनएसबी)। मधवापुर थाना पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में अंतरजिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह के कथित सरगना को 5.380 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेनीपट्टी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार के नेतृत्व में रविवार की शाम गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन साह, पिता विनोद साह, निवासी कुम्हारपट्टी, थाना पुपरी, जिला सीतामढ़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 5.380 किलोग्राम गांजा एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, सीमा स्तंभ संख्या-297 के समीप नेपाल से भारत की ओर आ रहे एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोककर तलाशी ली गई। बाइक में लटके थैले की जांच के दौरान प्लास्टिक में रखा गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बरामद गांजा नेपाल के चोरसिया परसा से लाकर मधवापुर निवासी एक व्यक्ति को पहुंचाने की बात स्वीकार की।इस मामले में मधवापुर थाना कांड संख्या-122/26 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार पवन साह का

आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध हरलाखी, मधवापुर, पुपरी थानों में मोटरसाइकिल चोरी, चोरी का सामान रखने, उत्पाद अधिनियम तथा अन्य मामलों के कुल छह कांड दर्ज हैं। हाल ही में हरलाखी थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तारी के दौरान वह फरार हो गया था, जबकि उसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी और चार चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी हो चुकी थी। डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

रेलवे गुमटी संख्या-13 पर आरओबी निर्माण की दिशा में बड़ी प्रगति, डीपीआर तैयार: विधायक माधव आनंद

मधुबनी (एनएसबी)। मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं बिहार विधानसभा की शून्यकाल समिति के अध्यक्ष माधव आनंद ने बताया कि रेलवे गुमटी संख्या-13 पर प्रस्तावित रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण परियोजना की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इस बहुप्रतीक्षित जनहित परियोजना की संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन (ज्वाइंट फिजिबिलिटी स्टडी) पूरी हो चुकी है तथा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) भी तैयार कर लिया गया है।विधायक ने बताया कि वे लगातार रेलवे मंत्रालय, रेलवे बोर्ड एवं संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के

विधायक माधव आनंद

अनुसार, संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन और डीपीआर को आवश्यक वित्तीय अनुमोदन के लिए रेलवे के अकाउंट्स सेक्शन को भेजा गया है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद प्रस्ताव अंतिम अनुमोदन के लिए रेलवे बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। माधव आनंद ने कहा कि रेलवे गुमटी संख्या-13 पर आरओबी का निर्माण मधुबनी शहर और आसपास के हजारों लोगों की वर्षों पुरानी मांग है। इसके बनने से आवागमन सुगम होगा, जाम की समस्या में कमी आएगी तथा लोगों की सुरक्षा और सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनका दायित्व है। इसी उद्देश्य से वे परियोजना की प्रत्येक प्रक्रिया की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।विधायक ने विश्वास जताया कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय पर पूरी होने के बाद परियोजना को अंतिम स्वीकृति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास तब तक जारी रहेगा, जब तक आरओबी परियोजना को स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो जाता।अंत में उन्होंने मधुबनी की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वे विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े हर मुद्दे पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे'

3.41 लाख नेपाली रुपये के साथ महिला समेत दो नेपाली नागरिक हिरासत में

जयनगर (एनएसबी)। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध रूप से मुद्रा की आवाजाही पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत एसएसबी 48वीं बटालियन की बेतौंहा बीओपी के जवानों ने रविवार की शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नेपाली मुद्रा बरामद की। इस दौरान एक महिला समेत दो नेपाली नागरिकों को हिरासत में लेकर जब्त राशि एवं वाहन के साथ जयनगर कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया।एसएसबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम नेपाल नंबर

गिरफ्तार नेपाली नागरिक

प्लेट लगी एक चारपहिया वाहन जयनगर से बेतौंहा बॉर्डर के रास्ते माड़र होकर नेपाल जा रही थी। सीमा पर स्थित बेतौंहा गांव के चेक पोस्ट पर तैनात एसएसबी जवानों ने नियमित जांच के दौरान वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के क्रम में वाहन से कुल 3 लाख 41 हजार नेपाली रुपये बरामद किए गए।पूछताछ के दौरान वाहन में सवार व्यक्ति ने अपनी पहचान नेपाल के सिरहा जिला अंतर्गत सुखीपुर गांव निवासी संतोष कुमार यादव (30) तथा महिला ने अपनी पहचान सिरहा जिले के लहान वार्ड संख्या-1 निवासी अंजू न्यूपेन के रूप में बताई। दोनों ने एसएसबी को बताया कि वे जयनगर से सिरहा (नेपाल) लौट रहे थे।

बरामद नेपाली मुद्रा के संबंध में संतोषजनक दस्तावेज अथवा वैध जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर एसएसबी ने नियमानुसार पूरी राशि, वाहन एवं दोनों नेपाली नागरिकों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जब्त नेपाली मुद्रा, वाहन तथा दोनों व्यक्तियों को जयनगर कस्टम विभाग के हवाले कर दिया गया।सीमा क्षेत्र में एसएसबी द्वारा लगातार वाहन जांच एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध तस्करी, बिना घोषणा के मुद्रा की आवाजाही तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त किया गया है तथा संदिग्ध वाहनों और यात्रियों की नियमित जांच की जा रही है। मामले में कस्टम विभाग द्वारा जब्त नेपाली मुद्रा के स्रोत एवं परिवहन के उद्देश्य की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी

चार दीवारी के अभाव में कस्तूरबा गांधी छात्रावास ठप, करोड़ों की लागत से बना भवन असामाजिक तत्वों का बना अड्डा

भूमाफियाओं में मचा हड़कंप, चचाओं का बाजार गर्म

बिस्फी (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के उच्च विद्यालय परसौनी मुरलियाचक का परिसर चारदिवारी के अभाव में करोडो रुपए की लागत से निर्मित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कई वर्षो बाद भी शुरू नहीं हो सकी है. सुरक्षा व्यवस्था की कमी

कस्तूरबा छात्रावास

के कारण छात्रावास बंद पड़ा है. जिसे सरकारी धन से बना भवन धीरे-धीरे जर्जर हो गया है. चारदीवारी के अभाव में विद्यालय परिसर में आवारा पशुओं का भी जमावड़ा लगा रहता है. गाय, भैंस, सांड, जंगली सूअर, नीलगाय और आवारा कुत्तों की लगातार आवाजाही से विद्यालय का शैक्षिक माहौल बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. इस मामले को लेकर कई बार पदाधिकारी के द्वारा निरीक्षण किया गया. लेकिन इनकी कोई समाधान नहीं हुई. इस मुद्दे को लेकर जिला पदाधिकारी को भी अवगत कराया गया था. जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 में लगभग दो करोड रुपए की लागत से 19 कमरों वाले छात्रावास का निर्माण किया गया था. इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को सुरक्षित आवासीय सुविधा प्रदान करना था. ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई कर सके. विद्यालय परिसर में बाउंड्री वाल ना होने के कारण छात्रावास के संचालन की योजना अब तक लागू नहीं हो पाई है. ग्रामीणों का आरोप है कि शाम होते ही विद्यालय परिसर असमायिक तत्वों का अड्डा बन जाता है. यहां खुलेआम शराब, सिगरेट और नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है .कई बार छात्राओं और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां किए जाने की शिकायत भी मिली है. इस वजह से अभिभावक अपनी बेटियों को छात्रावास में भेजने से हिचकिचा रहे हैं.

कमला नदी से 2,160 लीटर नेपाली सौफी शराब बरामद, पुलिस ने 48 बोरी शराब की खेप की जब्त

जयनगर (एनएसबी)। भारत-नेपाल सीमा पर शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयनगर थाना पुलिस ने रविवार की रात बड़ी सफलता हासिल करते हुए कमला नदी के काली मंदिर घाट से भारी मात्रा में नेपाल निर्मित सौफी शराब बरामद की। पुलिस ने नदी में तैराकर भारत लायी जा रही 48 बोरियों में पैक कुल 2,160 लीटर नेपाली सौफी शराब जब्त कर ली। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए।इस संबंध में सोमवार को जयनगर थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान डीएसपी सदानंद कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कमला नदी स्थित काली मंदिर घाट के समीप छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान नदी में तैरती हुई 48 बोरियां बरामद हुईं। जब उनकी जांच की गई तो उनमें नेपाल निर्मित सौफी शराब की कुल 2,160 लीटर खेप मिली, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया।डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत होता है कि तस्कर शराब की बड़ी खेप को नदी के रास्ते भारतीय सीमा में पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस की सक्रियता और लगातार निगरानी के कारण तस्करों की योजना विफल हो गई। पुलिस को देखते ही तस्कर अंधेरे और नदी किनारे के इलाके का लाभ उठाकर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि जब्त शराब के संबंध में जयनगर थाना में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस तस्करों की पहचान करने और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए जांच में जुटी है।इस छापेमारी अभियान में एसआई सुरज कुमार, एसआई अमित कुमार, एसआई मोनिका कुमारी, पैंथर सिपाही तथा शस्त्र बल के जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में लगातार गश्त और सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि नेपाल से होने वाली शराब तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।प्रेस वार्ता के दौरान डीएसपी सदानंद कुमार के साथ जयनगर थानाध्यक्ष रमण कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

विदाई-सह-स्वागत समारोह आयोजित, नवपदस्थापित बीडीओ चंदन कुमार का हुआ अभिनंदन

खजौली (एनएसबी)। प्रखंड सभागार में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी बीडीओ लवली कुमारी के विदाई समारोह एवं नवपदस्थापित बीडीओ चंदन कुमार के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा ने की,जबकि संचालन शिक्षक जीबछ सिंह ने किया। समारोह में पंचायत सचिव, कार्यपालक सहायक, आवास सहायक, लेखापाल,कनीय अभियंता (जेई) जनप्रतिनिधियों एवं प्रखंड कर्मियों ने भाग लिया।

सम्मानित करते।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान के साथ हुई। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा ने अपने संबोधन में कहा कि बीडीओ लवली कुमारी ने अपने कार्यकाल में विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सराहनीय कार्य किया। उन्होंने नवपदस्थापित बीडीओ चंदन कुमार का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में प्रखंड का सर्वांगीण विकास और तेज गति से आगे बढ़ेगा।मुखिया जयप्रकाश मंडल ने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को नई दिशा मिलती है। अर्जुन सिंह ने बीडीओ लवली कुमारी के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं बीस सूत्री अध्यक्ष विनोद पाण्डेय ने कहा कि नए बीडीओ से जनता की अपेक्षाएँ काफी हैं। और सभी के सहयोग से विकास कार्यों को और गति मिलेगी। विदाई के अवसर पर बीडीओ लवली कुमारी ने कहा कि खजौली में मिला सहयोग उनके लिए सदैव यादगार रहेगा। वहीं नवपदस्थापित बीडीओ चंदन कुमार ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता होगी तथा जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों के सहयोग से प्रखंड के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।समारोह के अंत में सभी ने लवली कुमारी को भावभीनी विदाई दी तथा चंदन कुमार का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं वही इस मौके पर मुखिया बब्लु महतो, अशोक सिंह,श्री मोहन झा,छठु पासवान, अमरेन्द्र कुमार राय,अजय सिंह,बेचन यादव, सुमित सिंह,मोहन चौधरी, सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद थे'

अनुश्रवण प्रणाली के तहत सुनी आमजनों की समस्याएं, समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

मधुबनी (एनएसबी)। जिलाधिकारी, आनंद शर्मा एवं एडीएम मुकेश रंजन के द्वारा सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत ह्यह्यसबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत आमजनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।इस जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों में होने वाली कठिनाइयों को दूर करना तथा प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए दर्जनों लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में अंधराठाढ़ी प्रखंड के मरुकिया निवासी सुधीर

शिकायत सुनते अधिकारी।

राय ने वासगीत पर्चा निर्गत करने हेतु आदेश देने का अनुरोध किया।बेनीपट्टी प्रखंड के पाली मझिला टोल निवासी नजमुन निशा ने मझिला टोल पाली से नजरा एवं मेघवन की ओर जाने वाली नदी में पुल निर्माण कराने हेतु अनुरोध किया गया।हरलाखी प्रखंड के फुलहर निवासी मसोमात मरनी देवी ने प्रधानमंत्री आवास योजना से किये जा रहे आवास निर्माण करने में अवरोध उत्पन्न करनेवाले पर कारवाई करने हेतु अनुरोध किया गया।लदनियां प्रखंड के योगिया निवासी राम प्रसाद सिंह ने सड़क निर्माण कार्य को आनन-फानन में अतिक्रमणकारियों के द्वारा सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत की गई। झंझारपुर नगर परिषद के वार्ड नं-15 निवासी रामसुंदर ठाकुर ने भूदान से प्राप्त जमीन पर जबरन कब्जा करने एवं रोके जाने पर परिवार को मुकदमे में फंसा देने की शिकायत की गयी।खुटौना प्रखंड के टेंगरार निवासी सियाराम ने सार्वजनिक रास्ता का अतिक्रमण मुक्त करवाने एवं निजी जमीन से बेदखली कराने हेतु अनुरोध किया गया। हरलाखी प्रखंड के सिसौनी गांव से बासोपट्टी जानेवाली सड़क का निर्माण कराने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने कक्षों में उपस्थित होकर जिले भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए। उल्लेखनीय है कि सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत ह्यह्यसबका सम्मान-जीवन आसानह्नह्न कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जन-हितैषी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाना है।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें बेहतर प्रशासनिक सेवा प्राप्त हो सके। *कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों द्वारा बारी-बारी से सभी आवेदकों की शिकायतें सुनी गई तथा उनके त्वरित समाधान के लिए अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी गई। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के द्वारा हरेक महीने के प्रथम एवं तीसरे मंगलवार को पंचायत में सहयोग शिविर चलाया जा रहा है। जो पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया है।

7 जुलाई को मुजफ्फरपुर जिले के 47 पंचायतों में लगेगा सहयोग शिविर, डीएम ने दिए बेहतर व्यवस्था के निर्देश

आमजन की समस्याओं का होगा ऑन-द-स्पॉट समाधान

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले में आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 7 जुलाई को जिले के विभिन्न प्रखंडों की 47 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहकर लोगों की शिकायतों एवं आवेदनों का निष्पादन करेंगे तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराएंगे।

प्रत्येक शिविर के लिए वरीय, प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात

कार्यक्रम के अनुसार बंदरा प्रखंड के सिमराचक श्रीकंठ एवं तेपरी, गायघाट के बोआरी डीह, लोमा एवं कनरथू, कुढ़नी के छजन हरिशंकर पूर्वी, किशुनपुर मोहिनी एवं बलौरडीह, मीनापुर के हरशेर, अली नेउरा एवं कोईली, मोतीपुर के जाटौलिया, पकड़ी एवं जसौली, मुरौल के सादिकपुर मुरौल एवं बिशनपुर बखरी, मुसहरी के पताही मधुबनी, मझौली खेतल, कांटी के मणिफुलकहां, हरचंदा एवं गोदाइ फुलकहां, पारू के कटारू, ग्यासपुर एवं फतेहाबाद, साहेबगंज के बिशुनपुर पट्टी, बिशनपुर कल्याण एवं गौंडा, सरैया के कोल्हुआ, चकइब्राहिम एवं सरैया, औराई के भदई, बसंत एवं सरहंचिया, बोचहां के झपहा, रामपुर जयपाल एवं पटियासा, मड़वन के जियन खुर्द, गवसरा एवं महम्मदपुर खाजे, कटरा के शिवदासपुर, धनौर एवं कटरा तथा सकरा के भरथीपुर, डिहुली इशहाक एवं रामपुर मणी पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, आपूर्ति, श्रम, बाल विकास, पशुपालन, बैंकिंग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं एवं आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निष्पादन किया जाएगा, जबकि जटिल मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने की भी कार्रवाई की जाएगी।

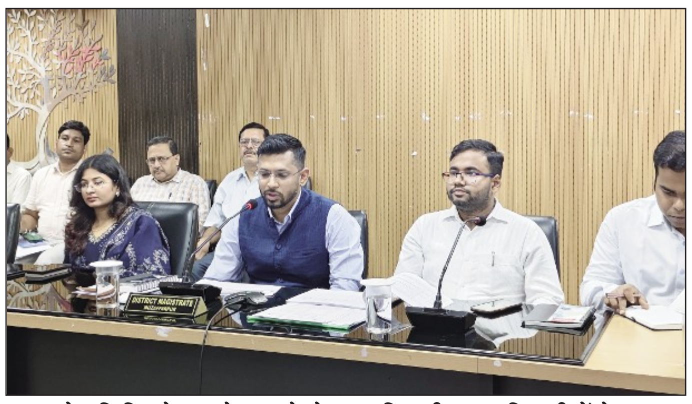
सहयोग शिविर के आयोजन को लेकर अधिकारी व पदाधिकारीयों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी।

सहयोग शिविर के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। जिलाधिकारी कुमार गौरव के निर्देश पर प्रत्येक शिविर के लिए वरीय पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को समय पर शिविर स्थल पर उपस्थित रहकर निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करने तथा आम लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा है कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों का बार-बार चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना तथा उनकी समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित करना है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी पूरी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। किसी भी लाभुक को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा नहीं करनी पड़े तथा सभी प्राप्त आवेदनों का विधिवत पंजीकरण एवं त्वरित निष्पादन किया जाए। उन्होंने सभी शिविर स्थलों पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पंखा, छाया, साफ सफाई तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराने तथा भीड़ प्रबंधन एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों से कहा है कि वे शिविर का संचालन पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ करें तथा अधिकाधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सहयोग शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा भी की जाएगी। जिलाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटवर्ती पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान कराएं तथा उपलब्ध सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

संक्षिप्त खबरें

40वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए बाबू जगजीवन राम

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को पूर्वी जिला कांग्रेस कार्यालय तिलक मैदान में सकरा विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी उमेश कुमार राम के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओ ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उमेश कुमार राम ने कहा कि बाबू जगजीवन राम, जिन्हें सभी वर्गों के लोग स्नेहपूर्वक "बाबूजी" कहकर पुकारते थे वे अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय के पुरोधा तथा बिहार के गौरव पुरुष थे। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन को देश सेवा, सामाजिक समरसता और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा में कुणाल सहाय, प्रभात चन्द्र, रितेश सिंह 'संजू', मनोज कुमार सिंह, मोजक्कीर रहमान सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेस के लोग।

पूर्व मंत्री प्रो नलिनी रंजन सिंह की जयंती मनायी

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और चेतन साधन इंस्टीट्यूट के संस्थापक प्रो नलिनी रंजन सिंह की सोमवार को जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन और प्रो सिंह की पुत्री सुमिता नूपुर ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके पिता ने राजनीति को हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वंचित और उपेक्षित वर्ग की सेवा का माध्यम माना। विधायक और मंत्री के रूप में उनका पूरा कार्यकाल नीतिगत ईमानदारी का एक जीवंत दस्तावेज है। उनकी जनसेवा की भावना और लोगों के जीवन स्तर को सुधारने की प्रतिबद्धता आज भी सभी के लिए अनुकरणीय है। संस्थान के प्राचार्य डॉ मो अजमततुल्लाह ने कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर शिक्षाविद थे। अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए कभी किसी परिस्थिति में समझौता नहीं किया। डॉ नवीन कुमार ने कहा कि आज के दौर में जब मूल्यपरक राजनीति का संकट है, इस समय प्रो सिंह का नैतिक और ईमानदार जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक व्यावहारिक पाठ्यपुस्तक की तरह है, जिससे शिक्षा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में मार्गदर्शन लिया जा सकता है। इस मौके पर राम नरेश राय, एस के पांडे, आनंद कुमार, शाहबाज अहमद खान, विजय कुमार, सरोज कुमार, चंचल, अलका रानी, अजय ठाकुर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जयंती पर पूर्व मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर याद करते लोग।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा बंदरा पश्चिमी मंडल ने दी श्रद्धांजलि

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बंदरा पश्चिमी मंडल द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पांडेय ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रहित, एकात्मता और जनसेवा का विचार आज भी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों पर चलकर देश की सेवा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा में मंडल महामंत्री मनीष झा, ओमप्रकाश सहनी, राजू त्रिवेदी, मुकुंद ठाकुर, मनोज कुमार, बीरेंद्र पासवान, धनंजय ठाकुर व्यास, उपेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग के दो पदाधिकारियों के तबादले पर प्राथमिक शिक्षक संघ ने सम्मानित कर दी विदाई

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अभय कुमार निर्भय की अध्यक्षता में सोमवार को मुजफ्फरपुर जिले से प्रोन्नति पाकर स्थानांतरित हुए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना इन्द्र कुमार कर्ण एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

मौके पर दोनों विभागीय पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए मुजफ्फरपुर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अभय कुमार निर्भय और प्रधान सचिव पवन कुमार प्रतापी ने कहा कि दोनों सम्मानित पदाधिकारी इन्द्र कुमार कर्ण का स्थानांतरण जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर एवं सुजीत कुमार दास का जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सीतामढ़ी के पद पर होने से संघ के सदस्यों में दोनों पदाधिकारियों को प्रोन्नति मिलने की खुशी है तो इनके यहां से विदा होने का गम भी है। संघ के दोनों नेताओं ने दोनों पदाधिकारियों के वेदाग कार्यकाल की सराहना करते हुए दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं जिला संघ के संरक्षक रघुवंश प्रसाद सिंह ने अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि आप दोनों पदाधिकारी पुनः अगली प्रोन्नति प्राप्त करते हुए इसी प्रमंडल (जिला) में पदास्थापित हो। इस दौरान जिला संघ के संरक्षक रामेश्वर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण नंदन झा, उपाध्यक्ष रामनरेश ठाकुर, उपाध्यक्ष हेमन्त कुमार, सचिव खुर्शीद आलम, सचिव अजय कुमार मिश्रा, राज्य प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी इन्द्र भूषण आदि उपस्थित थे।

विभागीय पदाधिकारी को सम्मानित कर विदाई देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी गण।

जिलाधिकारी से मिले एनटीपीसी कांटी के परियोजना प्रमुख

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। एनटीपीसी कांटी के परियोजना प्रमुख पंकज कुमार गुप्ता सोमवार को जिलाधिकारी कुमार गौरव से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान परियोजना प्रमुख ने जिलाधिकारी को एनटीपीसी कांटी में विद्युत उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा, सामुदायिक विकास तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने परियोजना द्वारा स्थानीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। वही जिलाधिकारी ने एनटीपीसी कांटी द्वारा क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग एवं समन्वय का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं एनटीपीसी के आपसी सहयोग से क्षेत्र के समग्र विकास को और अधिक गति मिलेगी। इस अवसर पर एनटीपीसी कांटी के अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) महेशकुमार सुथार भी उपस्थित रहे।

शिष्टाचार मुलाकात के दौरान जिलाधिकारी को बुके भेंटकर स्वागत करते एनटीपीसी काँटी के परियोजना प्रमुख पंकज कुमार गुप्ता।

बीपीएससी अध्यापक संघ ने किया मिलन सह सम्मान समारोह

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। बीपीएससी अध्यापक संघ मुजफ्फरपुर इकाई के द्वारा नगर के माड़ीपुर स्थित एक निजी होटल में शिक्षक मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

बीपीएससी अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष मो फरीद अंसारी एवं जिला संयोजक चंदन पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बबीता चौरसिया के द्वारा सैकड़ों शिक्षकों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। बैठक में वकताओं ने बीपीएससी से नियुक्त शिक्षकों को पूर्ण वेतनमान, पुरानी पेंशन, वेतन संरक्षण, एरियर (बकाया राशि), पुरुषों को गृह प्रखंड में स्थानांतरण, महिला शिक्षकों को बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी, चिकित्सा अवकाश, सर्विस बुक अपडेट, परिवहन भत्ता जैसे विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वही मुख्य अतिथि बबीता चौरसिया ने कहा कि बीपीएससी शिक्षकों के मान-सम्मान और अधिकार के लिए सड़क से न्यायालय तक जाऊँगी। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मुजफ्फरपुर जिले के शिक्षकों के समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और संगठन को साथ लेकर चलेंगे। जिला संयोजक चंदन पांडेय ने कहा कि बीपीएससी शिक्षकों और प्रधानाध्यापक को पूर्ण वेतनमान के साथ साथ पुरानी पेंशन योजना हर हाल में मिलना चाहिए इसके लिए शिक्षकों को एक जुट होने की आवश्यकता है। जिला उपाध्यक्ष अविनाश झा ने कहा कि शिक्षक कई समस्याओं से जूझ रहे है, जिसमें सबसे बड़ी समस्या स्थानांतरण नीति को लेकर है। उन्होंने सरकार से पुरुष शिक्षकों को भी गृह प्रखंड में स्थानांतरण सुविधा देने की मांग की।

मिलन सह सम्मान समारोह में मंच पर सम्मानित बीपीएससी अध्यापक संघ मुजफ्फरपुर के पदाधिकारी व सदस्य गण।

अपने हक और अधिकार के लिए बुलंद की आवाज

बैठक में संगठन के जिलाध्यक्ष मो फरीद अंसारी, जिला संयोजक चंदन पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अविनाश झा, मोहम्मद साकिब, मयंक मुकुट, महासचिव प्रियतम मिश्रा, जिला प्रवक्ता आरती कुमारी एवं संदीप त्रिपाठी, मो आफताब आलम, प्रमोद कुमार चौधरी प्रधान महासचिव मो साकिब और मो इरशाद सचिव, अंजनी कुमार मीडिया प्रभारी, सत्य प्रकाश कानूनी सलाहकार, फणीभूषण पांडेय संगठन प्रभारी, सक्रीय सदस्य मो वसीम अख्तर मो नसीम अख्तर, प्रखंड अध्यक्ष बोचहाँ रवि मणि, प्रखंड अध्यक्ष औराई ओमप्रकाश, प्रखंड अध्यक्ष मिनापुर प्रखंड अध्यक्ष राजू कुमार, पारु विनोद कुमार, सकरा प्रखंड अध्यक्ष मो साजिद, प्रखंड अध्यक्ष मडवन मो हसन राजा, मो तबरेज आलम, प्रखंड अध्यक्ष कांटी संजय कुमार प्रखंड अध्यक्ष सरैया मुकुल कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष मुसहरी डॉ ब्रजेश कुमार प्रखंड अध्यक्ष गायघाट मो जावेद प्रखंड अध्यक्ष बंदरा सहित संघ के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद कुमार चौधरी ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला प्रवक्ता आरती कुमारी एवं संदीप त्रिपाठी द्वारा किया गया।

मुजफ्फरपुर में पैक्स अध्यक्ष पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरौल ओपी इलाके में देर रात पैक्स अध्यक्ष सुनील पांडे पर अपराधियों ने जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि वह रात में अपने घर लौट रहे थे।

घर से कुछ ही दूरी पर जंगल के पास घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोलियां चला दीं। हालांकि इस हमले में वे बाल बाल बच गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ पूर्वी -2 मनोज कुमार ने बताया कि पैक्स अध्यक्ष पर फायरिंग की सूचना मिली है।

पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल घटना के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आरजेडी नेता की थार से युवक का दिनदहाड़े अपहरण, 3 घंटे के भीतर ही पुलिस ने आरोपी को धर-दबोचा

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। नगर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में रविवार की शाम राजद के जिला सचिव का बोर्ड तथा पार्टी का बैनर लगे एक थार गाड़ी से एक युवक का अपहरण कर लिया गया। अपहरण के बाद गाडी पर सवार लोगो ने युवक की बेरहमी से पिटाई कर घायल युवक को सड़क पर फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए घटना के महज तीन घंटों के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वही थार गाड़ी को सरैया थाना क्षेत्र से जब्त कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार की शाम काजी मोहम्मदपुर थाना पुलिस को यह सुचना मिली कि क्षेत्र के सर्किट हाउस के पास कुछ अपराधियों द्वारा एक युवक को थार गाडी पर सवार अपराधियों द्वारा जबरन अपहरण कर लिया गया है। यह सुचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। कुछ ही देर बाद अपराधियों ने युवक की जमकर पिटाई की और घायल अवस्था में उसे ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के समीप सड़क पर फेंक दिया। युवक की खोज करते पुलिस चांदनी चौक पहुंची और इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया। लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मिले फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई। सबूतों के आधार पर पुलिस सरैया थाना क्षेत्र में पहुंची, जहां से घटना में उपयोग की गई थार गाड़ी को बरामद कर जब्त किया। साथ ही आरोपी मोहम्मद रहमान को गिरफ्तार कर लिया। दामोदरपुर का रहने वाले रहमान के राजद से जुड़े होने की बात सामने आई है। गिरफ्तार राजद नेता से पुलिस पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी राजद नेता मो रहमान।

एसएसपी कांतेस कुमार मिश्रा ने बताया कि आयुष कुमार द्वारा इस मामले में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना के महज 3 घंटे के भीतर ही थार और आरोपी युवक तक पुलिस पहुंच गई। वही पुलिस पूछताछ में आरोपी रहमान ने बताया है कि आयुष के साथ पूर्व से चल रहे विवाद और प्रेम प्रसंग को लेकर उसने इस घटना को अंजाम दिया है। वही घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश के लिए जिले में अलर्ट जारी किया गया है।

आयुष्मान सारथी एप्प नाम से आधिकारिक व्हाट्सएप चैटबॉट शुरू, घर बैठे बनाएं कार्ड

आयुष्मान भारत योजना की व्हाट्सएप पर मिलेगी जानकारी

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों को अब सरकारी दफ्तरों या वसुधा केंद्रों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। केंद्र सरकार ने योजना से जुड़ी सभी प्रमुख सेवाओं को सीधे व्हाट्सएप पर उपलब्ध करा दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने 'आयुष्मान सारथी' नाम से आधिकारिक व्हाट्सएप चैटबॉट शुरू किया है। इसके माध्यम से लाभार्थी 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपने मोबाइल से योजना की विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

मुजफ्फरपुर जिले के लाखों लाभार्थियों के लिए यह डिजिटल सुविधा बेहद उपयोगी साबित होगी। अब ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों के लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने, पात्रता जांचने, अस्पताल की जानकारी लेने या शिकायत दर्ज कराने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। व्हाट्सएप के माध्यम से यह सभी सेवाएं कुछ ही मिनटों में उपलब्ध होंगी।

इस नई डिजिटल पहल की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए डीपीसी (जिला कार्यक्रम समन्वयक) विमला कुमारी ने बताया कि मुजफ्फरपुर और वैशाली जिलों के लाभार्थियों के लिए 'आयुष्मान सारथी' चैटबॉट एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इसे सीधे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सिस्टम के साथ सुरक्षित आधारित तकनीक के जरिए जोड़ा गया है। इससे लाभार्थियों को रियल-टाइम जानकारी और सेवाएं मिलेंगी। हमारा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण इलाकों का अंतिम व्यक्ति भी बिना किसी बिचौलिए या परेशानी के घर बैठे अपनी पात्रता जांच सके, नया कार्ड बना सके और नजदीकी अस्पतालों की सूची देख सके। इस तकनीक से पारदर्शिता बढ़ेगी और धांधली की शिकायतें खत्म होंगी। वही इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ सुधीर कुमार तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारियो ने कहा कि 'आयुष्मान सारथी' डिजिटल तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जन केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह प्लेटफॉर्म लाभार्थियों के फीडबैक, शिकायतों और सेवा उपयोग से जुड़े आंकड़ों के आधार पर जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार करने में भी मदद करेगा। बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी अपने मोबाइल में 91 7290823838 नंबर सेव कर व्हाट्सएप पर 'हाय' लिखकर संदेश भेज सकते हैं। इसके बाद चैटबॉट स्वतः सक्रिय हो जाएगा और उपलब्ध सेवाओं की सूची (मेनू) सामने आ जाएगी। वहीं लाभार्थी अपनी आवश्यकतानुसार विकल्प चुनकर संबंधित सेवा का लाभ ले सकते हैं। यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है और पूरी तरह सुरक्षित प्रणाली पर कार्य करती है।

किसान महापंचायत आयोजित कर होगा आन्दोलन का ऐलान

सीएम से बात कर किसान विरोधी सीतापुरम सेटेलाइट टाऊनशिप प्रोजेक्ट वापस करायें जनप्रतिनिधि

सीतामढ़ी (दैनिक नवसंदेश)। भूमि बचाओ संघर्ष समिति, सेटेलाईट सीतापुरम प्रोजेक्ट, सीतामढ़ी के कोर कमिटी के सदस्यों की महत्त्वपूर्ण बैठक 5 जुलाई को समिति कार्यालय पुनौरा में हुई। अध्यक्षता समिति के संयोजक पूर्व सरपंच संतोष कुमार सिंह ने की।

बैठक में तय किया गया कि सरकार द्वारा किसान-मजदूरों की मांगों की उपेक्षा के खिलाफ एक सप्ताह के बाद समिति कार्यालय पुनौरा में एक किसान महापंचायत आयोजित कर आन्दोलन के दूसरे चरण में सडक जाम, काला दिवस तथा बाजार बंद पर निर्णय लिया जायगा।

बैठक में कहा गया कि सीतामढी के हजारों किसान-मजदूरों ने सीएम को मांगपत्र भेजकर सेटेलाइट सीतापुरम प्रोजेक्ट वापस लेने की मांग की थी परन्तु सीएम कार्यालय कोई जबाब दिये वगैर उल्टे प्रोजेक्ट का विस्तार करती जा रही है। पहले 32 फिर 44 अब 99 राजस्व गांवों को इस दायरे में लाया गया है।समिति का प्रतिनिधिमंडल संबंधित जनप्रतिनिधियों से भी मिला है अब जनप्रतिनिधियों का दायित्व है सी एम से बातकर इस प्रोजेक्ट को रद्द कराये।बिहार की तानाशाही हूकूमत लोकतांत्रिक मयार्दा को भूलने के साथ संपति (भूमि) के संवैधानिक अधिकार का भी हनन कर रही है। किसान-मजदूरों ने सरकार से न तो इस तरह की कोई योजना मांगी थी, न ही कोई सहमति दी है, न ही सरकार ने योजना के उपलब्धियों का प्रारूप आमजन के लिए सार्वजनिक किया है। एकाएक पुश्तैनी तथा जीवन भर की गाढी कमाई से खरीदे गये भूमि को लैंड पुलिंग कर 45 प्रतिशत जमीन छीनने तथा गांवों के विस्थापन की संभावना जैसे हिटलरी ऐलान से किसान भौचक है।

भूमि बचाओ संघर्ष समिति, सेटेलाईट सीतापुरम प्रोजेक्ट, सीतामढ़ी के कोर कमिटी की बैठक में शामिल लोग।

अभी तक देश की सर्वाधिक उपजाऊ जिले के खेती लायक भूमि का करीब एक चौथाई भूमि वियाडा, औद्योगिकरण, बोर्डर रोड, रामजानकी पथ, सैनिक रोड, स्टेट हाईवे, रेलवे, एनएच, लैंड पुलिंग के तहत लिया गया है। रोजगार की प्रगति यही है कि सर्वाधिक पलायन सीतामढी जिले से हीं है।

बैठक में समिति के बैधनाथ हाथी, प्रो.आनन्द किशोर, किशोरी हाथी, राम सागर ठाकुर, प्रेमचन्द्र सिंह, राजन हाथी, सुधीर कुमार सिंह, खेदू महतो, सतीश कुमार सिंह, धीरज कुमार, अनबर अली, लालबाबू साह, रामकिशोर महतो, अजय ठेकेदार, जितेन्द्र हाथी, शिबजी महतो, बिकाउ महतो, शंभू कुमार यादव, अयूब अंसारी, गुड्डू हाथी, राजीव कुमार सहित अन्य ने अपना विचार रखा।

श्रद्धापूर्वक मनाई पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि

बैरगनिया/सीतामढ़ी (एनएसबी)। कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम में भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री जगजीवन राम की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाकर उनके तस्वीर पर फूल माला अर्पित किया है। प्रखंड अध्यक्ष संतोष पासवान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने बाबू जगजीवन राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बाबू जगजीवन राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि करते लोग।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पासवान ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन सामाजिक समानता, लोकतांत्रिक मूल्यों और गरीब, दलित एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देश के विकास और संविधान की मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर जगदीश झा, बृजमोहन मंडल, हरेशनन्दन पाठक, मनोज राम, धीरज गुप्ता, जितन महतो, सच्चिन्द्र राम, शिवजी साह, देवा शीश पंडित आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कायस्थ सेना की तीसरी वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का आयोजन

सीतामढ़ी (एनएसबी)। कायस्थ सेना की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को रक्तदाता समूह एवं सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक के सहयोग से नहर चौक स्थित मन्नत नर्सिंग होम परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय उप समाहर्ता आशुतोष श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया। आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के संस्थापक डॉ. एसके वर्मा ने पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया। मौके पर वरीय उप समाहर्ता आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि "रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। समाज के प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। इस दौरान डॉ. एसके वर्मा, डॉ. सोनी वर्मा, डॉ. अपूर्व राज, निखिल कुमार, प्रदीप सिन्हा, प्रभात रंजन, अजय कुमार सिन्हा, अरविंद चंद्र दास, बालकृष्ण पुतुल, एसके रोहित, स्वर्णलता, श्वेता कुमारी, संदीप कुमार एवं गौतम कुमार वर्मा सहित कई लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की। मौके पर रक्तदाता समूह के वरीय सदस्य संदीप डालमिया, कार्यक्रम प्रभारी अरविंद कुमार एवं सुनील कुमार पप्पू के अलावा कायस्थ सेना के पदाधिकारियों में नवनीत कुमार, अरुण कुमार, नीरज कुमार, विजय कुमार श्रीवास्तव, सोहन कुमार, योगेश प्रसाद, दिवेश कुमार, पूजा कुमारी, रश्मि रंजन, रवि कुमार, रजनीश कुमार, सुमित कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिविर का शुभारंभ करते एसडीसी आशुतोष श्रीवास्तव व अन्य।

रोटरी क्लब ऑफ तिरहुत का पदस्थापना समारोह संपन्न, 6 नए सदस्यों को किया गया शामिल

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मुजफ्फरपुर क्लब के सभागार में रोटरी क्लब ऑफ तिरहुत का पदस्थापना समारोह मनाया गया ' इस अवसर पर नए अध्यक्ष के रूप में ऋतेश अनुपम एवं सचिव के रूप में आशीष शंकर ने अपना पदभार ग्रहण किया। साथ ही निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल संस्था पूरे विश्व में पीड़ित मानवता की सेवा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती है। पूरे विश्व में पोलियो उन्मूलन के संकल्प को पुरा करने में रोटरी इंटरनेशनल का सबसे बड़ा योगदान रहा है। यह संस्था हर तरह के आपदा में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए आगे रही है। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष ऋतेश अनुपम ने कहा कि हम लोग प्रत्येक माह समाजिक जरूरतो के मद्देनजर कुछ ना कुछ कार्य समाज के लिए करते रहेंगे। इस महीने रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में रोटरी इंटरनेशनल के सहायक जिला पाल राजवर्धन एवं रोटरी इंटरनेशनल के सहायक सचिव डॉक्टर नवीन कुमार उपस्थित थे। समारोह में 6 नए लोगों गोपाल तुलस्यान, डॉ विनायक गौतम, पंकज गौतम, राजीव रंजन, कृष्ण मोहन कुमार एवं पुरुषोत्तम पांडे रोटरी तिरहुत का नये सदस्य बनाए गए। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष भृगु कुमार, डॉ अंशुमान सिंह', शशांक शेखर, संजीव चौधरी, उदय भानु, प्रेम कुमार चौधरी, अमित राज, नीलमणि आदि उपस्थित थे।

याद किए गए 1857 की क्रांति के सिपाही मीर वारिस अली

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। श्री नवयुवक समिति ट्रस्ट व नागरिक मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान मे सोमवार को स्थानीय शहीद भगवान लाल स्मारक पुस्तकालय भवन के सभागार मे 1857 की क्रांति के विद्रोही सिपाही मीर वारिस अली की 169वीं शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के उपाध्यक्ष रणवीर अभिमन्यू एव संचालन मोहन प्रसाद सिंहा ने किया। सभी लोगो ने मीर वारिस अली की तस्वीर पर फूल माला अर्पित कर, उनके अदम्य बलिदान को याद किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वकताओं ने कहा कि वारिस अली मूलतः दिल्ली के थे, परन्तु मुजफ्फरपुर के पारु पुलिस थाना के जमादार स्वरूप ब्रिटिश सरकार के मुलाजिम थे। ब्रिटिश सरकार के कार्यो के खिलाफ जानकारी मिली तो 22 जून 1857 को वारंट लेकर मजिस्ट्रेट मोतीपुर आया और गिरफ्तार कर लिए गए। उनपर 1855 के जेलब्रेक कांड का भी अभियोग लगाया गया। 6 जुलाई 1857 को दानापुर छावनी मे इन्हे फांसी दे दी गई। मौके पर कमलेश दिव्यदर्शी, दीनबंधु आजाद, डा प्रदीप कुमार अग्रवाल, अरुण कुमार सहित नगर के अन्य लोग उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर को मिला बिहार राज्य एमेच्योर बॉक्सिंग की मेजबानी का मौका

मुजफ्फरपुर(एनएसबी) । बिहार में बॉक्सिंग खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत मुजफ्फरपुर एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन को बिहार राज्य एमेच्योर बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2026 की मेजबानी का दायित्व सौंपा गया है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 25 से 27 अगस्त 2026 तक मुजफ्फरपुर में आयोजित होगी। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर बिहार एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव हिमांशु दुबे की उपस्थिति में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, तकनीकी व्यवस्था, खिलाड़ियों के आवास एवं भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा, रेफरी एवं जजों की नियुक्ति सहित सभी आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

डुमरा एसएफसी गोदाम में अनियमितता पर गोदाम प्रबंधक के निलंबन का निर्देश

गोदामों का होगा मासिक निरीक्षण

नवसंदेश ब्यूरो

सीतामढ़ी। जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी, सीतामढ़ी सदर द्वारा डुमरा स्थित एसएफसी गोदाम की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान गोदाम के खाद्यान्न प्रबंधन, रखरखाव में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एसएफसी डुमरा के सहायक गोदाम प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया है एवं उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई हेतु एसएफसी मुख्यालय को निर्देश दिया गया हैं।

इसके अतिरिक्त अनुमंडल पदाधिकारी सदर, पुपरी एवं बेलसंड, एवं डीएम एसएफसी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी एसएफसी गोदामों का प्रत्येक माह निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न के भंडारण, रखरखाव, गुणवत्ता, स्टॉक, उठाव एवं वितरण व्यवस्था की गहन जांच सुनिश्चित की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न के भंडारण, रखरखाव, गुणवत्ता, स्टॉक, उठाव एवं वितरण व्यवस्था की गहन जांच सुनिश्चित की जाएगी

साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारी मासिक अनुश्रवण समिति की बैठक करना सुनिश्चित करेंगे एवं बैठक की कार्यवाही जिला आपूर्ति कार्यालय को समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी स्तर पर विभागीय कर्मी, गोदाम प्रबंधक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, मुख्य/डीएसडी ट्रांसपोर्टर, सीएमआर राइस मिल, अथवा पैक्स की लापरवाही एवं अनिमियता पाए जाने पर उनके विरुद्ध तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत करने के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारीः

खाद्यान आपूर्ति से संबंधित कोई भी शिकायत अथवा खाद्यान की मात्रा, गुणवत्ता, राशन कार्ड निर्गत करना, मध्यान भोजन, अथवा अन्य किसी भी आपूर्ति विभाग से संबंधित कोई भी शिकायत के लिए आप जिला कंट्रोल रूम नंबर 06226-250316 या अनुमंडल पदाधिकारी सीतामढ़ी सदर के मोबाइल नंबर 9473191290, अनुमंडल पदाधिकारी पुपरी के मोबाइल नंबर 9473191292 अनुमंडल पदाधिकारी बेलसंड के मोबाइल नंबर 9473191291, जिला आपूर्ति पदाधिकारी के मोबाइल नंबर 9934778231 या जिला पदाधिकारी, के मोबाइल नंबर 9473191288 पर आप व्हाट्सएप या कॉल के माध्यम से आप शिकायत कर सकते हैं जिसपर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पति ने ससुराल में ही गला रेतकर की पत्नी की हत्या

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। राजेपुर थाना क्षेत्र के नवादा गांव में एक महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. मृतका की पहचान रिंकू देवी के रूप में हुई है. परिजनों ने महिला के पति पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर राजेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मामले की जांच की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतका का पति विदेश में नौकरी करता था। रिंकू देवी पिछ्ले करीब एक महीने से अपने मायके नवादा गांव में रह रही थी। परिजनों का आरोप है कि पति विदेश से लौटने के बाद शुक्रवार शाम अपने ससुराल पहुंचा। रात में खाना खाने के बाद जब सभी लोग सो गए, तो उसने धारदार हथियार से पत्नी का गला रेतकर उसकी हत्या कर दी और पीछे के रास्ते से फरार हो गया। राजेपुर थाना प्रभारी ने बताया कि नवादा गांव में महिला की हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में मामला घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। एफएसएल की टीम के साथ पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है। हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार की भी तलाश की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

घटना के बाद घटनास्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़।

मृतका की बहन ने बताया कि पति-पत्नी के बीच पिछ्ले कई वर्षों से विवाद चल रहा था। उनके अनुसार ससुराल पक्ष को रिंकू देवी पसंद नहीं थी और इस बात को लेकर कई बार विवाद एवं पंचायत भी हो चुकी थी। उनका आरोप है कि आरोपी अपने साथ बैग में चाकू लेकर आया था और उसी से वारदात को अंजाम दिया। मृतका की दूसरी बहन ममता देवी ने बताया कि घटना की सूचना उन्हें फोन पर मिली। उन्होंने भी कहा कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

मृतका की मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को ससुराल में लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उसके साथ मारपीट की जाती थी और कई बार खाना भी नहीं दिया जाता था.उन्होंने दावा किया कि ससुराल पक्ष अपने बेटे की दूसरी शादी करना चाहता था। इस संबंध में उन्होंने पहले भी पुलिस से शिकायत की थी। उनके अनुसार, उस समय पुलिस ने पति के विदेश से लौटने के बाद दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता कराने की बात कही थी। फिलहाल पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पर हमले के मामले में 8 आरोपी भेजे गए जेल

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले के पियर थाना क्षेत्र के बड़गांव चौक पर फरवरी माह में पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी विशेष छापेमारी अभियान के दौरान की गई।

पुलिस के अनुसार, फरवरी में सरपंच लालबाबू साहनी की पिटाई के बाद बड़गांव चौक पर ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा, सड़क जाम, पुलिस वाहन में तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटना हुई थी। इस मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष रजनीकांत के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर में 50 नामजद और करीब 200 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। पियर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने सुनील कुमार, अनिल शाह, रोहित कुमार, फेकू साहनी, चंदन कुमार, बिरजू साहनी, ब्रजकिशोर साहनी और रंभा महतो को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी बड़गांव क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। ज्ञात हो कि इसी मामले में इससे पहले चर्चित कॉमेडियन रमेश साहनी को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ-2 मनोज कुमार सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पर हमला करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है। घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

लंबे समय से फरार चल रहा वांछित शातिर अपराधी अभिषेक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। जिले में अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में लगातार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुजफ्फरपुर पुलिस ने बरूराज थाना क्षेत्र के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे और वांछित शातिर अभियुक्त अभिषेक कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी का पुराना और लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस के अनुसार अभिषेक कुमार सिंह के विरुद्ध कथईया और बरुराज थाना में लगभग आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज है और पुलिस उसे वर्ष 2018 से ही उसकी तालाश कर रही थी। यह जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने प्रेस मिडिया के प्रतिनिधियों को बताया कि एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के आदेश पर जिले के सभी थानों में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ सघन छापेमारी और सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान पुलिस को एक गुप्त और सटीक आसूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जाल बिछाया और बरूराज थाना कांड संख्या- 129/26 में फरार चल रहे अभियुक्त अभिषेक कुमार सिंह को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से जिले के कथैया थाने का रहने वाला है। गिरफ्तारी के वक्त पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक गिरफ्तार अभिषेक कुमार सिंह एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज हैं। उसका आपराधिक इतिहास साल 2018 से ही एक्टिव है। वर्ष 2018 में कथैया थाना कांड सं.- 82/18 में चोरी का माल रखने और आर्म्स एक्ट के तहत उसपर पहला आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। वर्ष 2021 में कथैया थाना कांड सं.- 123/21 के तहत उसपर मारपीट और हत्या के प्रयास (धारा 307) का मामला दर्ज किया गया। वर्ष 2022 में बरूराज थाना कांड सं.- 64/22 के तहत हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर धाराओं में केस हुआ था। वही वर्ष 2024 में बरूराज थाना कांड सं.- 56/24 में आर्म्स एक्ट और साहेबगंज थाना कांड सं.- 574/24 में बीएनएस की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।वर्ष 2026 में हाल ही में मई और जून 2026 में बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत बरूराज थाने में दो अलग-अलग मामले दर्ज हुए थे। ज्ञात हो कि एसएसपी के निर्देश पर एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी नेतृत्व में हुई इस गिरफ्तारी से इलाके के अपराधियों में हड़कंप है। पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है।

'सबका सम्मान-जीवन आसान' में डीएम ने सुनीं जन समस्याएं

सीतामढ़ी (दैनिक नवसंदेश)। बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सात निश्चय-3 अंतर्गत सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जिला पदाधिकारी रिची पांडेय ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं जहां परिवादों को सुना गया एवं उसके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए।

अपने कार्यालय कक्ष में आमजनों की समस्याओं को सुनते जिलाधिकारी रिची पांडेय।

जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना,आई सी डी एस, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सड़क, राशन कार्ड,अतिक्रमण, सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी परिवाद प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक मामले की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं जहां परिवादों को सुना गया

जिलाधिकारी श्री पांडेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसमस्याओं के निष्पादन में जिले के सभी पदाधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा-संवाद-समाधान कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है।

इससे न केवल समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तेज हुई है, बल्कि प्रशासन के प्रति आम लोगों का भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है।

बहादुरपुर में 20वर्षीय युवती को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, घंटों सड़क जाम

मुजफ्फरपुर(एनएसबी) । गायघाट थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय अंशु कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर ट्रक चालक की गिरफ्तारी और उचित मुआवजे की मांग को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, बखरी केशो गांव निवासी सर्वन सहनी की पुत्री अंशु कुमारी अपने खेत में घास लाने जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात घंटों बाधित रहा। सूचना मिलने पर गायघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

काफी मशक्कत के बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर भेज दिया। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है, वहीं एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सम्पादकीय

सुलभ न्याय और विवाद मुक्त बिहार की ओर एक सशक्त कदम

किसी भी राज्य या राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल उसकी ऊंची इमारतों, सड़कों या आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जा सकती, बल्कि उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वहां के आम नागरिक को कितनी आसानी, सुलभता और शीघ्रता से न्याय मिलता है। एक मजबूत और उत्तरदायी न्याय व्यवस्था सुशासन की रीढ़ होती है। इसी दिशा में, बिहार में न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट (त्वरित अदालतें) की संख्या बढ़ाने का कदम एक अत्यंत स्वागत योग्य और दूरदर्शी निर्णय है। इसके साथ ही, राज्य में भूमि विवादों की गंभीरता को समझते हुए डीसीएलआर (भूमि सुधार उप समाहर्ता) की संख्या बढ़ाने का जो निर्णय लिया गया है, वह नेतृत्व की संवेदनशीलता और जमीनी समस्याओं के प्रति गहरी समझ को दर्शाता है। ये दोनों कदम मिलकर बिहार में कानून-व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक विकास का एक नया अध्याय लिखने की क्षमता रखते हैं।

भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक मुकदमों का भारी बैकलॉग और न्याय मिलने में होने वाली देरी है। न्याय में देरी, न्याय से वंचित करने के समान है, यह सिद्धांत हम सभी भली-भांति जानते हैं। बिहार जैसे बड़ी आबादी वाले राज्य में यह समस्या और भी विकराल रूप ले लेती है, जहां अदालतों में लाखों मामले वर्षो से लंबित हैं। इन लंबित मामलों में बहुत से मामले ऐसे होते हैं जो सीधे तौर पर आम आदमी के जीवन, सम्मान और अधिकारों से जुड़े होते हैं। फास्ट ट्रैक कोर्ट की संख्या बढ़ाने से इस समस्या का एक ठोस समाधान निकलेगा। त्वरित अदालतों का मुख्य उद्देश्य ही मामलों की दिन-प्रतिदिन सुनवाई कर उन्हें एक निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाना होता है। इससे न केवल अदालतों पर से मुकदमों का भारी बोझ कम होगा, बल्कि पीड़ित पक्ष को समय पर राहत भी मिल सकेगी। विशेषकर महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गो के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में त्वरित न्याय मिलने से अपराधियों में कानून का खौफ पैदा होगा और समाज में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ होगा।

न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ राज्य सरकार ने अपराधों की जड़ पर प्रहार करने की जो रणनीति अपनाई है, वह काबिले तारीफ है। अगर हम बिहार में होने वाले छोटे-बड़े विवादों, आपराधिक घटनाओं और यहां तक कि हिंसक झड़पों के आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करें, तो एक बहुत बड़ा प्रतिशत सीधे तौर पर भूमि विवादों से जुड़ा हुआ मिलेगा। ग्रामीण बिहार, जो कि मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान समाज है, वहां जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि आजीविका, मान-सम्मान और पहचान का प्रतीक होती है। भाइयों के बीच बंटवारे का विवाद हो, जमीन की मापी का मसला हो, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) में होने वाली देरी हो या फिर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला हो, ये सभी विवाद अंततः बड़े संघर्षो का रूप ले लेते हैं और दीवानी अदालतों से लेकर थानों तक फाइलों का अंबार लगा देते हैं।

इस गंभीर और जटिल समस्या को गहराई से समझते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भूमि विवादों के त्वरित निपटारे के लिए जो गंभीरता दिखाई गई है, वह राज्य के प्रशासनिक सुधारों में एक मील का पत्थर है। डीसीएलआर राजस्व प्रशासन की एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जिन्हें भूमि विवादों को सुलझाने, म्यूटेशन अपीलों की सुनवाई करने और रैयतों (किसानों) के अधिकारों की रक्षा करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। डीसीएलआर के पदों और उनके कार्यालयों की संख्या में वृद्धि करने का सीधा अर्थ यह है कि अब भूमि विवादों की सुनवाई के लिए आम लोगों को जिला मुख्यालयों या अदालतों के लंबे और खर्चीले चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अनुमंडल स्तर पर ही राजस्व न्यायालयों के मजबूत होने से भूमि विवादों का निपटारा तेजी से होगा। जब जमीन से जुड़े छोटे-मोटे विवाद शुरुआती स्तर पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा सुलझा लिए जाएंगे, तो वे न तो हिंसक रूप लेंगे और न ही सिविल कोर्ट में सालों तक लटकेंगे।

भूमि विवादों के समाधान का सीधा प्रभाव राज्य के आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। जब तक जमीन के मालिकाना हक को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक किसान अपनी ही जमीन पर बैंकों से ऋण प्राप्त नहीं कर पाते हैं। इसी तरह, अनसुलझे भूमि विवादों के कारण उद्योगों की स्थापना और आधारभूत संरचनाओं (जैसे सड़क, अस्पताल, स्कूल) के निर्माण में भी बड़ी बाधाएं आती हैं। जब डीसीएलआर की सक्रियता और पर्याप्त संख्या से जमीनी विवाद सुलझेंगे, तो भू-अभिलेख अद्यतन और स्पष्ट होंगे। इससे राज्य में निवेश का एक अनुकूल माहौल बनेगा, औद्योगीकरण को गति मिलेगी और कृषि क्षेत्र में भी किसान सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकेंगे। यह दोनों निर्णय फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना और डीसीएलआर की संख्या में वृद्धि एक दूसरे के पूरक हैं। एक ओर जहां फास्ट ट्रैक कोर्ट आपराधिक मामलों और लंबे समय से लंबित मुकदमों का बोझ कम कर न्याय की गति को तेज करेंगे, वहीं दूसरी ओर राजस्व प्रशासन में डीसीएलआर की बढ़ती भूमिका उन विवादों को जन्म लेने से पहले ही खत्म कर देगी जो भविष्य में अदालतों तक पहुंच सकते हैं।

एआई महाराज की अदालत : जब फैसले भी कल्पना से लिखे जाने लगे!

नीरज कुमार झा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर अक्सर कहा जाता है कि यह मानव सभ्यता की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है। लेकिन हर क्रांति अपने साथ एक भ्रम भी लेकर आती है। एआईका सबसे बड़ा भ्रम यह है कियह हर उत्तर इतनी निश्चितता से देता है कि सामने वाला उसके सही होने पर संदेह करना ही छोड़ देता है।

हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसा ही एक मामला सामने आने पर न केवल राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का आदेश रद्द कर दिया, बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र को भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी भी दे दी। यह मामला केवल छह फर्जी न्यायिक उद्धरणों का नहीं है, यह उस मानसिकता का आईना है, जिसमें सुविधा ने सत्यापन की जगह ले ली है।

जब अदालत ने ऐसे फैसलों का हवाला दिया, जो कभी थे ही नहीं

मामला एस्सेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स और जम्मू-कश्मीर बैंक के बीच कार्पोरेट गारंटी से जुड़ा था। एनसीएलटी ने अपने आदेश में छह पुराने न्यायिक निर्णयों का सहारा लिया। बाद में जब मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुँचा तो हैरान कर देने वाला तथ्य सामने आया।

छह में से तीन फैसले कभी अस्तित्व में ही नहीं थे। दो फैसले वास्तविक थे, लेकिन उनमें वे टिप्पणियाँ थीं ही नहीं जिनका हवाला दिया गया था। छठा फैसला तो किसी दूसरे मुकदमे का निकला।

सबसे रोचक तथ्य यह था कि इन फैसलों का उल्लेख किसी भी पक्ष के वकीलों ने नहीं किया था। अदालत के समक्ष यह बात सामने आई कि संभवतः ये संदर्भ एआई-सहायता प्राप्त शोध के दौरान उत्पन्न हुए और बिना सत्यापन के आदेश का हिस्सा बन गए। जरा सोचिए, एक अदालत, जहाँ हर शब्द किसी व्यक्ति, कंपनी या संस्था का भविष्य तय कर सकता है, वहाँ यदि निर्णय का आधार ही काल्पनिक हो जाए, तो न्याय का क्या होगा

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी : यह केवल तकनीकी गलती नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले को साधारण त्रुटि मानने से इंकार कर दिया। उसने कहा कि न्यायिक कार्य में एआई की 'हेलुसिनेशन' जहरीली गैस के रिसाव की तरह है जो दिखाई नहीं देती, धीरे-धीरे फैलती है और जब तक उसका प्रभाव समझ में आता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

न्यायालय ने एक और महत्वपूर्ण बात कही यदि किसी निर्णय में रत्ती भर भी काल्पनिक या फर्जी सामग्री शामिल है, तो वह निर्णय टिक नहीं सकता। ऐसा निर्णय वास्तव में निर्णय है ही नहीं।

न्याय केवल सही परिणाम का नाम नहीं है।न्याय सही प्रक्रिया का भी नाम है।यदि प्रक्रिया में ही कल्पना घुस जाए, तो न्याय और कल्पना में अंतर कैसे बचेगा।

यही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को निर्देश दिया कि वह न्यायिक कार्यो में एआई के उपयोग का अध्ययन करने के लिए समिति गठित करे। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि कोई अधिवक्ता एआई द्वारा गढ़े गए उद्धरणों का बिना सत्यापन उपयोग करता है, तो उसे पेशेवर कदाचार तक माना जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में जो टिप्पणी की, वह केवल कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल युग के लिए चेतावनी है।

एआई की सबसे खतरनाक प्रतिभा : आत्मविश्वास

एआई की सबसे खतरनाक विशेषता उसकी बुद्धिमत्ता नहीं है। उसका सबसे बड़ा गुण या कहिए सबसे बड़ा दोष उसका आत्मविश्वास है। यदि उसे उत्तर पता है, तब भी वह जवाब देगा। यदि उसे उत्तर नहीं पता, तब भी वह जवाब देगा। और यदि दुनिया में वह उत्तर कहीं मौजूद ही नहीं है, तब भी वह उसे अत्यंत शिष्ट भाषा में गढ़ देगा। अंग्रेजी में इसे 'हेलुसिनेशन' कहा जाता है। हिंदी में कहें तो यह आत्मविश्वास से बोला गया काल्पनिक सत्य है। और यही सबसे बड़ा संकट है। गलती करना अपराध नहीं है। लेकिन गलती को तथ्य समझ लेना सभ्यता के लिए खतरा है।

आलसी समाज का सबसे प्रिय आविष्कार

एआई के आने के बाद एक नई सामाजिक प्रवृत्ति पैदा हुई है।
पहले छात्र किताब पढ़ते थे। अब एआई पढ़ता है।
पहले अधिकारी फाइल देखते थे।अब एआई सारांश बना देता है।

> **कभी अदालतों में झूठे गवाहों की चिंता होती थी। अब चिंता झूठे फैसलों की है। फर्क बस इतना है कि पहले झूठ इंसान बोलता था, अब मशीन पूरे आत्मविश्वास से बोलती है. और इंसान उसे बिना पढ़े सच मान लेता है।**

पहले वकील मिसालें खोजते थे। अब एआई केस लॉ खोज देता है।
पहले पत्रकार पाँच स्रोत पढ़ते थे। अब एक प्राम्प्ट लिखते हैं।

तकनीक ने समय बचाया है, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन समय बचाते-बचाते कहीं हमने सोचना ही बचाना बंद तो नहीं कर दिया। आज सबसे बड़ा संकट यह नहीं कि एआई सोचने लगी है। सबसे बड़ा संकट यह है कि इंसान ने सोचना कम कर दिया है।

समस्या एआई नहीं, अंधभक्ति है

आजकल दो तरह के लोग दिखाई देते हैं। एक वे जो कहते हैं एआई सब कुछ कर देगा। दूसरे वे जो कहते हैं एआई सब कुछ बर्बाद कर देगा। दोनों अतिवादी हैं। एआई न तो भगवान है और न ही राक्षस। वह केवल एक उपकरण है। समस्या तब शुरू होती है जब उपकरण को निर्णयकर्ता बना दिया जाता है। कैलकुलेटर जोड़ सकता है। लेकिन सही संख्या डालना अभी भी इंसान का काम है। जीपीएस रास्ता बता सकता है। लेकिन खाई में गाड़ी उतारने का निर्णय चालक का होता है। उसी प्रकार एआई जानकारी दे सकता है। लेकिन सत्यापन की जिम्मेदारी आज भी मनुष्य की है।

भारत ने जो रास्ता सुझाया, दुनिया अब उसकी ओर देख रही है

यहाँ भारत द्वारा फरवरी 2026 में प्रस्तुत मानव विजन की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। प्रधानमंत्री ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में जो पाँच स्तम्भ रखे - उनमें पहला स्तम्भ है **'नैतिक और आचार-संहिता आधारित एआई'** यानी एआई को निष्पक्षता, पारदर्शिता और मानवीय निगरानी में रहकर काम करना होगा। एनसीएलटी वाला प्रकरण इसी मानवीय निगरानी की अनुपस्थिति का परिणाम है। यदि किसी ने एआई के उत्तर की जाँच की होती यदि मानवीय निगरानी का वह स्तम्भ कार्यरत होता तो तीन काल्पनिक निर्णय कभी किसी आदेश में नहीं जाते।

मानव विजन का दूसरा स्तम्भ है - **'जवाबदेह शासन'** पारदर्शी नियम और सुदृढ़ निगरानी। सर्वोच्च न्यायालय ने बार काउंसिल को जो समिति गठित करने का निर्देश दिया है, वह इसी दिशा में एक ठोस कदम है। लेकिन समिति गठित होना और उसकी सिफारिशें लागू होना इन दोनों के बीच भारतीय नौकरशाही का जो अनंत अंतराल है, वह भी एक वास्तविकता है। मानव विजन को केवल अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने से काम नहीं चलेगा उसे बार काउंसिल की उस समिति की रिपोर्ट में, एनसीएलटी के नए दिशानिर्देशों में, और हर उस न्यायाधीश की मेज पर उतरना होगा जो एआईसे सहायता ले रहा है।

मानव विजन का पाँचवाँ स्तम्भ है -**'सत्यापन योग्य प्रणालियाँ'** अर्थात एआई के निर्णय और आउटपुट जाँचे जा सकें, परखे जा सकें। एनसीएलटी प्रकरण बताता है कि यह सत्यापन न हुआ तो परिणाम क्या होता है 200 करोड़ का मुकदमा, दो ट्रिब्यूनल के आदेश, वर्षो की कानूनी लड़ाई और अंत में पता चला कि जिन निर्णयों पर यह इमारत खड़ी थी, वे थे ही नहीं।

एआईएक शक्तिशाली उपकरण है। न्यायिक कार्यो में उसकी उपयोगिता है विशाल केस ल को खोजने में, पैटर्न पहचानने में, प्रारम्भिक शोध में। लेकिन वह उपकरण है निर्णायक नहीं। जब उपकरण निर्णायक बन जाए और मनुष्य केवल हस्ताक्षर करने वाला बन जाए, तो न्याय नहीं तकनीकी औपचारिकता बचती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने जो चेतावनी दी न्यायिक निर्भरता एआईपर बढ़ेगी तो स्वतंत्र न्यायिक तर्क-शक्ति क्षीण होगी, यह केवल न्यायपालिका के लिए नहीं, पूरे शासन-तंत्र के लिए है। और मानव विजन की सार्थकता इसी में है कि वह एआई को मनुष्य का सेवक बनाए रखे, स्वामी नहीं। वरना एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब किसी का घर इसलिए नीलाम हो जाए क्योंकि एक एआई ने एक काल्पनिक निर्णय का हवाला दिया और किसी ने पूछा नहीं।

भविष्य मशीनों का नहीं, विवेक का होगा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने वाले समय की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है। इससे भागा नहीं जा सकता। लेकिन इसके सामने आत्मसमर्पण भी नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय केवल छह फर्जी फैसलों की कहानी नहीं है। यह पूरी मानव सभ्यता को याद दिलाने वाला फैसला है कि तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी उतनी ही बड़ी होगी।

शायद भविष्य का सबसे शिक्षित व्यक्ति वह नहीं होगा जो एआई का सबसे अच्छा उपयोग करेगा। बल्कि वह होगा जोएआई के दिए उत्तर पर सबसे पहले संदेह करेगा।

क्योंकि, मशीन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी गति है। लेकिन मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका विवेक है। और जिस दिन हमने विवेक को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के हवाले कर दिया, उस दिन समस्या यह नहीं होगी कि एआई गलत फैसले लिख रही है। समस्या यह होगी कि उन्हें पढ़ने वाले मनुष्य सही प्रश्न पूछना भूल चुके होंगे।

(लेखक शिक्षाविद और स्तम्भकार हैं।)

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : राष्ट्रधर्म के अमर पुरोधा, जिनकी तपस्या से आज भी आलोकित हो रहा है भारत का स्वाभिमान

प्रमोद कुमार सिंह
शिक्षाविद

महापुरुषों की आयु वर्षो से नहीं, उनके विचारों की अमरता से मापी जाती है और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उन विरल राष्ट्रपुरुषों में हैं, जिनकी चेतना आज भी भारत के आत्मविश्वास, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक संकल्प को ऊर्जा प्रदान करती है।

भारत का इतिहास केवल राजाओं, शासकों और सत्ता के शिखर पर बैठे व्यक्तियों का इतिहास नहीं है। यह उन तपस्वियों का भी इतिहास है जिन्होंने राष्ट्र को केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना माना। ऐसे व्यक्तित्व समय के साथ इतिहास के पन्नों में सीमित नहीं हो जाते, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में बस जाते हैं। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उन्हीं अमर विभूतियों में से एक हैं, जिनका जीवन त्याग, राष्ट्रनिष्ठा, विद्वता, लोकतांत्रिक साहस और अदम्य संकल्प का अनुपम उदाहरण है।

6 जुलाई का दिन भारतवासियों के लिए केवल एक जन्म-जयंती नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म के प्रति पुनः संकल्प लेने का अवसर है। उनकी 125वीं जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, सैन्य क्षमता या राजनीतिक व्यवस्था में नहीं होती, बल्कि उन आदर्शो में होती है जिन्हें उसके महापुरुष अपने जीवन से स्थापित करते हैं। डा. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन इसी सत्य का जीवंत दस्तावेज है।

वैभव नहीं, राष्ट्रधर्म का मार्ग चुना : डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के एक प्रतिष्ठित और विद्वान परिवार में हुआ। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी भारतीय शिक्षा-जगत के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्हें बंगाल का बाघ कहा जाता था। उनके लिए जीवन में सम्मान, प्रतिष्ठा और सुख-सुविधाओं के सभी द्वार खुले थे, किंतु उन्होंने व्यक्तिगत वैभव की अपेक्षा राष्ट्रधर्म को चुना।

यही किसी महापुरुष की पहचान होती है कि वह अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए जीता है। उनका जीवन बताता है कि महानता जन्म से नहीं, बल्कि उद्देश्य की महानता से प्राप्त होती है।

दुःखों से टूटे नहीं, तपकर और उज्ज्वल बने : जीवन ने उन्हें असहनीय व्यक्तिगत पीड़ाएँ दीं। पुत्र की असामयिक मृत्यु और फिर पत्नी का असमय निधन किसी भी व्यक्ति को निराशा में डुबो सकता था। किंतु उन्होंने अपने निजी दुःख को कभी सार्वजनिक उत्तरदायित्व पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने अपने आँसुओं को राष्ट्रसेवा की शक्ति में बदल दिया।

आज जब छोटी-सी असफलता भी अनेक लोगों को निराश कर देती है, तब डा. मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि संकल्प मनुष्य का भविष्य निर्धारित करता है।

सबसे युवा कुलपति, जिन्होंने शिक्षा को राष्ट्रनिर्माण का आधार बनाया : मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय का कुलपति बनना स्वयं में एक अद्भुत उपलब्धि थी। उन्होंने विश्वविद्यालय को केवल डिग्री देने वाली संस्था नहीं रहने दिया, बल्कि उसे राष्ट्रीय पुनर्जागरण का केंद्र बनाया। विज्ञान, अनुसंधान, षि, भारतीय इतिहास, पुस्तकालयों, शिक्षक-प्रशिक्षण और छात्र कल्याण के क्षेत्र में उनके सुधार आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

उनका स्पष्ट विश्वास था कि यदि किसी राष्ट्र को दीर्घकालीन शक्ति प्राप्त करनी है तो उसकी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत, वैज्ञानिक, मूल्यनिष्ठ और राष्ट्रोन्मुख बनाना होगा।

राष्ट्रहित सर्वोपरि, सत्ता नहीं, सिद्धांत चुने : स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में उन्होंने आधुनिक भारत की औद्योगिक आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दामोदर घाटी परियोजना, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और औद्योगिक विकास की अनेक योजनाएँ उनकी दूरदर्शिता का परिणाम थीं।

लेकिन उनका व्यक्तित्व केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। जब उन्हें लगा कि कुछ राष्ट्रीय प्रश्नों पर उनकी अंतरात्मा अलग मार्ग अपनाने की अपेक्षा करती है, तब उन्होंने सत्ता से समझौता नहीं किया। उन्होंने सिद्धांतों को पद से ऊपर रखा और मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर लोकतांत्रिक मर्यादा का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया।

आज की राजनीति में यह संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है कि सत्ता का मूल्य तभी है, जब वह राष्ट्रहित के प्रति उत्तरदायी रहे।

भारतीय जनसंघ की स्थापना , वैचारिक लोकतंत्र का नया अध्याय : 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर भारतीय लोकतंत्र को एक नया वैचारिक विकल्प दिया। लोकतंत्र तभी स्वस्थ रहता है जब उसमें विचारों की विविधता, स्वस्थ संवाद और रचनात्मक विपक्ष जीवित रहे। डा मुखर्जी ने सिद्ध किया कि लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में वैचारिक विमर्श को समृद्ध करना भी है।

कश्मीर प्रश्न और अमर बलिदान : डा. मुखर्जी का जीवन जिस उद्देश्य से सबसे अधिक जुड़ा रहा, वह था भारत की एकता और अखंडता। उनका प्रसिद्ध उद्घोष-एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे- राष्ट्रीय एकीकरण की उनकी अटूट आस्था का प्रतीक था।

डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी
राष्ट्रधर्म के अमर पुरोधा

1953 में वे बिना परमिट जम्मू-कश्मीर पहुँचे। उन्हें गिरफ्तार किया गया और नजरबंद रखा गया। 23 जून 1953 को हिरासत के दौरान उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु आज भी भारतीय राजनीतिक इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में गिनी जाती है।

उनका बलिदान यह संदेश देता है कि राष्ट्र की एकता केवल संविधान की धाराओं से नहीं, बल्कि उन लोगों के त्याग से सुरक्षित रहती है जो अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते।

एक विचार जो समय से बड़ा बन गया : समय बदलता है। राजनीतिक परिस्थितियाँ बदलती हैं। पीढ़ियाँ बदलती हैं। लेकिन राष्ट्रहित में दिए गए विचार और बलिदान कभी समाप्त नहीं होते।

डा. मुखर्जी ने जिस आत्मनिर्भर, शिक्षित, औद्योगिक, लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी भारत की कल्पना की थी, आज विकसित भारत की परिकल्पना में उसकी झलक स्पष्ट दिखाई देती है। उनका चिंतन हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और भारतीयता एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

युवाओं के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा : आज जब युवा पीढ़ी अवसरों और चुनौतियों के नए दौर में प्रवेश कर रही है, तब डा. मुखर्जी का जीवन उसे तीन अमूल्य संदेश देता है-ज्ञान अर्जित करो, चरित्र का निर्माण करो और राष्ट्र को अपने जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बनाओ।
उन्होंने कहा था कि जो भी कार्य करो, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ करो। यही संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में था।

राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का दायित्व : किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल संसद में नहीं लिखा जाता, वह विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं, खेतों, कारखानों, न्यायालयों, सैनिक चौकियों और प्रत्येक नागरिक के चरित्र में निर्मित होता है।

डा. मुखर्जी का जीवन हमें बताता है कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि ईमानदार कर्म, सामाजिक उत्तरदायित्व, लोकतांत्रिक मर्यादा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण में निहित है।

आज की सबसे बड़ी श्रद्धांजलि : आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम ऐसा भारत बनाएँ जहाँ ज्ञान को सर्वोच्च सम्मान मिले, लोकतंत्र मजबूत हो, संविधान का आदर हो, विविधता में एकता का भाव और अधिक सुदृढ़ हो, अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचे और राष्ट्रहित हर व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखा जाए।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन उस अखंड दीपशिखा की तरह है जो स्वयं जलकर भी अनगिनत दीपों को प्रज्ज्वलित करती रहती है। उनका व्यक्तित्व केवल इतिहास का गौरव नहीं, वर्तमान की प्रेरणा और भविष्य का पथप्रदर्शक है।

जब तक भारत की मिट्टी में राष्ट्रभक्ति की सुगंध रहेगी, जब तक तिरंगा आकाश में गर्व से लहराता रहेगा, जब तक इस देश का युवा अपने कर्तव्य को राष्ट्रधर्म मानेगा और जब तक भारत अपनी सांस्कृतिक चेतना के साथ विश्व में अग्रणी बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ता रहेगा तब तक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम भारतीय जनमानस में अमिट रहेगा। वे केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय चेतना के शाश्वत प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनका चिंतन और उनका बलिदान आने वाली प्रत्येक पीढ़ी को यह स्मरण कराता रहेगा कि राष्ट्र सर्वोपरि है, और राष्ट्रधर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति कभी कालजयी होने से वंचित नहीं रहता।

पर्यटन स्थलों पर नजर आएंगे जीविका के उत्पाद, हाट-बाजार बनाने की तैयारी

ग्रामीण क्षेत्र का विकास, जीविकोपार्जन के संसाधन बढ़ाने के साथ ही गांवों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ मजबूत करने की दिशा में ग्रामीण विकास विभाग पूरी तरह से गंभीर है। पर्यटन स्थलों पर हाट बनाने से जीविका और किसानों के उत्पादों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रचार-प्रसार होगा। साथ ही इन उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध हो सकेगा। इससे गांव के गरीबों की आमदनी बढ़ेगी और वह आत्मनिर्भर होंगे। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जीविका दीदी और दूसरे गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने से संबंधित योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत डीपीआर बनाने के लिए एजेंसी का सहयोग लेने पर बल दिया गया है। जीविका दीदी और दूसरे लोगों को प्लंबर की ट्रेनिंग देने, खेल मैदान का निर्माण व्यवस्थित तरीके से करने, ग्रामीण क्षेत्र में पुराना और खाली पड़े सरकारी भवनों को चिन्हित कर इसे हाट, बाजार के रूप में तैयार करने आदि के आवश्यक निर्देश जारी किए गए है। जीविका दीदियों के कौशल विकास के लिए उन्हें ट्रेनिंग कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी ताकि वह अपने उत्पादों का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर सकें और इसका राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग का रास्ता आसान हो।

प्रखंड स्तर पर कम से कम 10 महिला, युवतियों को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए गए। यह प्रशिक्षित महिलाएं जहां गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करेंगी वहीं दूसरी ओर वह दूसरी महिलाओं को ट्रेंड करने की हुनर भी रखेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में प्लंबर की भारी मांग है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी जरूररतमंदों को ट्रेनिंग दिलाने की योजना तैयार करेंगे। वह ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाओं की वृहद पीपीटी बनाकर देंगे ताकि इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं को सही तरीके से मूर्तरूप दिया जा सके। आगामी पांच वर्ष के भीतर ग्राम पंचायतों में कम से कम एक हाट बनकर तैयार हो जाएगा। सभी हाट को डिजिटल मार्केट से जोड़ने से संबंधित आवश्यक सुविधाओं को लागू करने पर जोर दिया गया है।

प्रवचन

सफल जीवन के लिए तितिक्षा भाव आवश्यक : जीयर स्वामी

> अभाव और षारीरिक निश्क्रियता में वैराग्य दिखावा
>
> व्यक्ति के दोश के कारण समाज को न करें दंडित

जीवन को सफल बनने और ईश्वर के सान्निध्य में रहने के लिए तितिक्षापूर्ण भाव आवश्यक है। समस्त संसाधनों की उपलब्धता एवं समयोचित उपयोग के बावजूद उनके प्रति निर्लिप्त भाव रखना ही तितिक्षा है। तितिक्षा भाव या वैराग्य के लिए शरीर और इंद्रियों के शिथिल होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। उपरोक्त बातें श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने चंदवा चातुर्मास्य ज्ञान-यज्ञ में प्रवचन करते हुए कहीं।

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी।

श्री जीयर स्वामी ने श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के तहत राजा ध्रुव के राज-काज एवं वन गमन की चर्चा करते कहा कि संसाधनों का उपयोग समयानुसार अवश्य करें, लेकिन उसमें लीन नहीं रहें।

राजा ध्रुव के भाई उत्तम एक बार जंगल में शिकार करने गये। यक्षों ने उनका प्रतिकार किया कि आप धर्मात्मा राजा के भाई हैं। शिकार न करें। बात बढ़ गयी और यक्षों ने उत्तम को मार डाला। उत्तम की मृत्यु की खबर पर उनकी माँ सुरूचि देह त्याग दी।

ध्रुव जी इसे चुनौती मान यक्षों के अलकापुरी पर चढ़ाई कर दिये। इस अलकापुरी का निमार्ण लंका से रावण द्वारा अपने चचेरे भाई कुवेर को खदेड़े जाने के बाद देवताओं ने कैलास के बगल में कराया था। राजा ध्रुव और यक्षों के बीच घोर संग्राम हुआ। प्रलयकारी दृश्य देख स्वयंभू मनु सहित देवतागण आ गये। उन्होंने ध्रुव को समझाया कि भगवान के भक्तों को ऐसा व्यवहार करना उचित नहीं। हिंसा से हिंसा शांत नहीं होती। बुद्ध धम्मपद में कहते हैं कि वैर से वैर शान्त नहीं होता। अवैर (प्रेम) से वैर शान्त होता है। यही सनातन धर्म है।

स्वामी जी ने कहा कि किसी व्यक्ति विशेष के दोष के कारण पूरे समाज को दंडित करना उचित नहीं। पशुओं की भाँति जो हिंसा करता है, उससे भगवान श्रीमन् नारायण प्रसन्न नहीं होते। ध्रुव जी युद्ध को विराम दे दिये।

स्वामी जी ने कहा कि दया करनी चाहिए, लेकिन विवेक के साथ। कुपात्र पर दया नहीं करनी चाहिए। त्रेता युग में रावण त्रिदंडी सन्यासी का रूप बनाकर सीता का हरण किया। सीता को भिक्षुक संन्यासी पर दया आयी लेकिन भिक्षा देने के क्रम में उन्होंने असली और नकली का विचार नहीं किया। बिना विचार किए दया कर दी। हनुमान जी कालनेमि द्वारा गुरु बनने के प्रस्ताव पर विवेक का उपायोग किए जिससे उसका प्रपंच सामने आ गया।

"न केवल षास्त्रमाश्रित्य कर्त्तव्योहि निर्णयः।
युक्तिहीने विचारे तु धर्महानिः प्रजायते।।"

केवल शास्त्र को आधार मानकर ही कर्म नहीं करना चाहिए। युक्तिहीन निर्णय के सम्पादन से धर्म की हानि होती है। द्वापर में अर्जुन भी त्रिदंडी संन्यासी बनकर सुभद्रा का हरण किये थे।

स्वामी जी ने कहा कि जिसका अस्तिव होता है, उसकी ही नकल होती है। जैसे वर्तमान में पांच सौ और दो हजार के मान्यता प्राप्त नोटों के प्रचलन का ही नकल होती है। तीन सौ, सात सौ या एक हजार के नोट प्रचलन में नहीं है, तो इस मूल्य के नकली नोट भी नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि साधन और शरीर थकने के बाद वैराग्य का दिखावा 'वृद्धा वेष्या तपस्विनि' वाली कहावत को चरितार्थ करता है।

'सान्निध्य का संस्मरण' पुस्तक से साभार

दैनिक नवसंदेश
वायस 4 बिहार डॉटकाम के यूनिट दैनिक नवसंदेश (डिजिटल डेली न्यूज पेपर) स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक यू सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ , पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित ।
इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के रोल्पा जिले के करणाली में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 20 लोगों की मौत

रक्सौल(एनएसबी)। नेपाल के रोल्पा जिले के करणाली में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 20 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी बस एक मेले में शामिल होने जा रही थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर बस लगभग 100 फीट गहरी खाई में जा गिरी।हादसे की सूचना मिलते ही नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। कठिन पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य काफी चुनौतीपूर्ण रहा। रेस्क्यू टीमों ने खाई में उतरकर क्षत-विक्षत हालत में शवों को बाहर निकाला तथा घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस गिरते ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन दुर्घटना के कारणों की जांच में जुट गया है। प्रारंभिक आशंका है कि तेज रफ्तार या सड़क की कठिन परिस्थितियों के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा।नेपाल सरकार और स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

नेपाल भेजे जा रहे 550 बैग यूरिया से लदा ट्रक जब्त

मोतिहारी। ढाका प्रखंड में रविवार को सघन जांच अभियान के दौरान करीब 550 बैग यूरिया से लदा ट्रक (संख्या ठत30ळ।ध्9164) जब्त किया गया। जांच में प्रारंभिक तौर पर पता चला कि उर्वरक को कालाबाजारी की नियत से मुजफ्फरपुर से नेपाल ले जाया जा रहा था।जिला षि विभाग ने ट्रक को जब्त कर उर्वरक निरीक्षक-सह-षि समन्वयक उमेश कुमार वर्मा के माध्यम से ढाका थाना को सौंप दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। जब्त ट्रक का चालक प्रदीप कुमार बताया गया है।जिला षि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने कहा कि विभाग उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमित कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

बाल विवाह उन्मूलन और स्थायी लोक अदालत पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मोतिहारी(एनएसबी)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के तत्वावधान में मंगलवार को सुगौली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) परिसर में बाल विवाह उन्मूलन एवं स्थायी लोक अदालत की भूमिका और समाज में उसकी उपयोगिता विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रयास जुवेनाइल सेंटर के सहयोग से आयोजित हुआ।कार्यक्रम में प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरालीगल वलंटियर्स (पीएलवी) ने उपस्थित लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणाम, उससे संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रावधानों से भी अवगत कराते हुए इस कुप्रथा के उन्मूलन के लिए सभी से जागरूक और सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। इस दौरान स्थायी लोक अदालत के माध्यम से सुलभ, त्वरित एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त करने की व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। अधिवक्ताओं ने बताया कि स्थायी लोक अदालत के जरिए आम लोग बिना लंबी न्यायिक प्रक्रिया के अपने विवादों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं, जिससे न्याय व्यवस्था में लोगों का विश्वास और सुलभता दोनों बढ़ती हैं।कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखते हुए बाल विवाह उन्मूलन की आवश्यकता पर बल दिया तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया और विभिन्न विधिक विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

नहर में पानी का लेवल नहीं मिलने से किसान परेशान

अधिकतर नहरों में फोटो खिंचवाने के लिए आता है पानी

कल्याणपुर(एनएसबी)। जबतक अधिकारी नही चाहेंगे किसानों के समस्या का समाधान संभव नहीं है।किसान अपने उत्पीड़न का दुख किससे कहे।अधिकारी टेबुल वर्क में मस्त है।मामला तिरहुत मेन केनाल से जुड़ा है। तिरहुत मेन केनाल से निकलने वाली केसरिया वितरणी में पानी का लेबल किसानों के जरूरत से नहीं बल्कि अधिकारियों के मर्जी से चलता है। इस वितरणी के 34 आरडी से निकलने वाली नहर जो 20 आरडी तक जाती है। लगभग दो दशकों से पानी की समस्या से किसानों को दो चार होना पड़ रहा है।बाकी पानी केसरिया की ओर जाता है। पानी कोटवा से कम मंगाया जाता है। ताकि अधिकारियों को बांध पर कार्य नहीं करना पड़े।किसान परेशान होकर पानी का डिमांड करते है तो नहर के क्षतिग्रस्त होने का हवाला देकर अधिकारी पल्ला झाड़ लेते है। इस नहर से निकलकर चांद परसा, सिसवा खरार ,पटना पंचायत तक जाने वाली छोटी नहर में लगभग पच्चीस वर्षो से पानी नहीं गया।अतिक्रमण की वजह से नहर

अतिक्रमण व खरपतवार से जाम नहर।

क्षतिग्रस्त हो चुका है।क्षेत्र के किसान त्राहिमाम कर रहे है। धान के बिचड़े सूख रहे है। नहर पर अतिक्रमण की वजह से बांध क्षतिग्रस्त हो रहा है। फिर भी अधिकारियों की कुंभकरनी नींद नहीं खुल रही है।इसी वितरणी से निकलने वाली खटोलवा माइनर में किसान जब अधिकारी से गुहार लगाते हैं, तब सीजन मे एक दो बार थोड़ी सी पानी उस माइनर(छोटी नहर) को नसीब होता है। कम पानी आने से खेत का पटवन नहीं हो पता है। किसान राधन सिंह ने बताया कि हमलोगों के पंद्रह वर्षो के प्रयास पर इस वर्ष मननपुर माइनर की सफाई हुई। हमलोग अपने पैसा से सायफन लगवा दिए।लेकिन पानी का लेबल मिलता ही नहीं है। विभाग के द्वारा नहर का लेबल डाउन कर दिया गया है।नहर पर अतिक्रमण है, चूहे नहर को जर्जर कर दिए है। सायफन नाला सब बंद पड़ा है।पानी दौड़ाकर केवल फोटो खींचा जाता है। अनिल सिंह ने बताया पानी केवल केसरिया को चाहिए।बाकी लोगों से अधिकारी का कोई लेना देना नहीं है।एकम साहनी ने बताया पानी का लेबल ही नहीं मिलता है। किससे कहे किसान की सुनता ही कौन है। जटाशंकर सिंह व अजय किशोर सिंह ने बताया अधिकारी केवल फोटो खिंचवाने के लिए नहर पर आते है।किसान के खेत में पानी कैसे जाएगा इससे उनको कोई लेना देना नहीं है ।राजमंगल दुबे ने बताया जिस नहर से हजारों एकड़ खेत का पटवन होता था।अब सिमटकर दहाई में रह गया है।संजय गुप्ता ने कहा सिसवा पटना माइनर तो लगता है अधिकारी के जेहन में ही नहीं है। हमे तो याद ही नहीं इस माइनर से कब हमारे खेत का पटवन हुआ था। मिट्टी भराई कर अधिकतर नहर का हिस्सा लोगों ने जाम कर दिया है। नोहर के जमीन को काटकर लोग खेत में मिला लिए हैं।संजय दुबे कहते है नहर का लेबल कम है बोमा उपर है पानी का लेबल मिलेगा ही नहीं तो पटवन कैसे होगा।कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि पानी लेबल बढ़ाया जाएगा।तथा जाम हुए नहरों की सफाई कराई जाएगीस

विराट रामायण मेडिकल कॉलेज के इंटर्न चिकित्सकों ने स्टाइपेंड नहीं मिलने पर किया विरोध

चकिया(एनएसबी)। विराट रामायण मेडिकल कलेज कोयला बेलवा में इंटर्नशिप कर रहे चिकित्सकों ने पांच माह का स्टाइपेंड नहीं मिलने के विरोध में सोमवार को कलेज परिसर में धरना दिया। चिकित्सकों ने कलेज प्रशासन से मांग रखी कि जब तक स्टाइपेंड नहीं मिलेगा तब तक ड्यूटी नहीं करेंगे। अविलंब स्टाइपेंड भुगतान को लेकर कलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान एमबीबीएस चिकित्सकों ने बताया कि बीते जनवरी माह से 38 चिकित्सक इंटर्नशिप कर रहे हैं।प्रतिमाह 27000 रुपए स्टाइपेंड कलेज के द्वारा दिया जाना है। बीते माह हम लोगों ने विरोध किया था तो एक माह का स्टाइपेंड मिला था। अभी तक 5 महीने का स्टाइपेंड बकाया है। साथ हीं चिकित्सकों ने थाना को एक आवेदन दिया जिसमें बताया कि स्टाइपेंड मांग को लेकर एचआर डिपार्टमेंट के द्वारा हम लोगों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया व धक्का मुकी तथा कई तरह की धमकी भी देने का आरोप लगाया। इस बाबत इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष धर्म प्रकाश ने बताया कि आवेदन मिला है मामले की जांच की जा रही है।

विरोध करते चिकित्सक।

जनता की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान : अंचलाधिकारी

पहाड़पुर(एनएसबी)। प्रखंड के नवपदस्थापित अंचलाधिकारी रामसेवक पासवान ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अंचल कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की तथा कार्यालय के कार्यो और लंबित मामलों की समीक्षा की बैठक के दौरान अंचलाधिकारी ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और निष्पक्ष समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंचल कार्यालय आने वाले किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी आवेदनों का नियमानुसार और निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि आम लोगों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें तथा कार्यालय में बेहतर कार्य संस्ति विकसित करें। साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया।अंचलाधिकारी रामसेवक पासवान ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे अंचल कार्यालय आएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी जाएगी और सभी मामलों में निष्पक्ष एवं नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गांधी नगर रमना सड़क का नामकरण डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पथ

मोतिहारी(एनएसबी)। आज राष्ट्रवाद के प्रणेता ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर ज्ञान बाबू चौक से भवानी मंडप होते हुए गांधी नगर रमना सड़क का नामकरण ष्ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी पथष के रूप में किया गया। इस अवसर पर मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार ने कहा कि ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्तिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने सिद्धांतों के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देता है। इस सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है तथा आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शो से प्रेरणा मिलेगी।कार्यक्रम में उप महापौर ड लाल बाबू प्रसाद, निगम पार्षद चेतन कुमार, भवानी मंडप के अध्यक्ष ड भास्कर राय, उत्तरी मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार, महामंत्री उत्तम मिश्रा, मीडिया प्रभारी गुलरेज शहजाद, प्रदेश सह संयोजक लघु उद्योग प्रकोष्ठ दीपक सर्राफ, सुदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

नहीं बिकी खाता नंबर-109 की जमीन, अपील की तैयारी

गैरमजरूआ जमीन को लेकर पैदा की जा रही भ्रम की स्थिति

मोतिहारी(एनएसबी)। जमीन की खरीद बिक्री को लेकर लगातार इंटरनेट मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बीच जिला प्रशासन ने यह बात साफ कर दिया है कि गैरमजरूआ खाता संख्या 109 में जमीन की खरीद बिक्री 2023 के बाद नहीं हुई है। अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने सोमवार को बताया कि मोतिहारी चीनी मिल की जमीन को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में चीनी मिल से संबंधित खाता को रोक सूची से नियमसंगत तरीके से हटाया गया है। इस बीच खाता संख्या 109 को लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।हनुमान सुगर मिल, मोतिहारी की जमीन बेचे जाने को लेकर की जा रही चर्चाओं में खाता नंबर 109 का उल्लेख किया जा रहा है, जो गलत है। इस बारे में जिला अवर निबंधन कार्यालय से भी रिपोर्ट मंगाई गई है। सभी संचिकाओं की जांच की गई है। इस दौरान पाया गया है कि उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में एक दिसंबर 2025 को खाता संख्या 109 को मुक्त किए जाने के बाद भी उस खाते की जमीन नहीं बिकी है, कारण यह कि उस खाता की जमीन को लेकर आगे अपील की तैयारी चल रही है।एडीएम ने स्पष्ट किया कि कुछ लोग इस मामले को बेवजह तूल देने में लगे हैं, जो सरासर गलत है। विधि विरुद्ध किए जाने वाले कार्य को लेकर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। किसी भी स्थिति में खाता संख्या 109 पर अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए अंचल अधिकारी मोतिहारी व संबंधित इलाके के अंचल अमीन को निर्देशित किया गया है कि वो संबंधित जमीन का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट समर्पित करें।

दिवंगत कामरेड आरएन ठाकुर के स्मृति में शोक-सभा का आयोजन किया गया

रक्सौल(एनएसबी)ईस्ट सेंट्रल रेलवे ईम्पलाईज यूनियन के साथियों के द्वारा रक्सौल मे ऐक्टू (।प्ब्ब्ज्) के संस्थापक सदस्य कमरेड आर् एन् ठाकुर जी के निधन पर शोक सभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया । रक्सौल स्टेशन के पास रेलवे कर्मचारियों के द्वारा कामरेड आर एन ठाकुर जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि करने के बाद तीन मिनट का मौन रखा गया । ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे इम्प्लांइज यूनियन के केंद्रीय संयुक्त सचिव कामरेड रत्नेश वर्मा के नेतृत्व मे रेलवे के सभी विभाग मे कर्मियों के द्वारा दो से तीन मिनट का मौन रखकर दिवंगत कामरेड को श्रंद्धांजलि दि गयी। कामरेड रत्नेश वर्मा ने अत्यंत दुखी और भारी मन से बताया कि हमारे मार्गदर्शक, जुझारू मजदूर नेता और ऐक्टू (।प्ब्ब्ज्) के संस्थापक सदस्य सह बिहार राज्य महासचिव कमरेड आर् एन् ठाकुर जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका निधन हमारे पूरे संगठन , मजदूर आंदोलन और वामपंथी चेतना के लिए एक अपूरणीय क्षति है। कमरेड आर् एन् ठाकुर जी ने अपना पूरा जीवन शोषितों, वंचितों और कामकाजी वर्ग के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया।कामरेड रत्नेश वर्मा ने कहा की क आर एन ठाकुर जी सिर्फ एक नाम नहीं थे, वो मेहनतकशों की आवाज थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन मजदूरों, किसानों और शोषितों के हक के लिए संघर्ष में लगा दिया। लाल झंडे के निचे उन्होंने हमें सिखाया कि एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।उनका संघर्ष, उनकी सा़ी और साथियों के प्रति उनका अपनापन हम हमेशा याद रखेंगे। वो बोलते थे तो लगता था जैसे हक की लड़ाई खुद बोल रही हो। उनका उठा हुआ मुट्ठी वाला हाथ आज भी हमें हिम्मत देता है।आज उनका भौतिक शरीर हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके दिए गए एक एक सबक हमारे साथ हमेशा रहेंगे।आइए, हम सच्ची श्रद्धांजलि इसी तरह दें कि उनके अधूरे कामों को आगे बढ़ाएं। मजदूर एकता को मजबूत करें और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहें। कार्यक्रम मे उपस्थित रेलवे कर्मचारियों मे रत्नेश वर्मा, अंगद कुमार साह, अभिणित आनंद, विशुनदेव राउत, गोपाल कुमार, गगंनदेव कुमार, शत्रुध प्रसाद, अजीत कुमार, विजय कुमार, मोहित कुमार, आजाद कुमार, रौशन कुमार ,सीटू कुमार, संजय कुमार, रामजस पटेल,सूरज कुमार आदि प्रमुख थे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता अखंडता और सम्मान के लिए था समर्पित : राधामोहन

महिला कॉलेज के सभागार में छात्र-छात्राएं सम्मेलन का हुआ आयोजन

मोतिहारी(एनएसबी)। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा जनसंघ के संस्थापक ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पक्ष के अवसर पर एस केएस महिला कलेज के सभागार में छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा अध्यक्ष बब्लू पासवान ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद एवं पूर्व केंद्रीय षि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए समर्पित था। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी साधन है तथा देश की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षो में युवाओं को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति मानते हुए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक, खेल और नवाचार के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक पहल की गई हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया, खेलो इंडिया तथा अटल इनोवेशन मिशन जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इनसे युवाओं को नए अवसर मिले हैं और भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति के रूप में उभर रहा है।उन्होंने कहा कि त्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और रोबोटिक्स जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भारतीय युवा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया और एआई के इस दौर में युवाओं को ड़ मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेकर ज्ञान, अनुशासन, कौशल और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अलावा मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, उपमहापौर ड़ लालबाबू प्रसाद, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीता शर्मा, मीना मिश्रा, सुधांशु रंजन, चंदन सिंह, सन्नी सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समारोह में उपस्थित लोग।

संक्षिप्त खबरें

हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव पर रक्सौल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन

रक्सौल(एनएसबी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल इकाई द्वारा हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव के अवसर पर नगर में भव्य एवं अनुशासित पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्य समाज मंदिर परिसर में आयोजित बौद्धिक सत्र से हुआ। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने घोष की मधुर धुन के साथ नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से पथ संचलन किया। अनुशासन, संगठन एवं राष्ट्रभक्ति का संदेश देता यह संचलन पुनः आर्य समाज मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान नगर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं मोहल्लों में नागरिकों ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया। पूरे वातावरण में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता एवं सांस्तिक चेतना की अनुपम झलक देखने को मिली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतिवर्ष हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव मनाता है। यह दिवस छत्रपति शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक राज्याभिषेक एवं स्वराज्य की स्थापना की स्मृति में आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर देशभर में पूर्ण गणवेश में पथ संचलन, बौद्धिक कार्यक्रम एवं सांस्तिक आयोजन होते हैं, जिनका उद्देश्य समाज में संगठन, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता तथा सांस्तिक गौरव की भावना को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर आयोजित बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए जिला प्रचारक शिवम सोनू ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन राष्ट्ररक्षा, सुशासन, स्वाभिमान, पराक्रम एवं लोककल्याण का अनुपम आदर्श है। उन्होंने कहा कि हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव नई पीढ़ी को शिवाजी महाराज के जीवन-मूल्यों, राष्ट्रनिष्ठा, साहस और संगठन शक्ति से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का भी उल्लेख किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1925 से 2025 तक संघ ने अपनी सौ वर्षो की यात्रा में भारतीय समाज, संस्ति, सेवा, संगठन एवं राष्ट्र निर्माण के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, समर्पण, सामाजिक समरसता तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का प्रेरक अवसर है।कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सांस्तिक गौरव की रक्षा के लिए निरंतर समाजहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखारक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, अजय कुमार, सुनील कुमार, प्रेमचन्द आर्य, वरिष्ठ स्वयंसेवक उमा प्रसाद, जिला कार्यवाह दुर्गेश कुमार, जिला सेवा प्रमुख विकास कुमार, नगर कार्यवाह भरत कुमार, जिला संपर्क प्रमुख सुबोध कुमार, महाविद्यालय कार्य प्रमुख चौतन्य कुमार, जिला व्यवस्था प्रमुख संतोष कुमार, शिवाजी बस्ती प्रमुख हेमंत वर्णवाल, नगर व्यवस्था प्रमुख मनोज कुमार, सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य प्रेमरंजन पटेल, सचिन कुमार, नरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गोपालपुर स्वास्थ्य उपकेंद्र में भारी अनियमितता, कई कर्मी गैरहाजिर

छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डुमरी पंचायत के स्वास्थ्य उप केंद्र गोपालपुर में व्यवस्था की पोल उस समय खुल गई जब 4 जुलाई 2026 की दोपहर लगभग 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में केंद्र पर साफ-सफाई की भारी कमी पाई गई, वहीं कई महत्वपूर्ण दवाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। निरीक्षण के क्रम में एएनएम गीता कुमारी ड्यूटी पर मौजूद पाई गईं,वही जबकि सीएचओ सुप्रिया मदनलाल बिना आवेदन के अनुपस्थित थीं। इसके अलावा कमलावती कुमारी भी गैरहाजिर पाई गईं। उपस्थिति पंजिका की जांच में 27, 30 जून तथा 1, 2, 3 और 4 जुलाई की तिथियों में भी अनुपस्थिति दर्ज पाई गई, जिससे कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी ड़ देवेश चंद्रा ने बताया कि सीएचओ सुप्रिया मदनलाल के अक्सर केंद्र से गायब रहने की शिकायत मिलती रही है। पूर्व में भी उनसे स्पष्टीकरण मांगा जा चुका है। इस बार भी स्पष्टीकरण लेने के बाद जिला स्तर पर कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा।

श्रीमती नीना झा ने सारण की नई जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के रूप में संभाला पदभार

छपरा। विभागीय अधिसूचना के आलोक में श्रीमती नीना झा, जो अब तक सारण प्रमंडल, छपरा में उपनिदेशक जनसंपर्क के पद पर कार्यरत थीं, ने सोमवार को सारण की नई जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने विभागीय कार्यो को गति देने तथा प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी सूचनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी प्रचार-प्रसार उनकी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर निवर्तमान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रविंद्र कुमार ने श्रीमती नीना झा का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सारण की मीडिया की ओर से उन्हें भी पूर्व की भांति सकारात्मक सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। श्रीमती नीना झा के योगदान से जनसंपर्क विभाग को नई दिशा और ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जिला प्रशासन एवं मीडिया जगत के लोगों ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सहयोग शिविर, टीबी उन्मूलन और जलजमाव पर डीएम की नजर, अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

छपरा। सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित साप्ताहिक समन्वय बैठक में विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में 7 जुलाई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर, टीबी मुक्त भारत अभियान, न्यायालयीन मामलों तथा वर्षा के दौरान जलजमाव की समस्या प्रमुख रूप से चर्चा के केंद्र में रही। जिलाधिकारी ने सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंडों के वरीय प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर का आयोजन पूरी व्यवस्था और पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इस शिविर में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह सारण के प्रभारी मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव भी शामिल होंगे। इसे देखते हुए सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सरकारी अस्पतालों एवं पंचायत स्तर पर विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों की जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों में टीबी की पुष्टि हो, उनका तत्काल उपचार शुरू किया जाए। आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं, जीविका दीदियों एवं अन्य माध्यमों से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा आरबीएसके टीम को विद्यालयों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही वरीय प्रभारी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शिविरों की नियमित निगरानी करने को कहा गया। न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समय पर स्टेटमेंट अफ फैक्ट्स उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि मामलों का शीघ्र और प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित हो सके। वर्षा ऋतु में जलजमाव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सड़क निर्माण विभागों एवं शहरी निकायों द्वारा जलजमाव वाले स्थलों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने संबंधित विभागों को स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने तथा तत्काल राहत के लिए अल्पकालिक उपाय लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारियों को इस कार्य की नियमित मनिटरिंग करते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से बेहतर समन्वय के साथ सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने तथा आम नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था), अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, बीडीओ, सीओ एवं अन्य अधिकारी वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे ।

संक्षिप्त खबरें

दो चोरी की वारदातों का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

सहरसा नगर (एनएसबी)। सहरसा पुलिस ने शहर में हुई दो चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 30 मोबाइल फोन, सोने का सिक्का और अन्य कीमती जेवरात बरामद किए हैं। सोमवार को लाइन डीएसपी ओमप्रकाश ने सदर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। डीएसपी ओमप्रकाश ने बताया कि पहली घटना 17 मई 2026 को सदर थाना क्षेत्र के नया बाजार लाल कोठी निवासी विमल किशोर झा के घर हुई थी। इस दौरान मोबाइल फोन और करीब 6 ग्राम सोने के जेवर चोरी हो गए थे। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या-530/26 दर्ज किया गया था।

दूसरी घटना 20 मई 2026 को न्यू कॉलोनी वार्ड नंबर 39 निवासी मुकेश कुमार सिंह के घर हुई थी। यहां से सोने के झुमके, बाली और अन्य कीमती जेवरात चोरी हुए थे। इस मामले में कांड संख्या-549/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धारा 331(4) एवं 305 के तहत जांच शुरू की गई थी। चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ सदर के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने दोनों चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया गया। पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के सराही पासवान टोला वार्ड-11 निवासी विक्कु पासवान के पुत्र विक्की कुमार और इंद्रजीत पासवान के पुत्र विक्की कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 30 मोबाइल फोन, एक सोने का मंगटीका, एक नथिया और एक सोने का सिक्का बरामद किया है। डीएसपी ने बताया कि इस कार्रवाई में सदर थानाध्यक्ष (इंस्पेक्टर) अजय कुमार पासवान, सब इंस्पेक्टर गुंजन कुमार, सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार तथा महिला सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। उन्होंने कहा कि गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान और चोरी गए शेष सामान की शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है।

जिलाधिकारी द्वारा जिला कोषागार कार्यालय का किया निरीक्षण

सहरसा (एनएसबी)। जिलाधिकारी दीपेश कुमार द्वारा सोमवार को जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय की कार्यप्रणाली, प्राप्ति एवं भुगतान व्यवस्था, पेंशन संबंधी कार्यों, वित्तीय अभिलेखों के संधारण तथा ई-कोषागार प्रणाली के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन किया तथा कार्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं सेवा वितरण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों एवं समय-सीमा के अनुरूप संपादित किए जाएँ।

उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन, अभिलेखों का नियमित अद्यतन, कार्यालय परिसर की स्वच्छता तथा आम नागरिकों एवं पेंशनधारकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। साथ ही उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कार्यकुशलता बनाए रखते हुए कार्यालय संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़े सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाए तथा कोषागार की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम निरंतर उठाए जाएँ। निरीक्षण क्रम में अपर समाहर्ता निशांत, वरीय कोषागार पदाधिकारी मुराद अली, विशेष कार्य पदाधिकारी राजू कुमार सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

रसलपुर पंचायत में सहयोग शिविर की तैयारी तेज, बीडीओ ने किया स्थल निरीक्षण

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड की रसलपुर पंचायत में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार झा ने मध्य विद्यालय मुरली पहुंचकर शिविर स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉल, बैठने की व्यवस्था, पेयजल,

साफ-सफाई समेत सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि सहयोग शिविर का आयोजन मध्य विद्यालय मुरली परिसर में किया जाएगा। शिविर के माध्यम से पंचायतवासियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और शिविर को सफल बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

संतनगर महर्षि मेंही आश्रम में पुण्यतिथि पर एक दिवसीय संतमत सत्संग में जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले के संतमत सत्संग आश्रम, संतनगर में रविवार को स्वर्गीय श्री सुबोध मोहन घोष की पाँचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह एवं संतमत सत्संग का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं एवं संतमत अनुयायियों की बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत सतगुरु महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संतमत सत्संग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

साथ ही आयोजकों ने यह भी बताया कि स्व. सुबोध मोहन घोष महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट के पूर्व व्यवस्थापक तथा सहरसा जिला संतमत सत्संग समिति के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए यह श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करने परम पूज्य स्वामी निर्मलानंद जी महाराज, परम पूज्य स्वामी शंकर बाबा महर्षि मेंही संत नगर आश्रम, परमानंद जी महाराज बेगूसराय आश्रम, निपुणानंद जी महाराज महर्षि मेंही आश्रम दानापुर, स्वामी श्यामानंद जी महाराज महर्षि मेंही आश्रम महिषरहो, स्वामी शंभु बाबा महर्षि मेंही हटियागाछी आश्रम सहरसा, परम पूज्य स्वामी पंकज बाबा महर्षि मेंही आश्रम रिचियाही, बेगूसराय से सहित अन्य वरिष्ठ संत-महात्मा मंचिसीन महात्माओं ने गुरु भक्ति, सत्संग के महत्व के पर प्रकाश डालते हुए स्वर्गीय सुबोध मोहन घोष की गुरु के प्रति समर्पण की चर्चा सभी मंचासीन महात्माओं ने किया। स्वामी निर्मलानंद स्वामी व स्वामी पंकज बाबा ने भजन-कीर्तन एवं सत्संग प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किए। वहीं समापन काल में गुरु महाराज एवं घोष के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण एवं सभी मंचासीन महात्माओं को भी फूल मालाओं से सम्मानित किया। इस आयोजन को मुख्य रुप से सफल बनाने में शिक्षिका रितू कुमारी, सुदर्शन कुमार, सुजीत सुमन, शशांक सुमन एवं समस्त परिवार का सहयोग रहा। यहां इस ज्ञान यज्ञ परम पूज्य स्वामी शंकर बाबा के सानिध्य सम्पन्न हुआ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर जिला कार्यकत्र्ता सम्मेलन आयोजित

सहरसा कार्यालय (एनएसबी)। सोमवार को भाजपा द्वारा अभिनव विवाह भवन में जिलाध्यक्ष साजन शर्मा की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम संयोजक विजय बसंत के संचालन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती एवं जिला कार्यकत्र्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकत्र्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रामप्रीत पासवान तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. आलोक रंजन, मेयर बैन प्रिया, पूर्व जिलाध्यक्ष मदन प्रसाद चैधरी माधव जी, पूर्व राजीव रंजन, जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में नेताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रवाद, त्याग एवं बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कार्यकत्र्ताओं से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष साजन शर्मा ने सभी अतिथियों एवं कार्यकत्र्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकत्र्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकत्र्ताओं से पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

सम्मेलन में संबोधित कारते पूर्व मंत्री।

सम्मेलन में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकत्र्ताों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र सेवा एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ। जयंती समारोह में जिला महामंत्री अनमोल भगत, भाजपा नेता रितेश रंजन, भाई भीएस, जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह, मिहिर झा, रिंकी देवी, जिला मंत्री कुमार गौरव, मुकेश मानस, मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सिन्हा, सह मीडिया प्रभारी कुमार अमर ज्योति, जिला प्रवक्ता अभिनंदन कुशवाहा महावीर यादव, नरेश पासवान, सुबोध साह संजीव कुमार, अनोज सिंह बबन, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुगामनी देवी, नगर अध्यक्ष पुर्वी अभिनव सिंह, आशिष गुप्ता, मिस्टर झा, दिनेश तांती, पंकज गुप्ता, महिला मोर्चा कंचन देवी, हेमा श्रीवास्तव, सुलोचना देवी, राम प्रभा देवी, सजनी देवी, ज्योति देवी, मीना सिंह, रेशमी देवी उपस्थित थे।

अराजपत्रित कर्मचारी संघ द्वारा चिर लंबित आठ सुत्री मांग पत्र का संलेख मुख्यमंत्री के नाम समर्पित

सहरसा शहर (एनएसबी)। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के राज्य समान्य पर्षद की बैठक में हुए निर्णय के संदर्भ मे प्रमंडलीय आयुक्त के समक्ष बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला शाखा सहरसा के जिला मंत्री शरद कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन कर चिर लंबित मांग पत्र का संलेख मुख्यमंत्री के नाम समर्पित किया गया। प्रदर्शन में महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह, उपाध्यक्ष ललित नारायण मिश्र, रमन कुमार, अभिषेक कुमार बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष समरेंद्र सिंह, जिला मंत्री अनिष कुमार, सुरज, बमबम झा, हेमचंद्र राजस्व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार झा, नीरज कुमार, जिला मंत्री सर्वण कुमार,स्वास्थ्य संघ के जिला संयोजक कुमार प्रियांशु सिंह, नंदकुमार खां, सुरेश यादव, अभिषेक कुमार मिश्रा, शिक्षा अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश नंदन झा, जिला मंत्री शशि शेखर सिंह, अमरनाथ चैबे, ओमशंकर, कृषि कर्मचारी संघ के प्रीतम, सिंचाई संघ के जिला मंत्री खगेस सिंह अध्यक्ष उमेश कुमार यादव, अमितभारद्वाज, रामचंद्रट प्रसाद मंडल, जयकिशन पासवान, अमित भारद्वाज, संतोष यादव, रुपेश यादव, संजय राउत, वासुदेव उरांव, गोपाल सिंह, चालक संघ के अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव संवर्ग विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। आठ सुत्री मांग अंतर्गत एनपीएस समाप्त कर सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने, सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, संविदा आउटसोर्स व दैनिक वेतनभोगी रोजगार व्यवस्था को समाप्त करने, बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के साथ सरकार से वार्ता एवं समझोते के सभी बिन्दुओं को लागु करने, सचिवालय के तर्ज पर मुफस्सिल कार्यालयों का विभागीय दिवसीय कार्य दिवस करने, नव नियुक्त राजस्व कर्मचारी, अमिन,पंचायत सेवक, सभी विभागो के लिपिक ,स्वास्थ्य विभाग के ए.एन.एम का गृह जिला पदस्थापन हो, सिंचाई विभाग अंतर्गत कार्यरत मौसमी कर्मचारियों के सेवा का समायोजन रिक्त पद के विरुद्ध करने, राज्यों में लंबित की सभी किश्तों को प्रभावी तिथि से बकाया सहित जारी करने एवं कमांड कर्मचारियों का समायोजन सिंचाई विभाग में करने तथा आठवें वेतन का अविलंब लागू करने की मांग शामिल है।

प्रमंडलीय आयुक्त को मांग पत्र सौपते कर्मचारी।

सड़क सुरक्षा विशेष जांच अभियान में 70 वाहनों पर 2.72 लाख का जुर्माना, यातायात नियमों के पालन की अपील

सहरसा शहर (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी दीपेश कुमार के निर्देश के आलोक में आज जिला परिवहन कार्यालय द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सौर बाजार नगर पंचायत के जीरो माइल प्वाइंट पर विभिन्न प्रकार के वाहनों की सघन जांच की गई तथा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जांच अभियान के दौरान मोटरसाइकिल चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण-पत्र, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, परमिट एवं अन्य वैध कागजातों का सत्यापन किया गया। ट्रैक्टर, चारपहिया वाहनों एवं अन्य व्यावसायिक वाहनों की भी मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जांच की गई। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी सुजीत कुमार बरनवाल ने किया। उनके नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान में अपर जिला परिवहन पदाधिकारी जीशान अहमद, मोटरयान निरीक्षक बृजमोहन पटवारी तथा परिवहन विभाग के सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक सक्रिय रूप से शामिल रहे। जांच अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 70 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते 2,72,000 का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों

कगजातों की जांच करते डीटीओ सहरस।

एवं आम नागरिकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। जिला परिवहन पदाधिकारी सुजीत कुमार बरनवाल ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान सहरसा जिले के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के कार्रवाई के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सड़क निर्माण में अवरोध पर दर्जनों लोगों ने समाहरणालय पर किया प्रदर्शन, डीएम को सौपा ज्ञापन

सहरसा शहर (एनएसबी)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 26 में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहरा गया है। वही इस बात को लेकर दर्जनों लोगों ने सोमवार को समाहरणालय गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। वार्ड पार्षद साईबा खातून के प्रतिनिधि मो अली खान के नेतृत्व में सोमवार दर्जनों स्थानीय निवासियों ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि एक दबंग व्यक्ति सरकारी सड़क निर्माण कार्य में जबरन बाधा उत्पन्न कर रहा है। जिससे सैकड़ों परिवारों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। आवेदन में मों अली खान ने कहा कि नगर निगम की योजना के तहत अली बाबू के घर से सहजाद अली के घर होते एनएच 107 सहरसा-मधेपुरा मुख्य सड़क तक सड़क निर्माण का कार्य स्वीकृत है। संवेदक द्वारा निर्माण कार्य शुरू किये जाने पर वार्ड संख्या 27 निवासी मो करामत अली ने संबंधित भूमि को अपनी निजी जमीन बताते काम रुकवा दिया। साथ उन्होंने कि इस मामले में सभी केवालाधारियों ने अंचल अधिकारी कहरा एवं सदर थाना को लिखित आवेदन दिया था।इसके बाद पिछले 16 जून को अंचलाधिकारी कहरा, अंचल अमीन एवं पुलिस बल की मौजूदगी में स्थल की मापी कराई गई।मापी प्रतिवेदन में मो करामत अली द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक लगभग एक कट्ठा भूमि पर अवैध कब्जा किये जाने एवं 10 फीट चैड़े सार्वजनिक रास्ते को बाधित करने का उल्लेख किया गया है।आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति गलत तथ्यों के आधार पर लोगों को भ्रमित कर सड़क निर्माण में अड़चन पैदा कर रहा है। साथ ही उसके विरुद्ध कई आपराधिक मामले लंबित होने एवं विरोध करने वालों को जान-माल की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इसके अलावा उनके पुत्र एवं पुत्री के जाति प्रमाण-पत्र से जुड़े आरोप भी आवेदन में लगाए गये हैं। वार्ड प्रतिनिधि ने जिला प्रशासन से सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त कराकर नगर निगम की सड़क निर्माण योजना को शीघ्र पूरा कराने की मांग की। उन्होंने आवेदन के साथ अंचलाधिकारी का मापी प्रतिवेदन, नगर निगम का कायार्देश एवं अन्य दस्तावेज भी संलग्न करने की बात कही।

डीएम को ज्ञापन सौपते केवालाधारियों।

जाली दस्तावेज से पड़ोसी की जमीन का दाखिल-खारिज, वार्ड सदस्य की पत्नी पर प्राथमिकी

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोपा पंचायत में जाली दस्तावेज के आधार पर पड़ोसी की जमीन का दाखिल-खारिज कराने का मामला सामने आया है। इस मामले में सोनवर्षा के सीओ जितेंद्र कुमार सिन्हा के आवेदन पर काशनगर थाना में वार्ड सदस्य की पत्नी के विरुद्ध जालसाजी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीओ जितेंद्र कुमार सिन्हा द्वारा काशनगर थाना को दिए गए आवेदन के अनुसार, कोपा पंचायत के वार्ड संख्या-7 के वार्ड सदस्य देवदत्त महतो ने अपनी पत्नी रानी देवी के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर पड़ोसी की लगभग 9 डिसमिल जमीन का दाखिल-खारिज करा लिया। मामले की जांच के दौरान रानी देवी के नाम से प्रस्तुत दस्तावेज संख्या 9944 की निबंधन कार्यालय से अभिप्रमाणित प्रति मंगाई गई। जांच में पाया गया कि उक्त दस्तावेज में विक्रेता के रूप में सत्य प्रकाश कुमार एवं प्रदीप कुमार तथा खरीदार के रूप में ससीता देवी उर्फ सीता देवी, पति गुजल मेहता का नाम अंकित है। इससे स्पष्ट हुआ कि रानी देवी के नाम से दाखिल-खारिज के लिए प्रस्तुत दस्तावेज फर्जी था। जांच के बाद अंचल प्रशासन ने रानी देवी के विरुद्ध काशनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह की जांच की मांग स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल लाभार्थी के विरुद्ध कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। फर्जी केबाला (बिक्री विलेख) तैयार करने वाले गिरोह की भी पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों का मानना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जाए तो कोपा पंचायत सहित आसपास के क्षेत्रों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हुए दाखिल-खारिज के कई अन्य मामले भी उजागर हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से शव पहुंचते दो बेटे की हुई बेहोश, गांव में मचा कोहराम

पतरघट (सहरसा) (एनएसबी)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से सोमवार को एक साथ दो परिवार के इकलौते बेटे की शव पतरघट पहुंचते ही इलाका में मचा कोहराम। एंबुलेंस से दोनों युवकों के शव उतारते ही परिजनों का धैर्य जवाब दे गया। मां, बहनों सहित अन्य परिजनों शव से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगे। महिलाओं की चीत्कार से पूरा गांव गूंज उठा। वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। हर किसी की जुबान पर बस यही दर्द था कि दो होनहार युवकों की असमय मौत ने दो परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए उजाड़ दीं। जानकारी अनुसार शनिवार की देर रात मुरादाबाद के मझोला क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे ने सहरसा के पतरघट के दो परिवारों की खुशियां एक पल में छीन लीं। हादसे में पतरघट निवासी जदयू प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार साह के इकलौते 22 वर्षीय पुत्र ओम कुमार उर्फ छोटू और उनके दिवंगत चचेरे भाई अरविंद साह के इकलौते 24 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। राज कुमार साह को एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। ओम कुमार परिवार का सबसे छोटा और इकलौता बेटा था। वहीं, उनके दिवंगत भाई अरविंद साह के परिवार में एक पुत्र प्रिंस कुमार और एक पुत्री हैं। पिता के निधन के बाद पूरे परिवार और बहन की शादी की जिम्मेदारी प्रिंस के कंधों पर आ गई थी। उसकी मेहनत और संघर्ष से परिवार को बेहतर भविष्य की उम्मीद थी, लेकिन सड़क हादसे ने वह उम्मीद भी छीन ली। परिजनों ने बताया कि ओम कुमार उर्फ छोटू मुरादाबाद स्थित टीएमयू में बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहा था। दूसरी ओर, प्रिंस कुमार दरभंगा में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह परीक्षा देने दिल्ली गया था और शनिवार शाम अपने चचेरे भाई से मिलने मुरादाबाद पहुंचा। रात में दोनों एक ही बाइक से किसी काम से शहर की ओर निकले थे। इसी दौरान मझोला थाना क्षेत्र में उनकी बाइक सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। एक साथ दोनों होनहार युवक की अर्थी निकली तो पूरे गांव की आंखें छलक उठीं।। सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया। दोनों युवकों को उनकी बहनों ने मुखाग्नि दी। दो होनहार युवकों की एक साथ हुई मौत ने पूरे पतरघट क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है।

दोनों बेटे की बार-बार बेहोश होती।

डॉ. श्यामा प्रसाद केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के महान प्रहरी भी थे

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। भाजपा के जिला कार्यालय में पार्टी के जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न भगत के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा के वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए शत-शत् नमन किया।

मौके पर डॉ. मुखर्जी के 125वें स्मरण वर्ष के अवसर पर जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह विधान पार्षद हरि सहनी थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ. इंदु भूषण कुशवाहा ने किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरि सहनी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के महान प्रहरी थे। उन्होंने अपने सिद्धांतों और राष्ट्रहित के लिए सत्ता, पद और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग किया। जम्मू-कश्मीर में एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान की व्यवस्था के विरोध में उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर देशवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और अखंड भारत के संकल्प का जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्षों पुरानी उस ऐतिहासिक भावना को साकार करते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को समाप्त कर देश को वास्तविक अर्थों में एक विधान और एक संविधान के सूत्र में बांधा। आज भारत विश्व पटल पर आत्मनिर्भर, सशक्त और गौरवशाली राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो डॉ. मुखर्जी के सपनों के भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हरि सहनी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के विचारों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा विचारों, सिद्धांतों और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का संगठन है और प्रत्येक कार्यकर्ता इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हरि सहनी व अन्य।

भाजपा के जिला कार्यालय में मनी डॉ. मुखर्जी की जयंती

भाजपा जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न भगत ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय अस्मिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। एक देश, एक विधान, एक निशान का उनका संकल्प आज राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक बन चुका है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सेवा, सुशासन, संगठन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियान तथा बूथ सशक्तीकरण में पूरी सक्रियता के साथ भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अन्य वक्ताओं ने भी कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखा। उनका त्याग, तप और बलिदान भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके विचार आज भी करोड़ों देशवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। मंच पर पूर्व जिलाध्यक्ष कंचन पटेल, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वंदना सिंह पटेल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरल सिंह तथा जिला महामंत्री डॉ. इंदु भूषण कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुनील चौधरी, जितेंद्र यादव, जिला मंत्री नवीन सिन्हा, मधु देवी, जिला मीडिया प्रभारी सह मुख्य प्रवक्ता मनीष कुमार राय, जिला प्रवक्ता, ई. धर्मेंद्र यादव, उदय भास्कर, ई. गौरव राज, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनील शाह, अनुसूचित अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुबोध कुशवाहा, नगर अध्यक्ष रितेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष अजय कुमार, अवनीश कुमार, रंजीत कुमार राजा उर्फ सोनू चौरसिया, संजय ठाकुर, खुशबू देवी, कुंदन निषाद, राजीव धमाका, पप्पू शाह, रणजीत सिंह, महादलित प्रकोष्ठ के जिला संयोजक हरिलाल दास, युवा मोर्चा जिला महामंत्री प्रताप रवि सिंह, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुस्कान शर्मा, चुनाव से जिला संयोजक अक्षय सूरी, मंडल महामंत्री धीरेंद्र पासवान, कंचन कुमार, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा राजकिरण महतो, विशाल लहरी, जिला पदाधिकारी, प्रदेश परिषद सदस्य, सभी मोर्चों के जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा के अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ एवं के संयोजक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

10वीं बार कानू संघ के जिला सचिव बने सिकंदर

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। सिकन्दर साह दसवीं बार कानू विकास संघ के जिला सचिव बने। वे 1994 में पहले बार जिला सचिव बने थे। लगातार कड़ी मेहनत की बदोलत कानू समाज सचिव पद पर चुनते आ रहे हैं। वहीं मक्खन साह चौथी बार जिलाध्यक्ष बने। डॉ. महेश कुमार दूसरी बार जिला कोषाध्यक्ष पद बने रहे। डॉ. सरोज कुमार देव जिला उपाध्यक्ष तथा मनोज कुमार शास्त्री संगठन सचिव बनाए गए। इधर जिलाध्यक्ष मक्खन साह ने कहा कि कानू जाति ने जिस तरह लगातार हम पर विश्वास जताया है हम उनके हर दुख-सुख में साथ देंगे। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार कानू ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पंचायत के मध्य में विवाह भवन बनाने की मांग

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। माली पंचायत के पूर्व मुखिया इंद्रदेव यादव, पूर्व पंसस नरेश रजक के साथ ही कई वर्तमान वार्ड सदस्यों ने सीओ को आवेदन देकर विवाह भवन का निर्माण माली पंचायत के मध्य में करवाने की मांग है। आवेदन में आवेदकों ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत के वर्तमान मुखिया सुनियोजित साजिश के तहत विवाह भवन का निर्माण अपने गांव विष्णुपुर में करवाना चाहती है, जबकि विवाह भवन निर्माण के लिए माली मौजा में तीस डिसमील जमीन उपलब्ध है। आवेदन में उक्त भूखंड की पूरी विवरणी अंकित करते हुए कहा है कि यह भूखंड पंचायत के मध्य में स्थित है, जबकि विष्णुपुर पंचायत मुख्यालय से दो किलोमीटर दूर नदी के किनारे पर स्थित है। आवेदन पत्र की एक-एक प्रति पंचायती राज विभाग, नेता प्रतिपक्ष बिहार विधानसभा, डीएम, डीपीआरओ खगड़िया, एसडीओ गोगरी, बीडीओ एवं बीपीआरओ बेलदौर को भी प्रेषित की गई है।

पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। मधेपुरा जिला के आलमनगर थाने के बसनवाड़ा पंचायत के वार्ड नंबर छह भखना बासा निवासी पुलिस सिंह ने थानाध्यक्ष को आवेदन देकर सकरोहर पंचायत के रांकी बासा निवासी तीन लोगों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए जबरन रात के अंधेरे में खेत से मिट्टी काट कर बिक्री कर देने की शिकायत की है। घटना रविवार रात की बताई जा रही है। आवेदक के मुताबिक रंजीत सिंह, उसके पुत्र अमित कुमार सिंह एवं बाबूलाल शर्मा के पुत्र कैलू शर्मा ने उसके कुर्बन पंचायत के गेन्हारसन मौजा में स्थित जमीन से रात में जेसीबी से मिट्टी खनन कर पचास टेलर मिट्टी बिक्री कर दिया। आवेदन के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सीओ के नोटिस के बाद दिया गया आवेदन

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। जिला मुख्यालय के राजेंद्र नगर स्थित डीएवी रोड में अतिक्रमण को लेकर अंचलाधिकारी द्वारा दिए गए नोटिस के आलोक में स्थानीय लोगों सोमवार को एक आवेदन दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंचलाधिकारी के निर्देश पर एक सप्ताह पूर्व अंचल अमीन द्वारा नापी के बाद अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर आज सी ओ साहब से मिलने का समय निर्धारित किया गया, लेकिन कर्मियों के साथ आकस्मिक बैठक को लेकर मुलाकात संभव नहीं होने की स्थिति कार्यालय में आवेदन दिया गया। अंचलाधिकारी को दिए आवेदन में स्थानीय लोगों ने स्पष्ट रूप से कहा कि अंचल अमीन से नापी कर अतिक्रमित भूमि को चिति करने, नापी से पूर्व हमें सूचित करने ताकि स्थल पर सभी लोगों की मौजुी के साथ- साथ अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण मुक्त के लिए समय निर्धारित की बात कही गई। अंचल कार्यालय में सड़क दोनों तरफ रहने वाले लोगों में सविता कुमारी, श्रवण कुमार, अरुण कुमार, मनीष कुमार, संजय सिन्हा, कामेश्वर सिंह, हरि शंकर राम, ब्रह्मदेव यादव, दिनेश सिन्हा, महेश गुप्ता, उषा सिंह, हरिवर्धन मिश्रा, शैलेश सुमन, श्याम सिंह, मदन गुप्ता, कुमारी बबिता, मुकेश कुमार,अमित कुमार, शेखर साहनी, रामसेवक शर्मा, और रामष्ण शर्मा ने कहा कि हम लोगों ने आवेदन देकर अतिक्रमित भूमि को चिन्हित कर समय की मांग की है ताकि समय सीमा के अंदर हम लोग चिन्तित जमीन को अतिक्रमण मुक्त कर सके।

हुनरमंद बनकर मंजू देवी ने बनाई समाज में नई पहचान

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। जिले के मानसी प्रखंड के पष्चिमी ठाठा पंचायत की निवासी मंजू देवी अपने मेहनत के बल पर खुद आत्मनिर्भर बनी ही हैं और दूसरो को भी आत्मर्भिर बनने की प्रेरणा दे रही है। जानकारी के अनुसार मंजू देवी लाडली स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं, जो लक्ष्मीबाई ग्राम संगठन एवं प्रेरणा संकुल संघ के अंतर्गत कार्यरत है। एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली मंजू देवी का जीवन पहले कई संघर्षो से भरा हुआ था, लेकिन आज वे अपने हुनर, मेहनत और लगन के बल पर आत्मनिर्भर बनकर समाज में एक नई पहचान बना चुकी हैं। मंजू देवी का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था और उनकी आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था। परिवार का जीवन मुख्य रूप से मजदूरी और छोटे-मोटे कामों पर निर्भर था, जो नियमित नहीं होने के कारण घर की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो जाता था। बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और दैनिक खर्चो को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। इन परिस्थितियों ने मंजू देवी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उनके जीवन में बदलाव तब आया जब वे लाडली स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित रूप से बचत करना शुरू किया और बैठकों में भाग लेने लगीं। समूह के माध्यम से उन्हें वित्तीय प्रबंधन, छोटे व्यवसाय की जानकारी और आत्मविश्वास प्राप्त हुआ। ग्राम संगठन और संकुल संघ के सहयोग से उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त हुए, जिनसे उनके अंदर आगे बढ़ने की प्रेरणा जगी। इन्हीं प्रशिक्षणों के दौरान मंजू देवी ने सिलाई-कटाई का कार्य सीखा। शुरुआत में उन्होंने अपने घर से ही छोटे स्तर पर कपड़े सिलने का काम शुरू किया। वे आसपास की महिलाओं और बच्चों के कपड़े सिलती थीं। उनकी सिलाई में गुणवत्ता और समय पर काम पूरा करने की आदत के कारण धीरे-धीरे लोगों का भरोसा उन पर बढ़ने लगा। उनके द्वारा सिले गए कपड़े फिटिंग और डिजाइन के कारण लोगों को पसंद आने लगे, जिससे उनकी मांग बढ़ने लगी। धीरे-धीरे मंजू देवी ने अपने कार्य का विस्तार करते हुए रेडीमेड कपड़ों की बिक्री भी शुरू कर दी। उन्होंने बाजार से विभिन्न प्रकार के कपड़े खरीदकर अपनी दुकान में रखना शुरू किया और ग्राहकों की पसंद के अनुसार उन्हें बेचने लगीं। इस प्रकार उन्होंने सिलाई और बिक्री दोनों कार्यो को एक साथ जोड़कर अपने व्यवसाय को मजबूत किया। इससे उनकी आय में भी वृद्धि होने लगी और उनका आत्मविश्वास बढ़ा। इसके साथ ही मंजू देवी ने अपने हुनर को और आगे बढ़ाते हुए ब्यूटी पार्लर का कार्य भी शुरू किया। उन्होंने ब्यूटी से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने घर या दुकान के एक हिस्से में ब्यूटी पार्लर खोल लिया।

टीवी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में जुटा विभाग

04 से 24 जुलाई तक कैंप लगा कर मरीजों की हो रही स्क्रीनिंग

दैनिक नवसंदेश

खगड़िया। भारत को टीवी मुक्त बनाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस लिया है। इस अभियान की सफलता को लेकर 195 स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग लोगों की स्क्रीनिंग कर रहा है। 4 जुलाई से 24 जुलाई तक चलने वाले स्क्रीनिंग में अब तक खगड़िया में 80 हजार लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

प्रभारी सिविल सर्जन धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि खगड़िया जिले में टीवी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में दो दिनों में करीब 80 हजार लोगों का स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिले में 195 स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी स्क्रीनिंग कर रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी सेविका एवं जीविककर्मियों का सहयोग लिया जा रहा है। यक्ष्मा विभाग के डीपीसी शशि कुमार ने कहा टीवी मुक्त भारत बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार कार्य कर रहा है। इस अभियान की लगातार मॉनिटरिंग की जा रहा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत टीवी मरीजों को पोषण के लिये प्रोत्साहन भी दिया जाता है। यक्ष्मा विभाग के पर्यवेक्षक शेखर कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग टीवी मुक्त भारत बनाने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग को प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। अभियान की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोग खुद भी स्क्रीनिंग स्थलों पर आकर अपनी जांच करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमलोगों का लक्ष्य है कि एक मरीज किसी परिवार से मिल रहा है तो उस पूरे परिवार की स्क्रीनिंग करायी जायेगी। उन्होने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। आवास बोर्ड उपस्वास्थ्य केन्द्र पर स्क्रीनींग कर रही एएनएम चंद्रा कुमारी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों पर लगातार स्क्रीनिंग की जा रहा है। इस दौरान संदिग्ध मरीज का बलगम जांच के लिए भेजा जाता है। अभियान में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविका और जीविकाकर्मियों का सहयोग लिया जा रहा है।

मरीज की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी।

195 स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग करा रहा मरीजों की स्क्रीनिंग

वारंटी और शराब तस्कर पकड़े गए

पसराहा (दैनिक नवसंदेश)। भोरकाठ गांव में रविवार की देर शाम पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक व्यक्ति को एक लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोरकाठ गांव निवासी प्रसादी मंडल के रूप में हुई है। वहीं बन्देहरा गांव से भी एक वारंटी प्रीतम कुमार को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार पसराहा पुलिस को सूचना मिली थी कि भोरकाठ गांव में अवैध रूप से देशी शराब रखी गई है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजीव रंजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान एक लीटर देशी शराब बरामद हुई, जिसके बाद प्रसादी मंडल को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजीव रंजन कुमार ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंघ्ग से लागू कराने के लिए पसराहा पुलिस लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर भोरकाठ गांव में छापेमारी कर शराब बरामद की गई और आरोपी प्रसादी मंडल को पकड़ा गया, साथ ही बन्देहरा गांव से फरार चल रहे वारंटी प्रीतम कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में में भेज दिया गया है।

चौबीस घंटे में पुलिस को मिली तीन सफलता

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। एसपी भानुप्रताप सिंह के निर्देश पर विगत 24 घंटे में विभिन्न थाना कांडो से जुड़े तीन तीन लोगों को पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार चेरिया बरियारपुर थाना (बेगूसराय) कांड संख्या 84/26 दिनांक 16.05.2026 धारा 96 बीएनएस की 01 अपहृता को परबत्ता थाने की पुलिस ने सकुशल बरामद कर अग्रिम कार्रवाई हेतु चेरिया बरियारपुर थाना (बेगूसराय) पुलिस को सकुशल सुपुर्द किया है। परबत्ता थाना कांड संख्या 232/26 दिनांक 08.06.2026 धारा 137 (2)/96 बीएनएस की 01 अपहृता को सकुशल बरामद कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। चित्रगुप्तनगर थाना कांड संख्या 108/26 दिनांक 04.07.2026 धारा 137 (2)/96 बीएन एस की 01 अपहृता को सकुशल बरामद कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा विभाग की सुस्ती : बदहाल क्लास में बैठने को मजबूर बेटियां

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। कन्या मध्य विद्यालय की सैकड़ों बेटियां बदहाल क्लास से बाहर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने आदेश दिया था कि पीएम श्री घोषित विद्यालय की भूमि व आधारभूत संरचना मध्य विद्यालय से कम है, तो नजदीकी कमजोर मध्य विद्यालय वर्ग 6-8 का संविलियन पीएम श्री विद्यालय में अनिवार्य रूप से किया जाए। नगर पंचायत बेलदौर पत्रांक 166 दिनांक 22.02.2025 के माध्यम से बताया गया था कि आदर्श मध्य विद्यालय में भवन, खेल मैदान, बैठने की जगह छात्र-छात्राओं के पढ़ने के लिए भवन है। बेलदौर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के पत्रांक 386 दिनांक 26.07.2025 स्थलीय जांच में पाया कि कन्या विद्यालय में छात्राओं के बैठने-खेलने तथा वर्ग रूम में बैठने की पर्याप्त जगह नहीं है। सैकड़ों ग्रामीणों ने आवेदन जिला पदाधिकारी, खगड़िया, एसडीओ, गोगरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी को समर्पित किया। नरसिंह शाह, निवेदिता ठाकुर, चुन्नी देवी, पवन शाह, जवाहर शर्मा, विलास शर्मा, सुनील शर्मा, संतोष शाह, अमन कुमार, रंजीत गुप्ता, नंदकिशोर शाह समेत दर्जनों ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा विभाग का लिखित आदेश, बीईओ की जांच रिपोर्ट सब बेकार। नगर पंचायत की मुख्य पार्षद ममता कुमारी ने कहा कि हमने फरवरी में ही पत्र दे दिया था। बीईओ ने जुलाई में जांच रिपोर्ट भी दे दी। 5 महीने बीत गए, अब भी मर्जर नहीं हुआ है। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों का आवेदन प्राप्त हुआ है नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पीएम श्री योजना में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

सांसद की पहल पर शिशवा में कटावरोधी का कार्य शुरू

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। चौथम प्रखंड अंतर्गत शिशवा पंचायत में कोसी नदी के लगातार बढ़ते कटाव को लेकर सांसद राजेश वर्मा की पहल का असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। सांसद ने 3 जुलाई को जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शिशवा पंचायत में तेजी से हो रहे कटाव पर चिंता जताई थी और तत्काल कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग की थी। सांसद के पत्र के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कटावरोधी कार्य प्रारंभ करा दिया है।

पिछले कई दिनों से कोसी नदी के कटाव के कारण शिशवा पंचायत के लोगों में डर का माहौल बना हुआ था। लगातार हो रहे कटाव से खेती की जमीन नदी में समा रही थी और कई परिवारों के घरों पर भी खतरा मंडरा रहा था। ग्रामीण लगातार प्रशासन से कटाव रोकने की मांग कर रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सांसद राजेश वर्मा ने स्वयं इस मामले को जिलाधिकारी के समक्ष उठाया और जल्द कार्रवाई करने का आग्रह किया। सांसद के पत्र के बाद प्रशासन ने संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए, जिसके बाद शिशवा पंचायत में कटावरोधी कार्य शुरू कर दिया गया। कार्य शुरू होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और लोगों में उम्मीद जगी है कि समय रहते किए जा रहे इस प्रयास से गांव, घर और षि योग्य भूमि को सुरक्षित रखा जा सकेगा। सांसद वर्मा ने कहा कि जनता की सुरक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिशवा पंचायत में कटावरोधी कार्य लगातार और पूरी गुणवत्ता के साथ कराया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

पेंशन राशि तीन हजार नहीं हुई तो आंदोलन : सुभाष

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। सदर प्रखंड क्षेत्र के ईमली स्टेशन के समीप पूर्वोतर बिहार रेल उपभोक्ता संघर्ष समिति एवं जन संघर्ष अभियान की बैठक आयोजित की गयी। अध्यक्षता उद्यमी लाल पोद्दार ने की। इस अवसर पर पूर्वोतर बिहार रेल उपभोक्ता संघर्ष समिति सुभाष चन्द्र जोशी ने वृद्धा पेंशन की राशि को 400 से 1100 किये जाने के लिए बिहार सरकार को धन्यवाद दिया। वहीं उन्होने कहा कि अब इस राशि को बढ़ाकर कम से कम 3000 रुपया किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपरोक्त विषय के संबध में बिहार सरकार को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया गया है। बैठक के माध्यम से सरकार से मांग की गई की उक्त राषि में वृद्धि नहीं किया गई तो वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग जन आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। जोशी ने कहा कि इस ढ़लती उम्र में बाल-बच्चों अथवा परिवार जनों की उपेक्षा का शिकार वृद्ध, दिव्यांग व असहाय महिला को अपनों की ही नजरों में ही उपेक्षा का शिकार होना पर रहा है। ऐसी स्थिति में वृद्धों का एकमात्र सहारा सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए सरकार को ही संविधान प्रदत्त अधिकार के तहत उत्तरदायित्व लेना होगा। ज्ञात हो कि बिहार सरकार व केंद्र सरकार मात्र 500 रुपये की राशि सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु निर्धारित किया है, जिससे एक कप चाय व एक बिस्कुट भी संभव नहीं, जबकि कम से कम 500 ग्राम दूध 35 रुपये एवं 100 ग्राम सत्तू 20 रुपये, दवाई एवं फल तथा पौष्टिक आहार को मिला दें तो 5000 रुपये महीना भी कम पड़ेंगे। उन्होने कहा कि अन्य राज्यों में कहीं 1500 रुपये, 2000 रुपये, 2500 एवं 6000 रुपये तय किया है। इतना सहयोग सरकार यदि कर देती है तो परिवार द्वारा हो रही उपेक्षा तथा उनसे जुड़े हुए अपराध व पारिवारिक हिंसा में व्यापक रूप से कमी आयेगी।उन्होने कहा कि जिले में वृद्धाश्रम का निर्माण प्रत्येक प्रखंड में अतिशीघ्र किया जाय। अत्यधिक वृद्ध होने के कारण आधार कार्ड में दी गयी अंगूठा का निशान का मिलान नहीं होने के वजह से हजारों पेंशन धारियों का पेंशन रोक दिया गया है। उन्होने वैकल्पिक पहचान पत्र की व्यवस्था कर पेंशन पुनः जारी करने की मांग की है।

कांवड़िया पथ पर मां कात्यायनी कांवरिया सेवा समिति लगाएगी शिविर

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। मां कात्यायनी कांवरिया सेवा समिति के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रभाकर झा प्रभात ने तथा संचालन सचिव डॉ. अमित आनंद ने किश। बैठक प्रारंभ होने के पहले शिवभक्त सदस्यों ने समिति के संस्थापक सदस्य नीरज कुमार के असामयिक निधन पर दुख प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के सचिव डॉ. अमित आनंद ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समिति निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसका सारा श्रेय खगड़िया के उन तमाम शिवभक्तों को जाता है जो सदैव तन-मन- धन से सहयोग करते आ रहे हैं। समिति के कोषाध्यक्ष मनीष कुमार मानस ने आमसभा में आय-व्यय का अद्यतन ब्योरा प्रस्तुत किया, जिसका उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत व समर्थन किया। आम सभा में शहर के विभिन्न वार्डों एवं आसपास के गांव से आए लगभग सौ प्रतिनिधियों ने पिछले साल संपन्न हुए निःशुल्क सेवा शिविर की सराहना करते हुए कुछ बिंदुओं पर सलाह दी तथा इस वर्ष भी बेहतर तरीके से शिविर संचालन में सहयोग देने का वचन दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ कि 30 जुलाई से शुरू होने वाले पवित्र श्रावण मास में कांवरिया पथ के पृथ्वीचक में मां कात्यायनी कांवड़िया सेवा समिति द्वारा लगाए जाने वाले निःशुल्क सेवा शिविर में सेवा भावना से समर्पित होकर पूर्व से भी बेहतर कार्य करना है।

अध्यक्षता कर रहे प्रभात ने कहा कि सुल्तानगंज से देवघर के बीच कांवरिया पथ में अनेकों निःशुल्क सेवा शिविर संचालित हैं, परन्तु उन सबों के बीच मां कात्यायनी कांवरिया सेवा समिति को बिहार सरकार द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया जाना गौरव का विषय है और इसका सारा श्रेय खगड़िया के शिवभक्तों को जाता है जिनके सहयोग से पूरे श्रावण मास चलने वाला यह सेवा कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हो पाता है।

समिति के अध्यक्ष ने कहा- सेवा भावना से समर्पित होकर पूर्व से भी बेहतर कार्य करना है

विदित हो कि 2018 ईस्वी से ही खगड़िया के आमजनों, बुद्धिजीवियों, चिकित्सकों, विद्यालय निदेशकों, शिक्षकों, व्यापारियों एवं किसानों सहित तमाम शिव भक्तों के सहयोग से यह शिविर कांवरिया पथ में निःशुल्क सेवा करते आ रही है, जहां शुद्ध पेयजल, नींबू पानी, लस्सी, चाय, मसाज, मरहमपट्टी, दवाई आदि का निःशुल्क वितरण तो होता ही है साथ में प्रत्येक दिन भंडारा का भी आयोजन होता है। यहां प्रत्येक रविवार को डाक बम के लिए विशेष व्यवस्था के रूप में मेवा, फल आदि का वितरण होता है। कांवरियों के विश्राम के लिए भोजन एवं शयन का समुचित प्रबंध भी रहता है। कार्यक्रम में पाटलिपुत्र सेंट्रल स्कूल परबत्ता के निदेशक डॉ. जेपी सिंह, भोलाशंकर पांडेय, नवीन प्रसाद सिंह, मधुपटवा, पप्पू ठाकुर, संजय कुमार, संजीव कुमार, संजय मंडलोई, निरंजन कुमार, अरुण कुमार सिंह, नीतीश आजाद, प्रभास ठाकुर, चंचल झा समेत शिविर के सदस्यों में निरंजन, राधेश्याम शर्मा, संजीव प्रकाश, राजमानीश, पिंटू नागर,सुमित बाबा आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

मनाई गई डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

छपरा सदर। सोमवार को सारण चेम्बर अफ कमर्स द्वारा ड श्याम प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती समारोह आर बी एस पब्लिक स्कूल मौना पकड़ी के प्रागंण में मनाया गया । इस कार्यक्रम में अधिवक्ता गंगोत्री प्रसाद, शत्रुघ प्रसाद गुप्ता, राजेश प्रसाद , प्रदीप कुमार ,प्रो शियाशरण प्रसाद, अधिवक्ता प्रदीप कुमार सारण चेम्बर अफ कमर्स के महा सचिव ड राजू कुमार उपस्थित थे । ड राजू कुमार ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान शिक्षाविद , देशभक्त और राज नेता थे । उन्होंने देश की अखंडता के लिए बलिदान दिये। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मोनिका देवी ने की। कार्यक्रम में आरबी एस पब्लिक स्कूल की वरिष्ठ शिक्षिका सुश्री श्वेता श्रीवास्तव को मंच द्वारा सम्मान किया गया। सचिंद्र उपाध्याय को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र, छात्राओं एवं सभी शिक्षक, शिक्षकायें उपस्थित रहे। वार्ड 33, 34, 35, 36 की सम्मानित जनता भी उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम का संचालन वैश्य जागरण मंच के अध्यक्ष सुनील कुमार ब्याहुत एवं स्वागत प्रगति गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रज्ञ राज द्वारा किया गया ।

`मुखिया को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी, थाने में शिकायत दर्ज

छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा प्रखंड के खैरा थाना क्षेत्र के तकिया पंचायत के मुखिया सह भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता शैलेश कुमार को अज्ञात मोबाइल नंबरों से फोन कर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और मुखिया ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। मुखिया शैलेश कुमार ने बताया कि 22 जून 2026 को दोपहर करीब 3रू38 बजे उनके मोबाइल पर 9717841211 नंबर से लगातार कई कल आए। कल रिसीव करने पर सामने से उन्हें अपशब्द कहे गए और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। इसके बाद एक अन्य मोबाइल नंबर 995511977 से भी फोन कर गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। लगातार मिल रही धमकियों से वे काफी भयभीत हो गए। घटना के बाद शैलेश कुमार ने खैरा थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया और पुलिस से सुरक्षा की मांग की। उन्होंने आशंका जताई है कि धमकी देने वाले लोग उनके साथ किसी भी समय अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। मुखिया ने पुलिस से मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करने की अपील की है। इधर, खैरा थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कल डिटेल और संबंधित नंबरों की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे। इस घटना से पंचायत क्षेत्र में भी हलचल है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि को धमकी दिए जाने की निंदा करते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

विवाहिता महिला खैरा से लापता, पति ने शादी की नीयत से भगाने का लगाया आरोप

छपरा ग्रामीण। नगरा प्रखंड के खैरा थाना क्षेत्र के खैरा बाजार से एक विवाहिता के लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के पति ने थाने में आवेदन देकर अपनी पत्नी के अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला के पति वैशाली जिला के राजा पाकर थाना के रामपुर दिलावर निवासी राम बसेर महतो का पुत्र पिंटू कुमार ने दिए आवेदन में कहा कि अपनी पत्नी प्रीति कुमारी को लेकर खैरा बाजार आए थे और पानी पीने के लिए एक दुकान पर चल गया, तभी पत्नी प्रीति कुमारी वहां से कहीं चली गईं, काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उनका कहीं पता नहीं चला, तो पीड़ित पति ने स्थानीय खैरा पुलिस को सूचना दी। उन्होंने यह भी बताया कि पत्नी बाजार में एक अज्ञात व्यक्ति से फोन पर बात करती थी, पति को पूरा शक है कि वही व्यक्ति उसकी पत्नी को शादी करने की नीयत से बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान ने बताया कि मामले की कांड संख्या 235626 दर्ज करते हुए, मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा हैं।

श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर रेल पुलिस है तैयार

रेल जिला जमालपुर में आयोजित हुई मासिक अपराध गोष्ठी

अच्छे कार्य करने वाले पदाधिकारी को किया गया प्रोत्साहित

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। रेल जिला कार्यालय जमालपुर में सोमवार संध्या मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन रेल एसपी विद्यासागर की अध्यक्षता में हुई। अपराध गोष्ठी में पूरे जिले में एक महीने हुए कार्यो की समीक्षा रेल एसपी ने थाना बार तरीके से करते हुए उसके निष्पादन करने का दिशा निर्देश दिए।

इसके अलावे पूरे महीने जिस पदाधिकारी के द्वारा अच्छे कार्य किए गए उन्हें सार्वजनिक रूप से उनके कार्यो की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित भी किया गया। समीक्षा के दौरान रेल एसपी ने यह भी कहा कि अगले माह हमें क्या करनी है इसकी रूपरेखा तैयार करते हुए अपराध नियंत्रण करने को लेकर वारंटी की गिरफ्तारी को सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिए। इसके अलावे भागलपुर जमालपुर

अपराध गोष्ठी करते रेल एसपी, जागरण।

झाझा नवादा रेल थाने में अच्छी गिरफ्तारी के साथ बरामद की हुई है इसको और कैसे बेहतर किया जाए इसके लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू होने वाला इसको लेकर श्रद्धालुओं के साथ यात्रियों की सुरक्षा कैसे बेहतर तरीके से किया जाए इसको लेकर पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। रेल एसपी ने यह भी कहा कि सुल्तानगंज स्टेशन पर लगने वाले भीड़ को हम कैसे नियंत्रित करते हुए श्रद्धालुओं यात्रियों की सेवा भाव के माध्यम से सुरक्षा करें यह रेल पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी एवं चुनौती है जिसको पूरा करने को लेकर हम सभी को अभी से तैयार होना होगा।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक उमेश्वर चौधरी,किऊल डीएसपी एजाज हाफिज मनी,जमालपुर पुलिस निरीक्षक उमेश प्रसाद,डीसीपी शाखा प्रभारी इंतेख्वाब अंसारी, भागलपुर थानाध्यक्ष नसीम अहमद, झाझा के थानाध्यक्ष मधुसुदन पासवान, किऊल थानाध्यक्ष वृंद कुमार, जमालपुर थानाध्यक्ष स्वराज कुमार, नवादा थानाध्यक्ष बृज बल्लव प्रसाद निराला, जमुई थानाध्यक्ष श्रवण कुमार, शेखपुरा थानाध्यक्ष अजित कुमार, प्रचार प्रभारी संतोष कुमार ओझा,हिंदी शाखा प्रभारी महेंद्र प्रसाद यादव,सहित अन्य मौजूद थे।

फतुहा में सड़क हादसे के बाद भारी बवाल उग्र भीड़ ने पुलिस पर किया पथराव

कार चालक को किया अगवाय पुलिस ने टीम बनाकर की छापेमारी

3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक सकुशल बरामद

फतुहा (दैनिक नवसंदेश)। फतुहा-दनियावां राजमार्ग पर जनार्दनपुर के समीप सोमवार को कार और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर के बाद इलाके में भारी बवाल हो गया। इस हादसे में बाइक सवार कोल्हर निवासी बबी कुमार समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बबी कुमार को फतुहा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद एनएमसीएच (छडब्भ) रेफर किया गया है, जबकि दूसरे घायल का इलाज स्थानीय निजी अस्पताल में चल रहा है। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय ग्रामीण उग्र हो गए और उन्होंने कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। कार में सवार अन्य चार लोग माहौल को बिगड़ता देख मौका पाकर वहां से भागने में सफल रहे। हालांकि, कार चालक के साइड का गेट नहीं खुल पाने के कारण वह वाहन से बाहर नहीं निकल सका और आक्रोशित ग्रामीणों की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही जब स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, तो उग्र भीड़ ने पुलिस टीम पर ही पथराव शुरू कर दिया। इसी अफरा-तफरी और हंगामे के बीच ग्रामीणों ने कार चालक को अगवा कर लिया। पथराव में किसी पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन सरेआम चालक के अपहरण से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष श्रीमंत सुमन के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया। भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त किया। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी शुरू की। पुलिस की भारी मशक्कत और दबाव के कारण, घटना के महज 3 घंटे के भीतर अगवा कार चालक को सकुशल बरामद कर लिया गया। थानाध्यक्ष श्रीमंत सुमन ने बताया कि चालक की बरामी हो चुकी है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

9 माह से फरार अपहरण व फिरौती कांड का आरोपी के घर पर चस्पा इश्तेहार

रेल थाना बाढ़ पुलिस की सख्ती तेजय कोर्ट या पुलिस के समक्ष हाजिर नहीं होने पर होगी कुर्की की कार्रवाई

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। अपहरण सह फिरौती कांड में पिछले नौ माह से फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ रेल थाना बाढ़ पुलिस ने कानूनी शिकंजा और कस दिया है। न्यायालय के आदेश पर बुधवार को आरोपी के घर पर इश्तहार चस्पा किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर आरोपी के आत्मसमर्पण नहीं करने पर उसके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेल थाना बाढ़ कांड संख्या-53625 में दर्ज अपहरण सह फिरौती मामले के प्राथमिकी अभियुक्त चंदन कुमार उर्फ मास्टर, निवासी ग्राम लखाचक, थाना बेलछी, जिला पटना, पिछले करीब नौ माह से फरार चल रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक वह कानून की पकड़ से बाहर है। इसी क्रम में न्यायालय से प्राप्त आदेश के आलोक में पुलिस टीम ने आरोपी के पैतृक आवास पर पहुंचकर विधिवत इश्तहार चस्पा किया तथा स्थानीय लोगों की उपस्थिति में इसकी कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि आरोपी निर्धारित समय के भीतर न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। साथ ही उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी भी जारी है। रेल थाना पुलिस ने फरार आरोपियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि कानून से बचना संभव नहीं है। न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोनपुर मंडल ने यात्री सुविधाओं के विस्तार हेतु चार स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनों के लिए ई-निविदा जारी

पाँच वर्षो में लगभग 349 लाख के रेल राजस्व की संभावना

सोनपुर (एनएसबी) मंडल द्वारा यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं किफायती पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनों की स्थापना हेतु ई-निविदा जारी की गई है। इस पहल से यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी तथा रेलवे की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ई-निविदा के अंतर्गत निम्नलिखित स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन स्थापित की जाएगीसोनपुर स्टेशन' पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना से रेलवे को प्रतिवर्ष घ25,000 तथा पाँच वर्षो में घ1,25,000 का अनुमानित राजस्व प्राप्त होगा। अक्षयवट राय नगर' स्टेशन पर प्रतिवर्ष घ16,500 तथा पाँच वर्षो में घ82,500 का अनुमानित राजस्व प्राप्त होगा। गोल्डिंगंज स्टेशन' पर प्रतिवर्ष घ5,800 तथा पाँच वर्षो में घ29,000 का अनुमानित राजस्व प्राप्त होगा। न्यू बरौनी स्टेशन' पर प्रतिवर्ष घ22,500 तथा पाँच वर्षो में घ1,12,500 का अनुमानित राजस्व प्राप्त होगा। इन चारों स्टेशनों पर जारी ई-निविदाओं के माध्यम से रेलवे को आगामी पाँच वर्षो में कुल घ3,49,000 का अनुमानित राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। सोनपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधाओं के निरंतर विस्तार एवं रेलवे की गैर-किराया आय में वृद्धि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाओं का विकास प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। वाटर वेंडिंग मशीनों की स्थापना से यात्रियों को स्टेशन परिसर में स्वच्छ एवं सुलभ पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक बनेगी। साथ ही यह पहल रेलवे की आय बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। सोनपुर मंडल भविष्य में भी यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं गैर-किराया राजस्व में वृद्धि के लिए इसी प्रकार की जनहितकारी एवं राजस्ववर्धक योजनाओं को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाता रहेगा।

हर गांव में हरियाली, हर छत पर वर्षा जल संचयन का संकल्प

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। जल संकट और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक बनाने के उद्देश्य से सोमवार को बाढ़ प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय राणा विगहा में षशिक्षण के साथ जल संरक्षण, सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में छत वर्षा जल संचयन संरचना एवं जन-जागरूकता अभियानष थीम पर आधारित जल-जीवन-हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पौधारोपण और पर्यावरण संतुलन को जीवन का अनिवार्य संकल्प बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षकों ने कहा कि ष्मेरे सपनों का गाँव वह है जहाँ हवा में धूल नहीं, फूलों की खुशबू होय खेतों की मेड़ों पर नीम, पीपल, बरगद और शीशम की छाया होय तालाबों का स्वच्छ जल आकाश का प्रतिबिंब बने, मोर का नृत्य बच्चों की मुस्कान बने और हिरणों की कुलाँचें प्रति की आजादी का संदेश दें।ष वक्ताओं ने कहा कि ऐसा गाँव तभी संभव है, जब जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जाए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जल बचाना केवल आदत नहीं, बल्कि संस्ति बने और हरियाली केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव बने। प्रति का संरक्षण किसी एक विभाग या सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है। जल-जीवन-हरियाली अभियान की सफलता तभी संभव है, जब समाज का हर वर्ग इसमें सक्रिय भागीदारी निभाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वर्षा जल संचयन की उपयोगिता, भू-जल स्तर को बनाए रखने के उपाय, पौधारोपण के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी गई। शिक्षकों ने छात्रों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में जल की बर्बादी रोकने, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षिका अमृता कुमारी सहित मो़ सानी, सौरभ जाना, शंकर आनंद एवं राधा रानी ने जल-जीवन-हरियाली अभियान की महत्ता पर विस्तार से अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि आज जल और हरियाली की रक्षा नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण, पौधारोपण और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की ज्योति बैठक

सोनपुर (एनएसबी) विधायक कार्यालय सोनपुर मे देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले जनसंघ के संस्थापक ड़ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती एवं भाजपा नगर मण्डल पदाधिकारियो की मासिक बैठक भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह (बब्लु)की अध्यक्षता एवं संचालन उपाध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह द्वारा किया गया।कार्यक्रम की शुरुवात ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर पुष्पांजलि एवं वन्देमातरम से किया गया। पुरे महीने पार्टी के कार्यक्रम पर चर्चा की गयी। फिर अगले महीने पार्टी का कार्य कैसे हो इस पर चर्चा की गयी।वरीय नेता नरेश सिंह जी ने कहा की 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार में ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जन्म हुआ। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एवं शिक्षाविद् के रूप में विख्यात थे। ड मुखर्जी ने 1917 में मैट्रिक किया तथा 1921 में बीए की उपाधि प्राप्त की।

1923 में ल की उपाधि अर्जित करने के पश्चात् वे विदेश चले गये और 1926 में इंग्लैण्ड से बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे। अपने पिता का अनुसरण करते हुए उन्होंने भी अल्पायु में ही विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएँ अर्जित कर ली थीं। 33 वर्ष की अल्पायु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने। इस पद पर नियुक्ति पाने वाले वे सबसे कम आयु के कुलपति थे। एक विचारक तथा प्रखर शिक्षाविद् के रूप में उनकी उपलब्धि तथा ख्याति निरन्तर आगे बढ़ती गयी। ने कहा की ड मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा और अलग संविधान था। वहाँ का मुख्यमन्त्री (वजीरे-आजम) अर्थात् प्रधानमन्त्री कहलाता था। संसद में अपने भाषण में ड मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊँगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूँगा। उन्होंने तात्कालिन नेहरू सरकार को चुनौती दी तथा अपने ढ़ निश्चय पर अटल रहे। अपने संकल्प को पूरा करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबन्द कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गया।

संक्षिप्त खबरें

हर गांव में हरियाली, हर छत पर वर्षा जल संचयन का संकल्प

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। जल संकट और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक बनाने के उद्देश्य से सोमवार को बाढ़ प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय राणा विगहा में षशिक्षण के साथ जल संरक्षण, सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में छत वर्षा जल संचयन संरचना एवं जन-जागरूकता अभियानष थीम पर आधारित जल-जीवन-हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पौधारोपण और पर्यावरण संतुलन को जीवन का अनिवार्य संकल्प बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षकों ने कहा कि ष्मेरे सपनों का गाँव वह है जहाँ हवा में धूल नहीं, फूलों की खुशबू होय खेतों की मेड़ों पर नीम, पीपल, बरगद और शीशम की छाया होय तालाबों का स्वच्छ जल आकाश का प्रतिबिंब बने, मोर का नृत्य बच्चों की मुस्कान बने और हिरणों की कुलाँचें प्रति की आजादी का संदेश दें।ष वक्ताओं ने कहा कि ऐसा गाँव तभी संभव है, जब जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जाए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जल बचाना केवल आदत नहीं, बल्कि संस्ति बने और हरियाली केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव बने। प्रति का संरक्षण किसी एक विभाग या सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है। जल-जीवन-हरियाली अभियान की सफलता तभी संभव है, जब समाज का हर वर्ग इसमें सक्रिय भागीदारी निभाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वर्षा जल संचयन की उपयोगिता, भू-जल स्तर को बनाए रखने के उपाय, पौधारोपण के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी गई। शिक्षकों ने छात्रों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में जल की बर्बादी रोकने, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षिका अमृता कुमारी सहित मो़ सानी, सौरभ जाना, शंकर आनंद एवं राधा रानी ने जल-जीवन-हरियाली अभियान की महत्ता पर विस्तार से अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि आज जल और हरियाली की रक्षा नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण, पौधारोपण और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पीटीईसी बाढ़ की प्रभारी प्राचार्य निशा यादव बनीं डायट नवादा की व्याख्याता

कर्मठता, कुशल नेतृत्व और शैक्षणिक प्रतिबद्धता का मिला सम्मानय शिक्षा जगत में खुशी की लहर

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (पीटीईसी), बाढ़ की प्रभारी प्राचार्य निशा यादव को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), नवादा में व्याख्याता के पद पर तैनात किया गया है। उनके स्थानांतरण एवं नई जिम्मेदारी मिलने की खबर से शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। निशा यादव अपने कार्यकाल के दौरान तेजतर्रार, कर्मठ, मृदुभाषी एवं अनुशासित प्रशासनिक शैली के लिए जानी जाती रही हैं। उन्होंने प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, बाढ़ में प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने, शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने तथा संस्थान में सकारात्मक एवं अनुशासित कार्यसंस्ति विकसित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन, शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं के साथ बेहतर संवाद तथा शैक्षणिक नवाचारों को बढ़ावा देने में उनकी सक्रिय भागीदारी की सराहना होती रही है। उनके नेतृत्व में संस्थान की कई शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा मिली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवादा में व्याख्याता के रूप में उनकी तैनाती को उनकी कार्यकुशलता, अनुभव और शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान माना जा रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, सहकर्मियों, प्रशिक्षु शिक्षकों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि वे अपने अनुभव और दक्षता से डायट नवादा में भी शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

मोबाईल दुकान का शटर काट चोरो ने लाखों की नगदी समेत मोबाईल,लैपटॉप ले गए

दनियावां।स्थानीय दनियावां बाजार स्थित नेहा मोबाईल दुकान में रविवार की रात चोरी हो गई।चोरों ने बंद दुकान का शटर गैस कटर से काटकर तीन लाख बीस हजार नगदी,सत्रह लैपटप,एक दर्जन आईफोन और दर्जनों स्मार्ट फोन चोरी कर लिए।पटना से आई एफएसएल और डग सयड की टीम समेत एसडीपीओ फतुहा 2 संजीव कुमार,पुलिस निरीक्षक माया कुमारी, थानाध्यक्ष खुशबु खातून ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की है।पीड़ित दुकानदार पिंटू कुमार ने बताया कि वह रविवार की रात ग्यारह बजे रजरप्पा से आकर दुकान का मुआयना कर घर चला गया।सुबह दनियावां से आसपास के लोगों ने दुकान का शटर कटे होने की खबर दी।जिसके बाद दुकान आकर मुआयना कर पुलिस को सूचना दी।जिसके बाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की तहकीकात कर रही है।

सोनपुर का लाल विभास्कर चीन के अर्डोस में दिखाएगा दम

100 मीटर दौड़ और रिले रेस में देश का करेंगे प्रतिनिधित्व

अंडर-23 एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप के लिए इंडीया टीम में हुआ चयन

छपरा। जिले के सोनपुर का होनहार धावक विभास्कर कुमार अब अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स ट्रैक पर भारत की उम्मीद बनकर उभरा है़ आगामी 9 से 12 जुलाई को चीन के अर्डोस शहर में आयोजित अंडर-23 एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप के लिए एथलेटिक्स फेडरेशन अफ इंडिया की ओर से घोषित टीम में विभास्कर का नाम शामिल है़ वे 100 मीटर और 4ञ्100 मीटर रिले स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे़ भारतीय टीम में उनके चयन से पूरे सारण जिले और बिहार के खेल जगत में खुशी की लहर है़10़36 सेकेंड में दौड़ पूरी कर मचाई सनसनी' विभास्कर ने इस वर्ष रांची में आयोजित फेडरेशन कप एथलेटिक्स चौंपियनशिप में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरुष 100 मीटर हीट में 10़36 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर सभी को चौंका दिया़ इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने न केवल एशियाई अंडर-23 चौंपियनशिप का ालिफिकेशन हासिल किया़ बल्कि राष्ट्रीय रिकर्डधारी धावकों से भी बेहतर समय दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया़। 'विपरित परिस्थितियों में भी नहीं मानी हार' सारण के सोनपुर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय करने वाले विभास्कर ने यह मुकाम कठिन मेहनत और अनुशासित प्रशिक्षण के बल पर हासिल किया है़ 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने दौड़ने की शुरुआत की़ बाद में पढ़ाई के लिए अपने चाचा के पास हैदराबाद चले गए. जहां अध्यन के साथ स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया़ वर्ष 2019 में हैमस्ट्रिंग की चोट और फिर कोरोना काल के कारण उनका करियर कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ़ लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी़ दो वर्ष तमिलनाडु में रहने के बाद उन्होंने बैक किया़ बिहार सरकार के खिलाड़ियों को अन्य राज्यों में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत उन्हें बेंगलुरु में कोच मनोज लोगराज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिलाया गया है़।

24 घंटे में 39 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री, भंडारण, निर्माण तथा परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को ष्टिगत रखते हुए 5 जुलाई को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-39 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वारंट में 17, शराब सेवन में 4,शराब कारोबार में 7, हत्या के प्रयास में 3, पुलिस पर हमला में 1, चोरी में 3,गृभेदन में 1, झपटमारी में 1, धोखाधड़ी में 1और अन्य मामले मे 1 अभियुक्त शामिल है।साथ ही जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के ष्टिकोण से कुल 60 वाहनों से 78,500 रूपए जुर्माना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल अवैध शराब-81 लीटर, अल्युमिनिय तार-101 किलोग्राम, ट्रैक्टर 01 मोटरसाईकिल-01, तांबा तार-32 किलोग्राम, एवं मोबाईल-02 बरामद किए गए।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर चाट में पलटा, चालक की मौत

आरा (दैनिक नवसंदेश)। सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरहटा दरगाह के समीप सोमवार की सुबह ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क चाट में पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव वार्ड नंबर-12 निवासी विजय बैठा का 36 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार बैठा है।

आनंद कुमार को बेस्ट सेवा अवॉर्ड

आरा (दैनिक नवसंदेश)। यूथ फॉर सेवा के प्रदेश संयोजक आनंद कुमार को दिल्ली में आयोजित समारोह में बेस्ट सेवा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कुमार को शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर एवं सराहनीय कार्य करने के लिए स्मृति चिह्न एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था के प्रोग्राम डायरेक्टर विश्वनाथ शर्मा, एचआर सुमा तथा ट्रस्टी स्वयं प्रकाश के द्वारा दिया गया। महापौर इंदु देवी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दिनेश प्रसाद, आलोक अंजन, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. कुमार जितेंद्र, डॉ. आदित्य विजय जैन, ऋषभ राज, डॉ विकास कुमार रंजीत युवराज ने बधाई दी है।

डीपीएस के निदेशक अंकुर आनंद वर्मा सम्मानित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए डीपीएस इंटरनेशनल स्कूल, मौल्लाबाग, आरा के निदेशक अंकुर आनंद वर्मा को अटल स्किल सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पटना के सिमेज कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल द्वारा समारोह में प्रदान किया गया।

अधिवक्ता के निधन पर शोक

आरा (दैनिक नवसंदेश)। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुदामा सिंह के निधन पर सोमवार को आरा कोर्ट में नो वर्क रहा। इसके पहले आरा जिला बार एसोसिएशन एवं जिला व सत्र न्यायाधीश के ऑफिस में शोक सभा में दो मिनट का मौन रख आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव समेत अन्य पदाधिकारी, अमित कुमार गुप्ता उर्फ बंटी (अधिवक्ता) समेत अन्य मौजूद रहे।

मड़नपुर में ललमुनी देवी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

अगिआंव (दैनिक नवसंदेश)। मड़नपुर में लालमुनी देवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। लाल मुनी देवी पति सुरेश सिंह वर्तमान बरुणा पंचायत मुखिया आशा देवी सामाजिक कार्यकर्ता कामेश्वर सिंह की माता के निधन के उपरांत पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में विधायक महेश पासवान, पूर्व विधायक विजेंद्र यादव, अरुण यादव, बवन यादव, हिमांशु यादव, मुखिया गजेंद्र सिंह यादव, कमलेश यादव, मुखिया आशा देवी, कामेश्वर सिंह उपेंद्र सिंह, सुरेश पांडेय, विनोद कुमार, गौरीशंकर शर्मा आदि मौजूद थे।

एक्वा लाइफ जल संयंत्र का उद्घाटन कल

सहार (दैनिक नवसंदेश)। अंधारी पंचायत में एक्वा लाइफ जल संयंत्र स्थापित कर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उद्घाटन मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा करेंगे। यह जानकारी समाजसेवी राकेश सोनी ने दी।

अर्धनग्न अवस्था में अज्ञात महिला का शव बरामद

बड़हरा (दैनिक नवसंदेश)। बभनगावां एवं इंग्लिशपुर गांव के बीच बरसाती नदी से सोमवार की सुबह अज्ञात 40 वर्षीया महिला का अर्धनग्न अवस्था में शव बरामद हुआ। मृतका के दोनों पैर का चमड़ा हटा हुआ था। बाएं हाथ पर खरोंच जैसा घाव एवं चेहरा पर काला चोट का निशान पाया गया। सूचना पाकर स्थानीय थाना एवं एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव की पहचान करने एवं मामले की छानबीन में जुट गई है। घटनास्थल से हथौड़ी भी बरामद किया। पुलिस महिला की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है।

बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ की महावारी बैठक

आरा (दैनिक नवसंदेश)। बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ का महावारी बैठक जिला सैनिक कल्याण ऑफिस में करनल राणा प्रताप सिंह के अध्यक्षता में हुई। सबसे पहले दो मिनट की मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सूबेदार मेजर कन्हैया सिंह ने सभा संचालन के लिए रामदयालु सिंह को नियुक्त किया। रामदयालु सिंह ने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं को अपनी बातें रखने को कहा जिसका जवाब अध्यक्ष कर्नल राणा प्रताप सिंह ने दिया। उन्होंने बताया 7 जुलाई को पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम की पुण्यतिथि है। सभा में विविध व्यवहार न्यायालय द्वारा नियुक्त दो वकील भी मौजूद थे जो किसी केस में जवानों की ओर से निःशुल्क पैरवी करते हैं। बैठक में जोरदार रामदयालु सिंह, सूबेदार मेजर शंकर शर्मा, मीणा देवी, मीरा देवी, पूनम देवी आदि थे।

अखंड हरिनाम संकीर्तन, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड के सहजौली गांव स्थित प्राचीन कुंजनाथ ब्रह्मस्थान पर दो दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंची संकीर्तन मंडलियों ने मधुर एवं कर्णप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। अनुष्ठान के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक किराना व्यवसायी संजय साह, राजकुमार साह, संतोष साह, अश्विनी साह तथा शिक्षक पंकज कुमार ने बताया कि कुंजनाथ ब्रह्मस्थान क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां सच्ची श्रद्धा से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। प्रत्येक वर्ष यहां धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

महुआर इंग्लिश मौजा में जमीन सर्वे को लेकर पहली ग्राम सभा

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। देवमलपुर बहुदरी पंचायत के महुआर इंग्लिश मौजा में जमीन सर्वे कार्य को लेकर सोमवार को पहली ग्राम सभा का आयोजन किया गया। महुआर मठिया स्थित पंचायत सरकार भवन के समीप आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में किसानों एवं भू-स्वामियों ने भाग लिया। ग्राम सभा सर्वे अमीन की उपस्थिति में संपन्न हुई जिसमें जमीन सर्वे की प्रक्रिया और उसके महत्व की विस्तार से जानकारी दी गई। सर्वे अमीन ने किसानों को बताया कि नए सर्वे के तहत भूमि की मापी कर नया खतियान तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सही जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है। ताकि भविष्य में भूमि संबंधी किसी प्रकार के कानूनी विवाद या अभिलेखीय त्रुटि से बचा जा सके। बैठक में किसानों को प्रपत्र-2 (स्वघोषणा पत्र) एवं प्रपत्र-3 (वंशावली) सही तरीके से भरने की प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई।

प्रेमी की बेवफाई से आहत युवती ने कर ली खुदकुशी

सुसाइड नोट में लिखा : मम्मी-पापा माफ करना

दैनिक नवसंदेश

आरा। नवादा थाने के केजी रोड डॉ. रुंगटा गली स्थित अल्पवास गृह में सोमवार को युवती के आत्महत्या करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस संबंध में बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा गांव निवासी मृतका के पिता संजय कहार ने नवादा थाना में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दर्ज प्राथमिकी में उनके द्वारा बताया गया है कि बिहिया थाना क्षेत्र के बेलौना-खरौनी गांव निवासी झींगुर गोड़ के पुत्र दीपक गोड़ कुछ महीने पहले उनकी पुत्री राजनंदनी कुमारी को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर भाग गया था, जिसके बाद बिहिया

कुछ दिन पूर्व प्रेमी के साथ घर से भाग गयी थी युवती

न्यायालय के आदेश पर कुई दिनों से अल्पवास गृह में रह रही थी

पिता ने पुत्री के साथ कुछ गलत होने और हत्या की जतायी शंका

थाना में उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। न्यायालय के आदेश पर उनकी पुत्री राजनंदनी कुमारी अल्पवास गृह में रह रही थी। एक दिन पूर्व वह उससे मिलने अल्पवास गृह भी गए थे। तब उसने बोला था कि मुझे कुछ दिनों बाद यहां से छोड़ दिया जाएगा और वह बहुत खुश थी। इसी बीच 5 जुलाई को उन्हें सूचना मिली के उनकी पुत्री राजनंदनी की मौत हो गई है। उन्हें आशंका है कि उनकी पुत्री के साथ कुछ गलत हुआ है और उसकी हत्या की गई है। वहीं पुलिस को उसके कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उसके द्वारा लिखा गया है कि मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना। इसके अलावे वह जिस लड़के से प्यार करती थी, उसके बारे में उसने लिखा है कि प्यार करके तुमने मुझे धोखा दिया है।

ग्राहक बन आयी महिलाओं ने उड़ाए साढ़े तीन लाख के गहने

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। स्थानीय श्रृंगार मार्केट स्थित ऊंज्वैलर्स की दुकान में रविवार को खरीदारी के बहाने आईं तीन महिलाओं ने करीब 3.5 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण चोरी कर लिए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले में दुकान संचालक ने चरपोखरी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।दुकान संचालक जितेंद्र बाबू ने बताया कि तीनों महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर पहुंचीं और अलग-अलग डिजाइन के गहने दिखाने को कहा। इसी दौरान एक महिला ने मौका देखकर सोने का टप्स उठा लिया और पीछे खड़ी दूसरी महिला को दे दिया। दूसरी महिला ने उसे अपने झोले में रख लिया। कुछ देर बाद तीनों बिना कोई खरीदारी किए दुकान से निकल गईं। बाद में स्टक का मिलान करने पर करीब 3.5 लाख रुपए मूल्य के आभूषण गायब मिले। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज

एक महिला ने दूसरी को थमाया टॉप्स, झोले में रखकर फरार हुईं तीनों महिलाएं, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

खंगाला गया, जिसमें महिलाओं की पूरी करतूत साफ दिखाई दे रही है। दुकानदार ने चरपोखरी थाना में लिखित आवेदन के साथ सीसीटीवी फुटेज भी सौंप दिया है। उन्होंने आरोपित महिलाओं की पहचान कर गिरतारी और चोरी गए आभूषणों की बरामी की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। घटना रविवार की बताई जा रही है।चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकर्ड हुई।तीन महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुई थीं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपित महिलाओं की पहचान में जुटी है।

नारायणपुर में शोभा की वस्तु बनी नल से जल योजना

अगिआंव (दैनिक नवसंदेश)। नारायणपुर पंचायत के नारायणपुर गांव में सरकार द्वारा संचालित आम जनों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु नल जल योजना धरातल पर सफल नहीं हो पाया है। भले घर-घर में नल का जल न टपकता हो लेकिन इस योजना के तहत किए गए कार्य शोभा की वस्तु बनकर घरों की सुशोभित करते नजर आ रही है। तपती गर्मी और सुखी चापाकल पीने की पानी के हाहाकार के बीच भी सरकार द्वारा संचालित नल जल योजना के तहत अभी तक इस गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हो पाया है। सरकार की महत्वकांक्षी नल जल योजना की संचालन व विधि व्यवस्था को लेकर भले ही सरकार द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाया जाए लेकिन यह योजना धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सरकार की मनसा पर विभागीय और संबंधित शामिल अभिकर्ताओं की ढुलमुल रवैया के कारण यह पूरी तरह पानी फिरता नजर आ रही है। इस मौसम में भी अभी तक यह योजनाएं धरातल पर सार्थक नहीं उत्तर पाने के कारण हर घर में नल का जल उपलब्ध कराने की सरकार की मनसा विफल नजर आ रहा है। इस नल जल योजना के तहत जब लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अधिकारी जेइ संजीव कुमार ने बताया कि पूरी तरह इस योजना का संचालन जारी है। मगर धरातली सच के बाद उन्होंने नहीं बताया कि अभी कार्य जारी है।

ऑटो हटाने के विवाद में होमगार्ड जवान को पीटा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के प्राइवेट बस स्टैंड में सोमवार की सुबह ऑटो हटाने के विवाद में चालकों द्वारा ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान की जमकर पिटाई कर दी गई। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

जानकारी के अनुसार जख्मी जवान नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी राजनंद प्रसाद सिन्हा का 30 वर्षीय पुत्र रूपेश रंजन है। वह होमगार्ड में तैनात है और वर्तमान में ट्रैफिक थाने में कार्यरत है। होमगार्ड जवान रुपेश रंजन ने बताया कि सोमवार की सुबह वह प्राइवेट बस स्टैंड के पास ड्यूटी कर रहा था। तभी एक चालक ने अपना ऑटो गेट के पास खड़ा कर दिया। जब जवान ने उसे कहा कि यहां से ऑटो आगे बढ़ाओ तो चालक द्वारा बोला गया कि मैं पहले सवारी बैठाऊंगा।

होमगार्ड का घायल जवान रूपेश रंजन।

उसके बाद ऑटो हटाऊंगा। जब जवान ने बोला कि जाम लगेगा तो कौन समझेगा, तो चालक ने कहा कि इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। इसके बाद होमगार्ड जवान द्वारा उसके ऑटो का फोटो खींचा जा रहा था। तभी उसके यूनिफार्म में लगे कैमरे को ऑटो चालक द्वारा छीना जाने लगा और जवान से हाथापाई करने लगा। वहां अन्य ऑटो चालक भी उसकी तरफ से आ गए और जवान की पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

प्राथमिकी में पांच नामजद

आरा (दैनिक नवसंदेश)। प्राइवेट बस स्टैंड के समीप सोमवार को ऑटो चालकों द्वारा होमगार्ड जवान से मारपीट मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस संबंध में जख्मी होमगार्ड जवान रूपेश रंजन के लिखित आवेदन के आधार पर नवादा थाने में पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं अन्य अज्ञात को भी आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी दर्द करने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है।

डीएम के जनता दरबार में 64 आवेदकों की सुनवाई

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा ईज अफ लिविंग के अंतर्गत "जिला जनता दरबार" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 64 आवेदकों द्वारा अपनी-अपनी समस्याएँ प्रस्तुत की गईं, जिनकी जिला पदाधिकारी महोदय ने गंभीरतापूर्वक सुनवाई की। सुनवाई के उपरांत जिला पदाधिकारी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र न्यायोचित राहत एवं आवश्यक सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

गड़हनी में 15 मामलों में 12 का निपटारा

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बीस सूत्री कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनता दरबार में बीस सूत्री अध्यक्ष चंदन सोनी एवं उपाध्यक्ष अमरीश सिंह के मार्गदर्शन में सदस्य इमरान अहमद ने ग्रामीणों की शिकायतों को सुना। जनता दरबार मे कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 12 का मौके पर ही निराकरण कराया गया। शेष तीन संवेदनशील मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को प्रेषित करते हुए निश्चित समय सीमा के भीतर निष्पादित करने के निर्देश दिए गए। प्राप्त आवेदनों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन से 01, जाति, आवासीय, आय के 03, आवास योजना से संबंधित 02, राजस्व संबंधित 01, लोहिया स्वच्छता कर्मी के मान्यदेय भुगतान से संबंधित 08 मामले शामिल थे। बैठक के दौरान बीस सूत्री समिति के सदस्यों ने कड़ा

संदेश देते हुए कहा कि बिहार सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त किया जा रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना ही प्राथमिकता है। प्रशासन और जनता के बीच किसी भी प्रकार के 'दलाल' या 'बिचौलिए' को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर इंदल पासवान, राम बच्चन सिंह सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने किया आरबीएसके टीम को रवाना

कुल 6,85,647 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आरबीएसके टीम को जिले में व्यापक टीबी स्क्रीनिंग अभियान के सफल संचालन हेतु रवाना किया गया। यह विशेष स्क्रीनिंग अभियान अगामु 31 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिले में कुल 6,85,647 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के दौरान स्क्रीनिंग किए गए सभी व्यक्तियों का विवरण निक्षय पोर्टल पर अद्यतन किया जाएगा, जिससे मरीजों की समयबद्ध पहचान, उपचार एवं निगरानी सुनिश्चित हो सके। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को मिशन मोड में संचालित करने तथा निर्धारित लक्ष्य को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी, बुखार, वजन कम होना अथवा टीबी के अन्य लक्षण हों तो वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क जांच कराएं और टीबी मुक्त भारत अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। अवसर पर सहायक समाहर्ता, सिविल सर्जन, संचारी रोग पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने लिया सहयोग शिविर की तैयारियों का जायजा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, तनय सुल्तानिया द्वारा जूम कल के माध्यम से 07 जुलाई को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों, टीबी स्क्रीनिंग अभियान तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सहयोग शिविर का आयोजन पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों का ज्पउम-इवनदक एवं फनंसपजल क्पेचवेंस सुनिश्चित किया जाए तथा मामलों के निष्पादन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सहयोग शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें पूर्व से आमंत्रित किया जाए। टीबी स्क्रीनिंग अभियान की समीक्षा के क्रम में उन्होंने चिन्हित लाभार्थियों की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग, निक्षय पोर्टल पर समयबद्ध अद्यतन तथा पात्र मरीजों को शीघ्र उपचार से जोड़ने के निर्देश दिए। पीएचईडी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उन्होंने संबंधित कार्यपालक अभियंता एवं पदाधिकारियों को जिले में पेयजल आपूर्ति हर हाल में निर्बाध बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी महोदय ने कहा कि जलापूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा तकनीकी समस्या का त्वरित रूप से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कार्यो का समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सहायक समाहर्ता, सिविल सर्जन, निदेशक डीआरडीए, निदेशक एनईपी, सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाएं परिवार की शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति रहें जागरूक

बैग वितरण करतीं एसडीएम शिप्रा विजय कुमार चौधरी।

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। गीधा सामुदायिक भवन में 'नई आशा द्वारा स्वस्थ नारी अभियान के तहत सेनेटरी नैपकिन वितरण कर युवतियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही स्कूली बच्चों के बीच पीआर होंडा आरा द्वारा बैग का वितरण किया गया।

इस अवसर पर आरा की अनुमंडल पदाधिकारी शिप्रा विजय कुमार चौधरी ने कहा कि महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। सामान्य बीमारियों अथवा मासिक धर्म के दरम्यान परेशानी होने पर घर की बड़ी महिलाओं को जरूर बताएं। उन्होंने कहा कि आप जहां भी रहें, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति सचेत रहें। शिक्षा बहुत आवश्यक है लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। उन्होंने कहा कि गीधा में शिविर का आयोजन कर सभी योग्य और जरूरतमंदों का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, लेबर कार्ड आदि बनाया जाएगा।

अध्यक्षता करते हुए नई आशा के संरक्षक डॉ. भीम सिंह भवेश ने कहा कि यहां अलका सिलाई सह पढ़ाई केंद्र के माध्यम से युवतियों एवं महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे आगे चलकर स्वावलंबी बन सकें। नई आशा द्वारा यहां के बच्चों के लिए सेतु केंद्र का भी संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम को प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आकाश कुमार, बीपीएम जीविका अनिता कुमारी, पीआर होंडा आरा के एमडी अजीत कुमार आदि ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापिका स्वाति सोनी ने किया। मौके पर कुंदन कुमार सिंह, जयप्रकाश दास, शाम्भवी सिंह, लवली कुमारी, विकास मित्र धरमु राम एवं इंटर्नशिप कर रहे विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

असिस्टेंट प्रोफेसर बहाली में नई परीक्षा प्रणाली का विरोध

आरा (दैनिक नवसंदेश)। प्रस्तावित असिस्टेंट प्रोफेसर बहाली में परीक्षा आधारित नई चयन प्रणाली लागू किए जाने के विरोध में वीर कुंवर सिंह विवि के पुराने परिसर में अभ्यर्थियों की बैठक हुई। इसमें विभिन्न विभागों के शोधार्थी, नेट एवं पीएचडी अभ्यर्थी शामिल हुए। बैठक में अभ्यर्थियों ने सरकार और बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग से वर्तमान बहाली पूर्व निर्धारित एपीआई (एकेडमिक परफर्मेंस इंडिकेटर) एवं एकेडमिक स्कोर आधारित प्रणाली से कराने की मांग की।

विभिन्न विभागों के शोधार्थी, नेट एवं पीएचडी अभ्यर्थियों ने की पराने नियम से बहाली की मांग

उनका कहना था कि वर्षो से अभ्यर्थियों ने पीएचडी, शोध-पत्र प्रकाशन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों में भागीदारी, पुस्तक अध्याय लेखन, अध्यापन अनुभव और अन्य अकादमिक उपलब्धियों के आधार पर अपना प्रोफाइल तैयार किया है। ऐसे में वर्तमान बहाली में अचानक परीक्षा आधारित नई चयन प्रणाली लागू करना उनके साथ अन्याय होगा। अभ्यर्थियों ने कहा कि विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति में शोध एवं अकादमिक उपलब्धियों को पर्याप्त महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया पुरानी एपीआई एवं एकेडमिक स्कोर आधारित व्यवस्था के तहत ही पूरी कराई जाए। बैठक में अधिकतम आयु सीमा 40 से बढ़ाकर 55 वर्ष करने की भी मांग उठी। इसके अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर बहाली में डोमिसाइल नीति लागू करने, शोधार्थियों के लिए फेलोशिप एवं रिसर्च ग्रांट की व्यवस्था करने तथा सरकार, विश्वविद्यालय सेवा आयोग, विश्वविद्यालयों, विषय एवं विधि विशेषज्ञों और शोधार्थी प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति गठित कर भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा कराने की मांग की गई। बैठक में कुमुद पटेल, सुशील सिंह टाइगर, छोटू सिंह, केडी यादव, राज पाण्डेय, रजनीश यादव, चंदन तिवारी, अभिषेक तिवारी उर्फ गोलू, .ष्णा तिवारी, रत्नेश कुमार, अनीश कुमार, राजा पासवान, तुषार विजेता एवं चंदन कुमार तिवारी इत्यादि शोधार्थी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

ठनका गिरने से 16 वर्षीय बच्ची की मौत, सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल

मेहंदीया (एनएसबी)। प्रखंड के प्रासी थाना क्षेत्र अंतर्गत गुल्ली बीघा गांव में सोमवार की दोपहर ठनका गिरने से एक 16 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रीति कुमारी (16 वर्ष), पिता सुरेश महतो के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, प्रीति कुमारी अपने घर के समीप खड़ी थी, तभी अचानक तेज गर्जना के साथ ठनका गिरा। आवाज से वह घबरा गई और घर के बगल मे स्थित नाली में गिर पड़ी। प्रारंभ में किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। कुछ समय बाद परिजनों ने उसे नाली में अचेत अवस्था में पाया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, इसी गांव के बनकटेश कुमार एक अन्य घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि वह बीते रविवार की रात दाउदनगर से आ रहे थे, तभी कॉलेज मोड़, कलेर के पास विपरीत दिशा से आ रही एक वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में स्थानीय पुलिस की मदद से उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।लगातार दो घटनाओं के बाद गुल्ली बीघा गांव में शोक और दहशत का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजा और सड़क सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है।

बिजली के तार से भैंस की मौत

मेहंदीया (एनएसबी)। प्रखंड के कामता ग्राम में सोमवार की दोपहर बिजली के करेंट से एक भैंस की मौत हो गई है,बताया जता है की कामता ग्राम निवासी रंजन शर्मा के द्वारा प्रतिदिन की भांति सोमवार को भी अपने भैंसों को खेत मे चराने का कार्य किया जा रहा था और उसी दरम्यान उसका भैस बिजली के तार के सम्पर्क मे आ गया,ग्रामीण बता रहे थे की बिजली का तार खेत से काफी नीचे आया हुआ था और भैंस इसको समझ नहीं पाई और उसी में सटकर मर गई,ग्रामीण इस बात को लेकर आक्रोसीत दिख रहे थे की बिजली के लचर पचर व्यवस्था से आये दिन और बड़ी घटनायें घट सकती है इसलिए इसको यथाशीघ्र सही किया जाय।

प्रतिभा पल्लवन पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जेईई एडवांस में रचा सफलता का इतिहास

जहानाबाद (एनएसबी)। प्रतिभा नगर स्थित प्रतिभा पल्लवन पब्लिक स्कूल, एरोड्राम, जहानाबाद के मेधावी विद्यार्थियों ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं जेईई एडवांस एवं जेईई मेन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच विद्यार्थियों की इस सफलता ने एक बार फिर विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। विद्यालय के छात्र निकेत आनंद ने जेईई एडवांस में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर- 319) प्राप्त कर प्रतिष्ठित मैथेमेटिक्स एंड कम्प्युटिंग (बीटेक) पाठ्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित किया है। इसी प्रकार रौनक राज ने शानदार प्रदर्शन

करते हुए जेईई एडवांस में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त कर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश हासिल किया। वहीं राज आनंद का चयन भी हुआ है। छात्रा साक्षी स्वराज ने शाखा में प्रवेश प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह सफलता विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की सुदृढ़ तैयारी के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि यहां के विद्यार्थी लगातार देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के एकेडमिक डायरेक्टर अभय आनंद ने कहा कि इन विद्यार्थियों की उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और यह सिद्ध करती है कि छोटे शहरों के छात्र भी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभा पल्लवन पब्लिक स्कूल का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की सोच विकसित करना है। विद्यार्थियों की यह सफलता उसी शैक्षणिक दृष्टिकोण का परिणाम है। विद्यालय के इन मेधावी छात्रों की उपलब्धि न केवल संस्थान, बल्कि पूरे जहानाबाद जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उनकी सफलता ने यह संदेश दिया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और एनआईटी हैदराबाद में चयन से जहानाबाद का बढ़ाया मान

नई उम्मीदों के साथ शिक्षा विभाग को मिला नया नेतृत्व

जहानाबाद (एनएसबी)। जिले के शिक्षा प्रशासन में एक नई शुरूआत के साथ नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने सोमवार को विधिवत अपना योगदान दिया। इस अवसर पर निवर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी तथा नवपदस्थापित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

(डीपीओ) पाल जी भी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षक प्रतिनिधियों ने नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी का स्वागत करते हुए उनसे जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी प्रशासन तथा शिक्षक हितों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर शिक्षक संघ की ओर से जिला अध्यक्ष शंभू शंकर, जिला महासचिव लाल बाबू कुमार, जिला प्रवक्ता रामाश्रय पासवान, विनोद कुमार, दिवाकर कुमार, कमलेश सिंह 'कमल', पंकज कुमार सहित अन्य संघीय पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी का अभिनंदन किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। शिक्षक नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में शिक्षा विभाग नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा तथा विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षक समस्याओं के समाधान और प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी।

श्रावणी मेले की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

जहानाबाद (एनएसबी)। आगामी बराबर श्रावणी मेला-2026 को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला पदाधिकारी छिरिड वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार ने संयुक्त रूप से

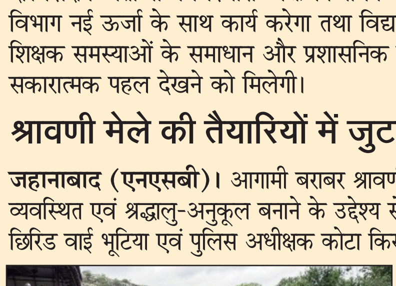

बराबर पहाड़ी, सिद्धेश्वरनाथ मंदिर, पातालगंगा, मेला क्षेत्र तथा विभिन्न संपर्क मार्गों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं अभियंताओं को समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिला योजना पदाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक चलने वाले श्रावणी मेले की बंदोबस्ती प्रक्रिया इसी सप्ताह पूरी कर ली जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने हथियाबोर मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बालू एवं पत्थर बिछाने, खतरनाक स्थलों पर चेतावनी बोर्ड एवं दिशा-सूचक संकेतक लगाने, सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने तथा नियंत्रण कक्ष एवं एम्बुलेंस के हेल्पलाइन नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम में आए मामलों का जिलाधिकारी ने किया त्वरित निष्पादन

अरवल (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी ने आयोजित किया जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम, विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का किया गया त्वरित निष्पादन जिला पदाधिकारी अमृषा बैस द्वारा कार्यालय प्रकोष्ट में जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता से साक्षात्कार में लगभग 09 नागरिकों के द्वारा अपनी समस्याओं से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया। प्राप्त शिकायतें मुख्य रूप से भूमि विवाद, भूमि मापी, बकाया मजदूरी भुगतान, पेशकार, निगरानी, उप विकास आयुक्त कार्यालय, भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय, अंचलाधिकारी

लोगों की समस्याएं सुनते डीएम।

कार्यालय, सिविल सर्जन कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभाग से संबंधित थे। जनता से साक्षात्कार में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया कि जनता की समस्याओं का समाधान शेष मामलों का त्वरित और पारदर्शी तरीके से करें। कलेर प्रखण्ड स्थित ग्राम अमीर बिगहा निवासी अमर कान्त कुमार द्वारा बताया गया कि बकाया मजदूरी के लिए दिये गये आवेदन पर श्रम अधीक्षक अरवल द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बकाया मजदूरी से संबंधित उचित कार्रवाई करने की कृपा प्रदान की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा श्रम अधीक्षक अरवल को नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। इसी प्रकार अरवल प्रखण्ड स्थित ग्राम फरीदाबाद निवासी नाजमा खातुन द्वारा बताया गया कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 14 एवं 16 का मजार (शाही मुहल्ला) एवं दुर्गा स्थान पुरानी अरवल सीमांकन अस्पष्ट एवं विवादित है। सीमांकन स्पष्ट करने की कृपा प्रदान की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद अरवल एवं अंचलाधिकारी अरवल को सीमांकन कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया।

नगर परिषद क्षेत्र में एमआरएफ निर्माण हेतु स्थल चयन को लेकर डीएम ने की बैठक

बैठक करते डीएम।

अरवल (एनएसबी)। नगर परिषद क्षेत्र में एमआरएफ निर्माण हेतु स्थल चयन को लेकर जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस की अध्यक्षता में नगर परिषद, अरवल क्षेत्र में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (टफ्क्र) के निर्माण हेतु उपयुक्त स्थल के चयन के उद्देश्य से संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर परिषद क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए एमआरएफ निर्माण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने कहा कि एमआरएफ के निर्माण से कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) तथा उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एमआरएफ निर्माण के लिए ऐसे स्थल का चयन किया जाए जो निर्धारित मानकों के अनुरूप हो तथा जहाँ निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने स्थल चयन के दौरान भूमि की उपलब्धता, पहुँच मार्ग, पर्यावरणीय मानकों तथा स्थानीय आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। बैठक में प्रस्तावित स्थलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को स्थल का निरीक्षण कर यथाशीघ्र अंतिम प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि एमआरएफ निर्माण की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाई जा सके। बैठक में नगर परिषद एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लारी में दिख रही कुव्यवस्था

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

कुर्था (एनएसबी) एक तरफ सरकार स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ की करने के लिए संकल्पित है। वहीं दूसरी तरफ अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लारी में इन दिनों काफी अव्यवस्था दिख रही है। सोमवार को जब पत्रकारों की टीम अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र लारी पहुंचा तो वहां का स्थिति देखने में है। आश्चर्य हुआ अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र लारी में कार्य करने वाले कर्मियों को कागजातो के रख रखाव के लिए सरकार द्वारा 6 अलमारी उपलब्ध कराई गई थी परंतु जिसमे 5 आलमारी स्वास्थ्यकर्मियों व अधिकारियों के पास सुपुर्द के दी गई लेकिन एक अलमारी बर्षो से नहीं खुला है। जब पत्रकारों द्वारा तहकीकात किया गया तो मालूम हुआ कि करोना काल के बाद से उक्त अलमारी का चाभी किसके पास है। यह किन्ही को जानकारी नहीं है जबकि सूत्रों के माने तो उक्त अलमारी की चाभी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था में दवा भंडार कक्ष में कार्यरत कर्मी विभूति कुमार के पास में है। जो अब तक नही दी गई हैं। जिस कारण उक्त आलमारी में क्या रखा है लोगो के लिए यक्ष प्रश्न बना हुआ है। वही सूत्रों के माने तो अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लारी में दवा का स्टोर व रजिस्टर उपलब्ध दवा के संख्या में भी विभिन्नता है। इस बाबत पूछे जाने पर दवा वहां पदस्थापित डा जितेन्द्र कुमार ने बताया कि हमारे पदस्थापना के दो वर्ष हो चुके हैं लेकिन अब तक आलमारी नही खुला है और चाभी के बारे में हमे कोई जानकारी हमको नही है।

कोरोना कल से नहीं खुले हैं उक्त स्वास्थ्य केंद्र का एक अलमीरा

सामान्य बोर्ड की बैठक न होने से उप मुख्य पार्षद व वार्ड पार्षदों में रोष

कुर्था (एनएसबी)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के कुर्था नगर पंचायत के स्थापित हुए साढ़े तीन वर्ष बीतने को है लेकिन अब तक नगर पंचायत के अधिकारियों व वार्ड पार्षदों के आपसी खींचातानी के वजह से कुर्था नगर पंचायत का विकास काफी दिनों से बाधित है। इस संबंध में कुर्था नगर पंचायत के उपमुख्य पार्षद रविंद्र कुमार प्रसाद, वार्ड पार्षद नगीना राम, शैलेश कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि हमने कई बार कुर्था नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को पत्र के माध्यम से सामान्य बोर्ड की बैठक बुलाने को कहा है लेकिन कार्यपालक पदाधिकारी के मनमानी रवैया के वजह से वार्ड पार्षदों को सामान्य बोर्ड की बैठक की सूचना नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने पिछले दिनों सशक्त स्थाई समिति की बैठक का बहिष्कार किया था। उस बैठक को लेखपाल द्वारा मुख्य पार्षद के इशारे पर हमलोगों को अनुपस्थित दशार्या गया है। जबकी हम लोगों ने सशक्त स्थाई समिति के लेखपाल शिवकुमार बनर्जी से पूछा कि आप ऐसा क्यों किया तो उन्होंने मुख्य पार्षद को बचाते हुए कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी जो कहेंगे। वही हम प्रोसिडिंग रजिस्टर में लिखेंगे जबकि नगर पालिका अधिनियम 2007 के तहत सामान्य बोर्ड की बैठक हो या सशक्त स्थाई समिति की बैठक कार्यपालक पदाधिकारी को किसी भी तरह का कोई विचार व्यक्त नहीं कर रहा है। यह नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए लेखपाल ने नियम के विरुद्ध जाकर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उक्त मामले को लेकर हम सभी वार्ड पार्षद अरवल जिलाधिकारी के पास जाएंगे और उक्त मामले में दोषी लेखपाल एवं अन्य कर्मियों पर कार्रवाई की मांग करेंगे। इस संबंध में कुर्था नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजन कुमार ने बताया कि मुख्य पार्षद के निर्णय के बाद ही बैठक का तिथि निर्धारित किया जाता है। रहा सवाल उन लोगों के अनुपस्थिति का तो उनलोगों ने बैठक के दौरान अटेंडेंस रजिस्टर पर हस्ताक्षर नहीं बनाया था। जिसके वजह से उन लोगों को अनुपस्थित दशार्या गया।

जहानाबाद में गरजे वित्त रहित शिक्षक, शिक्षा नीति समाप्त करने की उठी जोरदार मांग

जहानाबाद (एनएसबी)। वित्त रहित शिक्षा नीति की समाप्ति, वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के समायोजन तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान, सेवा सुरक्षा, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर रविवार को जहानाबाद में राज्यव्यापी महाआंदोलन के छठे चरण के तहत विशाल धरना-प्रदर्शन एवं पदयात्रा आयोजित की गई। आंदोलन का नेतृत्व बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न वित्त रहित महाविद्यालयों के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, प्राचार्य, अधिवक्ता, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं शिक्षा प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार ने की, जबकि संचालन अशोक कुमार प्रियदर्शी ने किया। मुख्य वक्ता बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष एवं रामलखन सिंह यादव कॉलेज, जहानाबाद के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय यादव ने कहा कि वित्त रहित शिक्षक वर्षों से शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं, लेकिन आज भी उन्हें सम्मानजनक वेतन, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल वेतन का नहीं, बल्कि सम्मान, न्याय और बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का आंदोलन है। उन्होंने सरकार से वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त कर शिक्षण संस्थानों का समायोजन करने तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य सेवा लाभ उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि न्याय मिलने तक आंदोलन पूरे राज्य में चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों की मांग पूरी तरह न्यायोचित है और कांग्रेस पार्टी शिक्षक समाज के सम्मान एवं अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने सरकार से वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को सम्मानजनक सेवा शर्तें एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। ए.एन.एस. कॉलेज, जहानाबाद के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद वित्त रहित शिक्षकों ने उच्च शिक्षा व्यवस्था को निरंतर गतिशील बनाए रखा है। सरकार को अब इस लंबे अन्याय का अंत करते हुए शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सेवा सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

धरना-प्रदर्शन के बाद डॉ. संजय यादव के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल से समाहरणालय तक पदयात्रा निकाली। समाहरणालय पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त करने, वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के समायोजन, नियमित वेतनमान, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा एवं सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। आंदोलन को जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, प्रो. भूषण कुमार सिंह, कृष्णा जी सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने समर्थन दिया। इस अवसर पर ए.एन.एस. कॉलेज, जहानाबाद, जहानाबाद कॉलेज, रामलखन सिंह यादव कॉलेज, किसान कॉलेज मखदुमपुर, के.डी.एस.एस. कॉलेज, मगध महाविद्यालय शकुराबाद, जगदेव महाविद्यालय शकुराबाद, एस.के.एम. कॉलेज जहानाबाद, एस.के.एम. कॉलेज टेहटा, के.पी.एस. कॉलेज किंजर तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभा के अंत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर घोषणा की गई कि जब तक वित्त रहित शिक्षक समाज की न्यायोचित मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक राज्यव्यापी महाआंदोलन और अधिक व्यापक एवं प्रभावी रूप से जारी रहेगा।

राज्यव्यापी महाआंदोलन के छठे चरण में धरना, पदयात्रा और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

बाबू जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

जहानाबाद (एनएसबी)। स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत बाबू जगजीवन राम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ, लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने अंग्रेजी शासन में नौकरी करने के बजाय देश की आजादी के आंदोलन का रास्ता चुना और के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर

अंग्रेजी हुकूमत का विरोध किया। इस दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा और अनेक यातनाएं भी सहनी पड़ीं, लेकिन वे अपने सिद्धांतों से कभी विचलित नहीं हुए। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बाबू जगजीवन राम ने केंद्र सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण मंत्रालयों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। रेल मंत्री एवं रक्षा मंत्री के रूप में उनके कार्यों ने देश के विकास को नई दिशा दी। विशेष रूप से समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। वे देश के उप प्रधानमंत्री भी रहे और सामाजिक न्याय तथा समानता के प्रबल समर्थक के रूप में उनकी पहचान बनी। सभा में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बाबू जगजीवन राम के आदर्शों और अधूरे सपनों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के प्रवक्ता प्रो. भूषण कुमार सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, प्रांतीय नेता अशोक प्रियदर्शी, कन्हाई शर्मा, प्रेम कुमार, रामप्रवेश ठाकुर, फजल शाहजहां, तबरेज आलम, सरवर सलीम, अयूब अंसारी, गौरी शंकर यादव, प्रो. योगेंद्र यादव, वशिमूलहक रुस्तम, धनंजय प्रभाकर, संतोष दास सहित बड़ी संख्या थे।

प्रतिभा पल्लवन महाविद्यालय को बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रमों के संचालन की एआईसीटीई से स्वीकृति

जहानाबाद (एनएसबी)। शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए काको प्रखंड के नोनही स्थित प्रतिभा पल्लवन महाविद्यालय को बीबीए (बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) एवं बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस) पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए एआईसीटीई से आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस स्वीकृति के बाद महाविद्यालय में व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के नए आयाम जुड़ेंगे और क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही जिले में उपलब्ध हो सकेगी। महाविद्यालय

प्रशासन ने बताया कि यह उपलब्धि संस्थान के सतत प्रयासों, बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा आधुनिक आधारभूत संरचनाओं के विकास का परिणाम है। बीबीए एवं बीसीए जैसे रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से विद्यार्थियों को प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन की आवश्यकता भी कम होगी। उल्लेखनीय है कि प्रतिभा पल्लवन महाविद्यालय को पहले से ही स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के संचालन के लिए स्थायी संबद्धता प्राप्त है। महाविद्यालय वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और उत्कृष्ट परिणामों के लिए अपनी पहचान बनाए हुए है। एआईसीटीई की स्वीकृति मिलने से संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई मजबूती मिली है।